▶▶ वर्ष 69 ▶▶ अंक 103 ▶▶ पृष्ठ 12+8= 20
भोपाल, शनिवार 10 जनवरी, 2026
▶▶ माघ कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
▶▶ महानगर ▶▶ मूल्य 7 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा (ऐच्छिक)

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"दो चीजें अनंत हैं ब्रह्मांड और मानव मूर्खता। और मैं ब्रह्मांड के बारे में निश्चित नहीं हूं।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

ऑफ बीट

दुनिया का अनोखा गांव यहां हर कोई है बौना

दुनिया में एक ऐसा अजीबोगरीब गांव भी हैं, जहां रहने वाले लोग बौने ही होते थे? ये गांव ईरान के पूर्वी छोर पर स्थित है, जिसका नाम मखुनिक है। कहते हैं कि एक सदी पहले तक यहां लोग आज के ईरानी लोगों की तुलना में लगभग आधा मीटर छोटे होते थे। अफगानिस्तान सीमा से करीब 75 किमी दूर ये गांव करीब 1,500 साल पुराना है। यहां रहने वाले कई लोगों की हाइट सिर्फ एक मीटर हुआ करती थी। दरअसल, साल 2005 में इस गांव के आसपास वाले इलाके से एक ममीकृत लाश मिली थी, जो सिर्फ 25 सेंटीमीटर लंबी थी। इस खोज ने लोगों के दावों को और भी पुख्ता कर दिया कि मखुनिक जरूर पहले 'बौनों का गांव' हुआ करता था। हालांकि, बाद में जब जांच की गई तो पता चला कि वो ममी असल में एक बच्चे की थी, जिसकी करीब 400 साल पहले मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद लोगों का ये विश्वास कम नहीं हुआ कि इस गांव में रहने वाले प्राचीन लोग सच में हाइट में बहुत छोटे होते थे।

संसद का बजट सत्र 28 से, एक फरवरी को बजट

नई दिल्ली, जेएनएन। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हो सकता है। केंद्रीय बजट 1 फरवरी, रविवार को पेश किया जा सकता है। संसद के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह संभावित कार्यक्रम संसदीय मामलों की कैबिनेट कमिटी ने बनाया है। इसके अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति का पारंपरिक संबोधन साल के पहले संसद सत्र के पहले दिन होता है। दोनों सदन 29 जनवरी को नहीं मिलेंगे, क्योंकि उसी दिन बीटिंग रिट्रीट समारोह आयोजित होगा। संसद में 30 जनवरी को बैठक होगी, उस दिन इकॉनॉमिक सर्वे पेश किया जा सकता है। 31 जनवरी को लोकसभा व राज्यसभा नहीं बैठेंगी।

अंदर के पन्नों पर

▶▶ जेपी अस्पताल में नहीं थम रहा अमानक दवा का...(पेज-03)

▶▶ कल शहर में होंगे दो बड़े कार्यक्रम रूट मैप को देखकर ही...(पेज-05)
▶▶ न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले विराट रोहित ने...(पेज-10)

▶▶ ईरान: हिंसक प्रदर्शन, 45 लोगों की मौत, ट्रंप की...(पेज-11)
आज संपादकीय पेज-6 पर खास 'चर्चा में चेहरा' और 'मेरा पैसा'

अमेरिकी मंत्री का दावा-पीएम मोदी ने ट्रंप को कॉल नहीं किया, भारत बोला 8 बार हुई बातचीत

ट्रंप का 'ईगो' हर्ट, इसलिए नहीं हुई 'डील'

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने दावा किया है कि भारत के साथ डील किसी पॉलिसी विवाद की वजह से नहीं रुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधे फोन न करना इसकी वजह है। लुटनिक के मुताबिक ट्रंप चाहते थे कि मोदी खुद उनसे बात करके डील फाइनल करें, लेकिन ऐसा न होने पर ट्रंप ने इसे अपने 'ईगो' पर ले लिया।

वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हावर्ड लुटनिक के बयान को गलत बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,भारत-अमेरिका फरवरी 13, 2025 से बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम कर रहे। कई राउंड नेगोशिएशन हो चुके हैं और कई बार हम डील के करीब पहुंचे हैं। जायसवाल ने कहा, भारत बेनिफिशियल ट्रेड डील पर आगे बढ़ना चाहता है। दोनों देशों के बीच नेगोशिएशन जारी हैं। मोदी-ट्रंप की 8 बातचीत से साफ है कि लीडरशिप लेवल पर बातचीत जारी है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जो शर्तें पहले तय हुई थीं, अब वे खत्म हो चुकी हैं। लुटनिक ने साफ कहा, अमेरिका अब उस ट्रेड डील से पीछे हट गया है, जिस पर हम पहले सहमत हुए थे। हम अब उस पुराने ऑफर के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अगर अब बातचीत होती है, तो भारत को नई और शायद कठिन शर्तों का सामना करना पड़ सकता है।

मोदी ने 4 कॉल अटेंड करने से किया था इनकार: रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल जुलाई में ट्रंप ने पीएम मोदी को 'चार बार' कॉल किया था, लेकिन प्रधानमंत्री ने बात करने से इनकार कर दिया था। भारत सरकार को अंदेशा था कि ट्रंप बातचीत के नतीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर सकते हैं। भारत-पाकिस्तान संघर्ष में ट्रंप की मध्यस्थता की कोशिशों को भी मोदी ने सिरे से खारिज कर दिया था, जिससे ट्रंप नाराज थे।

ट्रेड डील लगभग फाइनल हो चुकी थी: विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पीएम मोदी और ट्रंप 2025 में 8 बार फोन पर बात कर चुके हैं। इसके पहले एक पॉडकास्ट में लुटनिक ने बताया था कि भारत के साथ ट्रेड डील लगभग पूरी हो चुकी थी। भारत को बातचीत फाइनल करने के लिए 'तीन शुक्रवार' का समय दिया गया था। लुटनिक ने कहा, पूरी डील सेट थी, ट्रंप खुद इसे क्लोज करना चाहते थे। इसके लिए बस मोदी को राष्ट्रपति को कॉल करना था। भारतीय पक्ष ऐसा करने में असहज था और मोदी ने कॉल नहीं किया।

वियतनाम और इंडोनेशिया से डील, भारत पीछे छूटा

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने खुलासा किया कि भारत के देरी करने का फायदा दूसरे देशों को मिला। उन्होंने कहा, हमने सोचा था कि भारत के साथ डील पहले होगी, लेकिन मोदी के कॉल न करने पर हमने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम के साथ ट्रेड डील कर ली। लुटनिक ने ब्रिटेन का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने समय सीमा खत्म होने से पहले खुद ट्रंप को फोन किया और अगले ही दिन डील का ऐलान हो गया।

इंदौर : ट्रक में घुसी बेकाबू कार

पूर्व मंत्री बच्चन की बेटी समेत 3 की दर्दनाक मौत

जागरण, इंदौर। फार्म हाउस में देर रात पार्टी कर अलसुबह इंदौर लौट रहे चार दोस्तों की बेकाबू कार एक ट्रक में घुस गई। इसमें कार चला रहे कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता के बेटे सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पूर्व गृहमंत्री व कांग्रेस विधायक बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में एक युवती गंभीर है। टक्कर इतनी तेज थी कि आधी कार ट्रक के नीचे घुस गई। क्रेन से बमुश्किल बाहर निकाला गया। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार सुबह 5:15 बजे इंदौर के रालामंडल इलाके में हुआ। कार में प्रखर कासलीवाल (25), प्रेरणा बच्चन (26), मानसंघु (26) व अनुष्का राठी बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे। ये सभी कार चला रहे प्रखर का बर्थडे मनाने कोको फार्म गए थे। लौटते समय नेक्सन कार (एमपी13जेडएस 8994) तेज रफ्तार में ट्रक में घुस गई। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

प्रखर प्रेरणा मानसंघु

तायल बंधुओं ने लगाया 14 करोड़ का चूना

नाबार्ड भोपाल लोन घोटाला: सीबीआई ने निमाड़ एग्रो पार्क के 4 संचालकों पर दर्ज की एफआईआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मप्र के बड़वानी जिले में सरकारी फंड के नाम पर करोड़ों की हेराफेरी का मामला सामने आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कोलकाता स्थित आर्थिक अपराध शाखा ने नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) बैंक भोपाल के साथ हुई करीब 14 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में आरोपी तायल बंधुओं के खिलाफ शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई भोपाल स्थित नाबार्ड के डीजीएम नंदू जे. नायक की शिकायत पर की गई। पूरे मामले के मास्टरमाइंड सेंधवा के निमाड़ एग्रो पार्क के संचालक अर्पित कुमार तायल, निकुंज तायल, अशोक कुमार तायल व अंकित कुमार तायल बताए जा रहे हैं।

चारों पर आरोप है कि इन्होंने 2019 में ग्राम जानली में एक एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर स्थापित करने के नाम पर नाबार्ड से 13.99 करोड़ का भारी-भरकम लोन लिया। प्रोजेक्ट की लागत 31 करोड़ से अधिक बताई, जिसमें फूड प्रोसेसिंग

मंत्रालय की ओर से 10 करोड़ रुपए की सरकारी मदद भी मिलनी थी। सीबीआई की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने बैंक अफसरों के साथ साठगांठ कर साजिश रची थी। प्रोजेक्ट के लिए बुनियादी ढांचा खड़ा करने के बजाय आरोपियों ने अपनी ही दूसरी कंपनियों के साथ फर्जी समझौते किए ताकि बैंक से लोन की किस्तें जारी कराई जा सकें। जैसे बैंक ने 2020 और 2021 के दौरान पांच किस्तों में पैसा जारी किया, आरोपियों ने राशि को प्रोजेक्ट में लगाने के बजाय दूसरे बैंक खातों में डाइवर्ट कर रकम हड़प ली। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

4 दिनों में सेधवा का दूसरा केस: 11 करोड़ लोन की धोखाधड़ी

चार दिन पहले नाबार्ड गुजरात के साथ 11 करोड़ की लोन धोखाधड़ी का मामला भी उजागर हुआ था। इसमें नाबार्ड गुजरात के साथ मप्र की कंपनी पार्वती एग्रो प्रोडक्ट के निदेशकों और बैंक अफसरों ने मिलीभगत कर सूरत के मंगरोल में एक मल्टीप्रोडक्ट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के नाम पर बैंक से 11 करोड़ का लोन लेकर हड़प लिया था। कंपनी ने सूरत के गुजरात एग्रो इंफ्रास्ट्रक्चर मेगा फूड पार्क में काजू, फ्रोजन फ्रूट, पल्प और रेडी-टू-ईट भोजन जैसी छह यूनिट लगाने का दावा किया था। इस मामले में भी सीबीआई कोलकाता की ईओबी यूनिट ने कंपनी के संचालकों रितेश जोशी और रघुनाथ पाटिल पर एफआईआर दर्ज की थी। ये कंपनी एग्रीकल्चर डेवलपमेंट, फूड प्रोडक्ट, पीवीसी और इरगिशन पाइप आदि का निर्माण करती है।

नए फोरलेन के जरिए सिंगरौली से सीधे जुड़ेगा भोपाल, सीएम बोले-

विकास को लेकर जनता का विश्वास सरकार की ताकत

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, प्रगति पथ में भोपाल से सागर, दमोह, कटनी, मैहर, रीवा, सीधी से सिंगरौली तक नया फोर-लेन हाई-वे बनाया जाएगा। सीधी की पंजा दरी को जीआई टैग दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। रोजगार के अवसर और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए जनता का अटूट विश्वास ही हमारी ताकत है। सीएम शुक्रवार को सीधी के बहरी में प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। सीएम ने कहा, सबके सहयोग से एक नया मप्र गढ़ने जा रहे हैं। विकसित मप्र के लिए गांव, गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, सभी को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना जरूरी है। प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को विकास से वंचित नहीं रहने देंगे। नए विकास कार्यों व नवरोजगार सृजन से अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के जरूरी प्रयास कर रहे हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में भारी निवेश आ रहा है।

3 माह चलेगा समाधान अभियान

सीएम ने घोषणा की कि प्रदेश में राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान-1 चलाया जाएगा। इसमें नागरिकों को सरकार की 106 प्रकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं /सेवाओं/सुविधाओं का घर-घर जाकर लाभ प्रदाय किया जाएगा। हर विस, ब्लॉक, तहसील, जिले, गांव-गांव और नगरों के वार्डों-मोहल्लों तक शासकीय अधिकारी पहुंचेंगे और पात्रों को सभी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। 15 फरवरी तक घर-घर आवेदन लिए जाएंगे। 16 फरवरी से 16 मार्च तक क्लस्टर स्तर पर शिविर लगेंगे। 16 से 26 मार्च तक ब्लॉक स्तर और 26 से 31 मार्च तक जिला स्तर पर शिविर लगेंगे।

सतना में शराबियों के पकड़ने पहुंची पुलिस को लौटना पड़ा उलटे पांव

शराबियों ने घेरकर बरसाए पत्थर तो जान बचाकर भागे पुलिसकर्मी

जागरण, सतना। झगड़ा कर तनाव फैला रहे शराबियों पर दबिश देने पहुंची पुलिस टीम को जान बचाने के लाले पड़े गए। जब दर्जनभर शराबियों ने पूरी टीम को बस्ती के बीचोंबीच घेर लिया। सारे शराबी पुलिसकर्मियों से गाली-गलौच पर उतर आए और धक्कामुक्की करने लगे। पुलिस कर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही शराबियों से पथराव शुरू कर दिया। जान बचाने पुलिस टीम को वहां से भागना पड़ा। हालत यह हुई कि बीच सड़क पर शराबी युवक पत्थर बरसाकर पुलिस को खदेड़े जा रहे थे तो पुलिस छिपने के लिए जगह ढूंढ रही थी।

पुलिस पर शराबियों का यह हमला गुरुवार देर रात वार्ड नंबर 15 स्थित नई बस्ती में हुआ। पुलिस थाना कोलगवां को सूचना

मिली थी कि पानी की टंकी के पास कुछ युवक शराब के नशे में गाली-गलौज, हंगामा कर रहे हैं। माहौल शांत कराने दो पुलिस कर्मी बाइक से मौके पर पहुंचे,जब पुलिस जवान उत्पात मचा रहे युवकों को समझाने लगे तो शराबियों ने अभद्रता शुरू कर दी। वे धक्का-मुक्की, गाली गलौज पर उतर आए। दोनों जवानों ने स्थिति बिगड़ती देख थाने से एक्स्ट्रा बल मांगा। एएसआई उमेश पांडेय के नेतृत्व में 4 आरक्षकों को मौके पर भेजा गया। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

अब तक हाथ नहीं आए आरोपी

नशेड़ियों के पथराव से जान बचाकर भाग रहे पुलिस कर्मियों का वीडियो भी वायरल हो रहा है। बीच शहर में पुलिस टीम पर हुए इस हमले ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने आरोपियों पर दबिश देने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। वायरल वीडियो देखकर आरोपियों की पहचान की जा रही है। मगर पूरा दिन निकलने के बाद भी पुलिस के हाथ एक भी आरोपी नहीं आ सका है। पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

इधर, धार में अवैध शराब पकड़ने गई टीम पर हमला

जागरण, धार। अवैध शराब पकड़ने गई आबकारी टीम पर तस्करों ने हमला कर दिया। हमले से जुड़े वीडियो में फायरिंग की आवाज भी सुनाई पड़ रही है, लेकिन तस्करों से पिटे अमले ने शिकायत में इसकी जानकारी नहीं दी। हालांकि, आबकारी कर्मियों से मारपीट कर भागते समय शराब माफिया के लोग आयशर ट्रक में रखी शराब की बोतलें फोड़ गए। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। धार के तिरला थाना अंतर्गत सूरजपुरा के पास गुरुवार देर रात अवैध शराब की बड़ी खेप की सूचना मिली थी। शराब कंपनी और आबकारी अमला मौके पर पहुंचे। यहां आबकारी टीम ने आयशर ट्रक को रोकने की कोशिश की, तो शराब तस्कर सामने आ गए। विवाद के बाद झड़प के बीच ही दोनों पक्षों में हाथापाई होने लगी। तस्करों के हमले में 3 लोग घायल हैं।

वायु प्रदूषण — क्लीन एयर प्रोग्राम के दायरे में देश के महज 4% शहर

लगातार पीएम 2.5 की चपेट में 44% शहर

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में वायु प्रदूषण अब सिर्फ मौसमी संकट नहीं, बल्कि यह स्थायी और संरचनात्मक रूप ले चुका है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक करीब 44 प्रतिशत शहर लगातार खतरनाक पीएम 2.5 स्तर का सामना कर रहे हैं। यह स्थिति अल्पकालिक प्रदूषण घटनाओं की नहीं, बल्कि लगातार उत्सर्जन स्रोतों की ओर इशारा करती है। रिपोर्ट में 2019 से 2024 के बीच (कोविड 2020 को छोड़कर) 4,041 शहरों के सैटेलाइट डेटा का अध्ययन किया गया। निष्कर्ष के अनुसार 1,787 शहर ऐसे हैं, जो लगातार राष्ट्रीय वार्षिक पीएम 2.5 मानक से ऊपर रहे। केंद्र सरकार का नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम फिलहाल देश के सिर्फ 130 शहरों तक सीमित है, जबकि लगातार प्रदूषित 1,787 शहरों में से महज 67 ही इसके दायरे में आते हैं। यानी एनसीएपी महज 4 प्रतिशत दीर्घकालिक रूप से प्रदूषित शहरों को ही कवर कर पा रहा है। चिंता की बात यह भी है कि एनसीएपी में शामिल 28 शहरों में अब तक सतत एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन ही नहीं हैं।

शहरों का हाल बेहाल

राज्यों और जिलों में पीएम 2.5 का सैटेलाइट-आधारित आकलन

प्राथमिकता जरूरी है

सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार के अनुसार समाधान के लिए पीएम 2.5 को प्राथमिकता, एनसीएपी की सूची का पुनरीक्षण और एयरशेड आधारित रणनीति अपनाना जरूरी है।

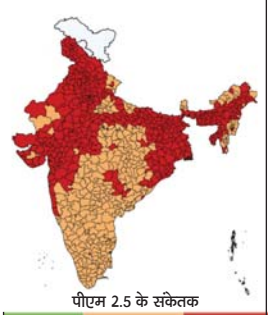

मप्र के बड़े शहर भी गंभीर सूची में

रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के साथ मध्यप्रदेश भी उन राज्यों में शामिल है, जहां नॉन-अटेनमेंट (मानक से ऊपर प्रदूषण वाले) शहरों की संख्या अधिक है। मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियां, तेज शहरीकरण, बढ़ता ट्रैफिक, निर्माण कार्य और ठंड के महीनों में स्थिर मौसम, ये सभी कारण पीएम 2.5 को लगातार ऊंचा बनाए रखते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा जैसे शहरों में प्रदूषण अब केवल सर्दियों तक सीमित नहीं रहा। मध्यप्रदेश के लिए यह चेतावनी साफ है कि यदि अभी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य आपदा का रूप ले सकता है।

असम का बर्नीहाट सबसे प्रदूषित शहर: 2025 में असम का बर्नीहाट सबसे प्रदूषित शहर रहा। इसके बाद दिल्ली और गाजियाबाद का स्थान रहा। दिल्ली पीएम10 स्तर में भी शीर्ष पर है, जहां वार्षिक औसत राष्ट्रीय मानक से तीन गुना अधिक पाया गया।

संक्षिप्त खबरें

स्टार्टअप समिट 11-12 जनवरी को भोपाल में

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू की गई मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति 2025 राज्य में नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार सृजन को गति देने की दिशा में एक सशक्त और दूरदर्शी पहल है। यह नीति स्टार्टअप्स की संपूर्ण यात्रा विचार से लेकर विस्तार तक में उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन, परिचालन सहयोग तथा आधारभूत संरचना से जुड़े व्यापक लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इसका लक्ष्य मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख उभरते स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करना है। भोपाल में 11व 12 जनवरी 2026 को आयोजित स्टार्टअप समिट के संदर्भ में यह नीति राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम की मजबूती को रेखांकित करती है। नीति के अंतर्गत पात्र स्टार्टअप्स को मान्यता प्राप्त इनक्यूबेशन तंत्र के माध्यम से 30 लाख रुपये तक का सीड फंड उपलब्ध कराया जाएगा।

मतदान केंद्र पर नहीं मिला बीएलओ, निलंबित

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि में स्थाईकर्मी के पद पर पदस्थ सुधीर शर्मा को निर्वाचन कार्य के दौरान विधानसभा क्षेत्र 151 नरेला के मतदान केंद्र क्रमांक 337 के बीएलओ के पद पर पदस्थ किया गया था, लेकिन निर्वाचन कार्य के दौरान सुधीर मतदान केंद्रों पर बैठकर मतदाताओं के दावे आपत्ति ग्रहण करने के साथ फार्म 6, 7 और 8 का वितरण भी नहीं कर रहे थे। निर्वाचन कार्य के दौरान उन्होंने नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस भी तामील नहीं करवाए थे। निर्वाचन कार्य में की गई इस गंभीर लापरवाही के चलते कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा सुधीर शर्मा को निलंबित करने की कार्यवाही की गई है।

बैठक में संगठनात्मक रणनीति पर हुई चर्चा

विसं, भोपाल। भाजपा जिला कार्यालय में शुक्रवार को जिला युवा और महिला मोर्चे की संयुक्त बैठक की गई, जिसमें महापौर मालती राय और जिलाध्यक्ष रविंद्र यति सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, बूथ सशक्तिकरण तथा आगामी कार्यक्रमों की प्रभावी रणनीति तैयार करने को लेकर चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि मजबूत संगठन की नींव बूथ स्तर पर ही रखी जाती है। मेरा बूथ सबसे मजबूत, बूथ जीता, चुनाव जीता केवल नारा नहीं, बल्कि भाजपा की कार्य संस्कृति है।

संगठन संभाल चुके नेता लूप 'लाइन' से परेशान

नेतृत्व का भरोसा रास नहीं आ रहा भाजपा नेताओं को, मध्यप्रदेश संगठन में बदलाव का दौर फिलहाल जारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में बदलाव का दौर जारी है। ऐसा प्रदेश संगठन की टीम को देख कर दावा किया जा रहा है। लेकिन इस कवायद में कई ऐसे नेता बेहद परेशान बताए जा रहे हैं, जिन्होंने कभी संगठन की जिम्मेदारी संभाली है और उनके अनुभव व मेहनत का परिणाम भाजपा को सरकार बनाने में भी मिला है। गौरतलब है कि नए प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की प्रदेश टीम घोषित हुई, तो उसमें कई बड़े नाम नदारत दिखे। इसके बाद राजनीति के जानकारों ने दावा कर दिया कि भाजपा संगठन बदलाव के दौर में है और पुराने के स्थान पर नए चेहरों को महत्व दिया जा रहा है। हालांकि इनमें से कुछ नेताओं को पार्टी ने ऐसी जिम्मेदारी सौंपी है, जो आर्थिक व प्रशासनिक तौर पर अहम मानी जा रही है। इसके लिए नेतृत्व ने अपने बहुत ही भरोसे के नेताओं को चुना है। इनके अलावा कुछ ऐसे नेता अब तक पद और जिम्मेदारी वाली सूची से बाहर हैं और उन्हें नेतृत्व के निर्देश का इंतजार है।

भरोसे वाली जिम्मेदारी इन नेताओं के पास

जितेन्द्र लटोरिया

संभागीय संगठन मंत्री का दायित्व संभाल चुके जितेन्द्र लटोरिया को प्रदेश नेतृत्व ने पार्टी के जिला मुख्यालयों में स्थित 58 पार्टी कार्यालय और 9 संभागीय कार्यालयों की व्की जिम्मेदारी दी है। सूत्रों की मानें तो लटोरिया इससे खुश नहीं हैं, इसलिए अब तक इस दायित्व का निर्वाहन करने कक्ष में नहीं बैठ पा रहे हैं।

शरदेन्दु तिवारी

पूर्व विधायक शरदेन्दु तिवारी भी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की टीम में काफी अहम माने जाते रहे हैं। तब संगठन के कई निर्णय तिवारी के कहने पर होते थे,लेकिन टीम हेमंत में अब तक उन्हें कोई तरजीह नहीं मिल पाई है।

कार्यकारणी में सांसद विधायक बने ब्रेकर

गौरतलब है कि भोपाल,इंदौर,ग्वालियर और जबलपुर जैसे महानगरों सहित कई जिलों की कार्यकारणी अब तक घोषित नहीं हो पाई है। पार्टी सूत्रों की माने तो इसमें सबसे बड़े ब्रेकर पार्टी के स्थानीय सासंद और विधायक बनें हुए है। जिनके द्वारा अपने-अपने समर्थको को जिला कार्यकारणी में शामिल कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे जिला अध्यक्षों और प्रदेश नेतृत्व को कार्यकारणी के लिए नाम तय करने में परेशानी हो रही है।

सभी को खरमास खत्म होने का इंतजार

इधर पदों की दावेदारी में लगे भाजपा नेताओं को खरमास खत्म होने का इंतजार है। उन्हें उम्मीद है कि जैसे ही 14 जनवरी को खरमास खत्म होगा और नियुक्तियां प्रारम्भ होगी,उनकी सुनवाई अवश्य होगी। इसलिए ये नेता खामोशी से समय का इंतजार कर रहे है।

राघवेन्द्र गौतम

संगठन महामंत्री और जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद का दायित्व निभा चुके राघवेन्द्र गौतम को अब तक कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिल सकी है,लेकिन प्रदेश संगठन उन्हें अघोषित तौर पर भरोसे वाले काम सौंपता रहता है। कहा जा रहा है कि गौतम भी इसे लेकर अब तक खुश नहीं है।

आशुतोष तिवारी

संगठन महामंत्री रहे आशुतोष तिवारी उन नेताओं में शुमार थे, जो संगठनात्मक निर्णय लेते थे। उन्हें मप्र हाउसिंग बोर्ड का अध्यक्षबनाया गया था, लेकिन कार्यकाल गिनती के दिनों तक रहा। प्रदेश की टीम बनी,तो नाम गायब रहा। बाद में उन्हें बिना प्रदेश टीम सदस्य के बाद भी प्रकोष्ठों का प्रभारी बना दिया गया।

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

कार्यालय मंत्री का दायित्व संभाल चुके डॉ. राघवेन्द्र शर्मा के पास राज्य में पार्टी द्वारा कराए जा रहे कार्यालयों के निर्माण की जिम्मेदारी है। यह जिम्मेदारी भी संगठन की दृष्टि से बहुत ही भरोसे वाली है। लेकिन डॉ. शर्मा इससे बहुत खुश नहीं बताए जा रहे है।

मनोरंजन मिश्रा

संगठन का बेहतर काम करने वाले नेताओं में मनोरंजन मिश्रा का नाम भी लिया जाता है। उन्हें टीम में जिम्मेदारी नहीं मिली। उन्हें भी सभी मोर्चों का प्रभारी बना दिया गया। वे अपने नए दायित्व से खुश नहीं हैं,क्योंकि उन्हें लग रहा है कि संगठन उपयोग सही से नहीं कर रहा है।

जम्बूरी मैदान से मुख्यमंत्री करेंगे कृषि वर्ष की घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जनवरी को राजधानी के जम्बूरी मैदान में किसान सम्मेलन के दौरान वर्ष 2026 को कृषि वर्ष की औपचारिक घोषणा करेंगे। इसके लिए प्रदेश भर के किसान 11 हजार से अधिक ट्रैक्टर में सवार होकर जम्बूरी मैदान में एकत्र होंगे। 11 जनवरी को होने वाले इस सम्मेलन में भोपाल और आसपास के एक दर्जन जिलों के किसान राजधानी पहुंचेंगे। सम्मेलन से पहले भोपाल- इंदौर बायपास पर किसानों की रैली निकाली जाएगी, जिसमें सीएम मोहन यादव शामिल होंगे। जम्बूरी में किसान सम्मेलन आयोजित होगा, जहां मुख्यमंत्री कृषि वर्ष 2026 की औपचारिक घोषणा करेंगे। सीएम डॉ. यादव हेलीकॉप्टर के जरिए भोपाल-इंदौर बायपास स्थित एक निजी कॉलेज परिसर में पहुंचेंगे,जहां से वे सीधे किसानों की रैली में शामिल होंगे और ट्रैक्टर रैली के साथ जम्बूरी मैदान तक जाएंगे। जानकारों का कहना है कि इस सम्मेलन के जरिए प्रदेश सरकार किसानों के बीच यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि राज्य सरकार कृषि वर्ष के दौरान किसानों को सशक्त बनाने के लिए बड़ी योजनाएं लेकर आएगी और इस वर्ष किसानों और कृषि पर सरकार को पहले से ज्यादा फोकस रहेगा। रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसान अपने-अपने ट्रैक्टरों के साथ हिस्सा लेंगे। बताया गया है कि सम्मेलन के दौरान सीएम कृषि वर्ष 2026 को लेकर सरकार का रोडमैप की जानकारी देंगे। इसके अलावा सीएम सरकार के आगामी तीन वर्षों के कृषि और कृषकों पर आधारित लक्ष्य भी सार्वजनिक कर सकते हैं। जिसमें किस तरह से किसानों की आमदनी को दोगुना किया जाए,आधुनिक कृषि तकनीकों के विस्तार, कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को लेकर सरकार किस तरह से प्रयास करेगी,इसकी जानकारी दे सकते हैं।

11 जनवरी को 11 हजार ट्रैक्टर पर सवार होकर किसान पहुंचेंगे भोपाल

फ्री योजनाएं लागू कर कर्मचारियों का हक मार रही है सरकारः कर्मचारी मंच

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने कहा है कि कर्मचारियों के वेतन से हुई कटौती राशि यदि नहीं लौटाई गई, तो कर्मचारी मंत्रालय का घेराव करेंगे। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लाड़ली बहना समेत अन्य योजनाओं के तहत मुफ्त में धन बांट रही है, जबकि कर्मचारियों के हक का पैसा रोका जा रहा है।

कोर्ट का आदेश नहीं माना तो मंत्रालय का घेराव करेंगे कर्मचारी

मंच ने शुक्रवार को इस संदर्भ में पत्रकारों से चर्चा की। कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश में अलग-अलग दौर की सरकारों ने कर्मचारियों के हितों को नजरअंदाज किया। वर्ष 2000 में तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के फैसले से 28 हजार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नौकरी गंवानी पड़ी, जबकि 2019 में कमलनाथ सरकार ने नियमित कर्मचारियों के वेतन में जबरन कटौती का आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग ने 12 दिसंबर 2019 को आदेश जारी कर नियुक्ति के पहले वर्ष में 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष में 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष में 90 प्रतिशत वेतन देने का प्रावधान किया था। पांडेय ने कहा कि पिछले 20 साल से कर्मचारियों का बकाया एरियर तत्काल जारी किया जाए। हाईकोर्ट के आदेश को केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित न रखकर प्रदेश के सभी कर्मचारियों पर लागू किया जाए। यदि सरकार ने जल्द स्पष्ट आदेश जारी नहीं किए, तो 13 जनवरी 2026 को भोपाल में मंत्रालय का घेराव कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

एमएलए की मांग पर खोले जाएंगे ढाई सौ सांदीपनि स्कूल

तैयार किया जा रहा प्रस्ताव, भौतिक परीक्षण में लगा स्कूल शिक्षा विभाग

वित्त की सहमति के बाद रखी जाएगी स्कूलों की नींव

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग का सांदीपनि स्कूल खोलने का प्रथम चरण काफी सफल रहा है। इसे देखते हुए विभाग ने द्वितीय चरण में विधायकों की मांग पर करीब 250 नये सांदीपनि स्कूल खोलने की तैयारी में लग गया है। विभाग ने लगभग प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसलिए विभाग जिलों में मांग के मुताबिक जमीनों का भौतिक परीक्षण कर रहा है। जहां नये स्कूलों की नींव रखी जाएगी। इसके लिए विभाग कलेक्टर और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लगातार संपर्क में बनाह हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा सत्र के पहले ही प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। दूसरे चरण में भी करीब ढाई सौ सांदीपनि स्कूल खोले जाएंगे। हर जिले से विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में दो से तीन नये स्कूलों को स्थापित करने की मांग की है। विधायकों के पत्रों आधार पर कलेक्टरों से लगातार संवाद चल रहा है।

पांच एकड़ जमीन पर फंसा मामला: विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों से भी कहा है कि विधायक की मांग के मुताबिक सांदीपनि स्कूल खोलने के लिए नियम के अनुसार उक्त स्थान पर पांच एकड़ जमीन उपलब्ध हो रही है या नहीं। नियमों के अनुसार स्थल परीक्षण आवश्यक है। उपयुक्तता के आधार पर ही स्कूल खोले जाना संभव है। इसके बाद ही संबंधित विधायकों के मांग पत्रों को प्रस्ताव में शामिल किया जाएगा। विभाग के अनुसार विधायकों की मांग के मुताबिक स्कूल स्थापित करना कठिन है। विधायकों की मांग को देखते हुए दूसरे चरण में करीब ढाई सौ स्कूल खोले जा सकते हैं।

प्रस्ताव के बाद वित्त से चर्चा

स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया चलन में बनी हुई है। प्रस्ताव में स्कूलों की संख्या तय होने के बाद वित्त विभाग से चर्चा की जाएगी। वित के समक्ष हरेक स्कूल निर्माण की लागत राशि रखी जाएगी। उक्त राशि पर वित्त की सहमति बनने के बाद प्रस्ताव विभाग से शासन को भेजा जाएगा।

पत्रों के आधार पर हो रहा परीक्षण

प्रदेश में बड़वानी, खंडवा, मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, रीवा, शहडोल, उमरिया, दतिया, अशोक नगर, शिवपुरी, श्योपुर, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, इंदौर, देवास, नर्मदापुरम, हरदा, सीहोर, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, कटनी, छतरपुर, पन्ना, सतना, टीकमगढ़, निवाड़ी सहित हर जिले से प्रस्ताव आए हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मांग के आधार पर भौतिक परीक्षण करवाया जा रहा है। विधायकों की मांग पर गौर किया जाए, तो प्रदेश में 500 से ज्यादा स्कूल खोलना पड़ेंगे, जो संभव नहीं है। शासन के सीमित बजट है, जिसके तहत प्रदेश में करीब 250 स्कूल स्थापित किए जा सकते हैं। इसलिए हर परीक्षण और भविष्य की उम्मीदों को देखकर ही प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जल्द प्रस्ताव शासन को भेज दिया जाएगा, ताकि बजट सत्र में स्कूलों को खोलने के लिए बजट प्रावधान हो सके।

46 जिलों में नहीं एटीएस सेंटर, वाहनों का फिटनेस मैन्युअली करने की मांग

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप ने नितिन गडकरी से की मुलाकात

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के 55 जिलों में से सिर्फ 9 जिलों में वाहनों का फिटनेस ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से हो रहा है। शेष 46 जिले ऐसे हैं, जहां एटीएस की सुविधा नहीं है। ऐसी स्थिति में वाहन मालिकों को फिटनेस के लिए परेशान होना पड़ रहा है। क्योंकि हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें वाहनों का फिटनेस सिर्फ एटीएस के माध्यम से कराने का निर्देश दिया गया है। इस सर्कुलर के बाद मप्र के परिवहन विभाग के मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर यह मांग रखी है कि जब तक प्रदेश के सभी जिलों में एटीएस की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक वाहनों की फिटनेस व्यवस्था मैन्युअली संचालित होने दी जाए।

दिल्ली में की मुलाकात, बताई समस्या: परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान मध्यप्रदेश में सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान परिवहन मंत्री सिंह ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 1 जनवरी 2026 को जारी पत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को समाप्त कर केवल ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन के माध्यम से फिटनेस परीक्षण किए जाने का प्रावधान किया गया है। परिवहन मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक बड़ा राज्य है, जहां कई जिलों के बीच की दूरी 150 किलोमीटर से अधिक है। ऐसे में एटीएस विहीन जिलों के वाहन स्वामियों को फिटनेस परीक्षण के लिए दूसरे जिलों में वाहन ले जाना पड़ता है, जिससे समय अधिक लगता है और ईंधन खर्च भी बढ़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि यात्री वाहनों के परमिट निर्धारित मार्गों और क्षेत्रों के लिए जारी किए जाते हैं। ऐसे में परमिट मार्ग से बाहर जाकर फिटनेस परीक्षण कराना वैधानिक दृष्टि से भी उपयुक्त नहीं है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परिवहन मंत्री सिंह ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया कि जब तक प्रदेश के सभी जिलों में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन स्थापित नहीं हो जाते, तब तक एटीएस विहीन जिलों में जिला परिवहन कार्यालयों के माध्यम से मैनुअल वाहन फिटनेस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी जाए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस विषय पर सहमति व्यक्त करते हुए प्रक्रिया को शीघ्र अनुमति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

सिर्फ इन जिलों में हैं एटीएस

वर्तमान में प्रदेश के ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, सतना, सिंगरौली, देवास और धार जिलों में एटीएस संचालित हैं, जहां वाहन फिटनेस पूरी तरह से ऑटोमेटेड प्रणाली से की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के शेष जिलों में एटीएस की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

इंजीनियर्स ने पीडब्ल्यूडी मंत्री से की मुलाकात

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र संयुक्त अभियंता संघर्ष मोर्चा के सचिव इंजीनियर अनिल जैन ने अवगत कराया कि अभियंताओं की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिनिधिमंडल के द्वारा पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। मंत्री सिंह द्वारा बिंदुवार चर्चा कर शीघ्र निराकरण कर आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल मे मंत्री सिंह को अवगत कराया कि मोर्चा औचक निरीक्षण का विरोध नही कर रहे हैं। हमारा असहयोग निरीक्षण के नाम पर मैदानीय अमलो की हो रही प्रताड़ना के विरूद्ध है। चर्चा के दौरान रविन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा कहा कि वर्तमान परिवेश में विभाग में तकनीकी अमले की कमी एंव संविदाकार द्वारा अनुबंधों की शर्तों के पूर्ण पालन नहीं करने के कारण कार्य के क्रियान्वन में व्यावहारिक कठिनाईयों को दूर किया जाए। अध्यक्ष कपिल त्यागी ने कहा कि अभियंताओं की क्षमता के अनुरूप ही कार्य लिया जाए। विभाग मे भय का वातावरण निर्मित हुआ है। जबकि मैदानीय अमले को संरक्षण की आवश्यकता है। मंत्री सिंह द्वारा मोर्चे के बिंदुओं पर सकारात्मक निराकरण करने का आवश्वासन दिया गया। ईएनसी कृष्णपाल सिंह राणा मोर्चे के समस्त शैली समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देशित किया गया।

नर्सिंग फैकल्टी भर्ती में नियमों के उल्लंघन पर हाईकोर्ट हुआ सख्त

सुनवाईः लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से किया जवाब तलब

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा जारी नर्सिंग फैकल्टी भर्ती प्रक्रिया अब न्यायिक जांच के दायरे में आ गयी है। वर्ष 2024 की राजपत्र (गजट) अधिसूचना के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए दायर याचिका पर मप्र हाईकोर्ट जबलपुर ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किय है।

तीन सप्ताह में देना होगा जवाब

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विशाल धगत की एकलपीठ में हुई। अदालत ने प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों और संस्थाओं को तीन सप्ताह के भीतर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया पर अंतिम फैसला न्यायालय के निर्णय के बाद ही प्रभावी माना जाएगा। अधिवक्ताओं का कहना है कि हाईकोर्ट के इस आदेश को प्रदेश के नर्सिंग समुदाय में अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों के अधिकारों की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। लंबे समय से लंबित पदोन्नति और सीधी भर्ती को लेकर उठे सवाल अब सीधे न्यायिक समीक्षा के तहत आ गए हैं।

अदालत ने साफ किया है कि यह भर्ती प्रक्रिया याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी, जिससे अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों को बड़ी राहत मिली है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और अंशुल तिवारी ने दलील दी कि 2024 की गजट अधिसूचना के अनुसार एसोसिएट प्रोफेसर के सभी पद पदोन्नति से भरे जाने थे, लेकिन इसके विपरीत चयन मंडल ने 40 पदों को सीधी भर्ती के तहत विज्ञापित कर दिया। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए निर्धारित 60 प्रतिशत पदोन्नति और 40 प्रतिशत सीधी भर्ती के प्रावधान को नजरअंदाज कर सभी पद सीधी भर्ती से भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

67 नर्सिंग ऑफिसरों की याचिका

इस मामले में 67 नर्सिंग ऑफिसरों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उनके पास 10 से 25 वर्षों का अनुभव है और वे लंबे समय से संबंधित पदों पर अस्थायी रूप से सेवाएं दे रहे हैं।

फैकल्टी संकट में ली सेवाएं, अब नजरअंदाज

याचिका में यह भी बताया गया कि सीबीआई जांच के बाद विभाग में फैकल्टी की भारी कमी उत्पन्न हो गई थी। उस दौरान शासन ने इन्हीं अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों को अस्थायी प्रभार देकर वर्षों तक असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर जैसे पदों पर कार्य कराया। बावजूद इसके न तो उन्हें पदोन्नति दी गई ओर न ही नियमित किया गया, और अब सीधी भर्ती के जरिए उनके अवसर खत्म किए जा रहे हैं।

बैठक एफएल 3 लाइसेंस में 20 रूम की लिमिट घटाने और ठेकेदारों का मार्जिन बढ़ाने की सलाह

नई आबकारी नीति में आय बढ़ाने पर मंथन, दिए सुझाव

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति में बदलाव के लिए शुक्रवार को इफको भवन अहम बैठक आयोजित की गई। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, वाणिच्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव अमित राठौर, आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने इस दौरान संभागों और जिलों से आए उपायुक्तों और जिला आबकारी अधिकारियों से चर्चा कर आबकारी नीति को लेकर सुझाव लिए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2025-26 के लिए आबकारी का रेवेन्यू टारगेट 18 हजार करोड़ रुपए तय है, जिसे हर हाल में पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये की आबकारी की बकाया राशि की वसूली को लेकर कहा कि कोर्ट में लंबित मामलों पर खास फोकस कर रिकवरी की जाए।

आबकारी नीति में बदलाव के लिए आए अहम सुझाव

इस दौरान डिप्टी सीएम और विभाग के आला अफसरों ने प्रदेश भर से आए सभी डिप्टी कमिश्नर और जिला आबकारी अधिकारियों से 2026-27 के लिए बनने वाली नई नीति में रेवेन्यू बढ़ाने के लिए सुझाव भी लिए। इस दौरान सुझाव आया कि फिलहाल आबकानी नीति में 20 कमरों या इससे अधिक के रेस्ट हाउस, होटल को एफएल 3 लाइसेंस जारी किया जाता है। इगर इस सीमा को घटाकर 10 रूम तक कर दिया जाए को इससे बड़ी संख्या में नए एफएल 3 लाइसेंस जारी होंगे,जिससे रेवेन्यू बढ़ेगा। 2. दो घंटे की अवधि बढ़ाकर एक दिन की लाइसेंस फीस में इजाफा किया जाए। इसके अलावा कुछ अफसरों ने पिछली आबकारी नीति में शराबव ठेकेदारों का मार्जन कम करने को राजस्व आय में कमी की अहम वजह बताया। इन अफसरों ने सलाह दी है कि ठेकेदारों का मार्जिन बढ़ाने से ठेकों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे ठेके अधिक दाम पर नीलाम होंगे और राजस्व में इजाफा होगा। इसके अलावा आबकारी की आय बढ़ने के लिए एक सुझाव यह भी आया कि फिलहाल एक दिन की पार्टी के लिए लाइसेंस रात 12 बजे तक की अवधि के लिए जारी होता है। इसमें अगर दो घंटे की अवधि बड़ाकर इसकी लाइसेंस फीस बढ़ा दी जाए तो इससे भी रेवेन्यू बढ़ सकता है।

अवैध और जहरीली शराब बिकी तो जिला आबकारी अधिकारी होंगे जिम्मेदार

देवड़ा ने दो टूक लहजे में कहा कि प्रदेश में अवैध शराब की बिक्री पर हर हाल में सख्ती से लगाम लगाई जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए अवैध शराब को कारोबारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने हाल ही में भोपाल, धार, ग्वालियर एवं रायसेन में हुई शराब जब्ती का उल्लेख करते हुए कहा कि बिना परमिट शराब के परिवहन पर सख्ती से रोक लगाते हुए यह तय करें कि जबलपुर जैसी जहरीली शराब की घटनाएं अब प्रदेश में नहीं होनी चाहिए। डिप्टी सीएम ने साफ कहा कि आगे से ऐसी घटना होने पर संबंधि?त जिला आबकारी अधिकारी को पूरी तरह जिम्मेदार मानकर कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि ऐसी घटनाओं से सरकार की छवि धूमिल होती है।

केंद्र ने राज्य सरकार से कहा समय पर योजनाएं करें पूरी

विसं, भोपाल। केन्द्र ने राज्य सरकार से कहा है कि पीएम जन-मन योजना के तहत जनतातीय समुदाय से जुड़ी योजनाओं का तय समय में पूरा किया जाए। केन्द्र ने मार्च-2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि केन्द्रीय सचिव जनजातीय कार्य मंत्रालय श्रीमती रंजना चोपड़ा ने शुक्रवार को भोपाल में मध्यप्रदेश जनजातीय कार्य की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने प्रदेश सरकार के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश सरकार के सांदीपनी विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए अधोसंरचनात्मक कार्यों को गुणवत्तापूर्ण करने के भी निर्देश दिये। केन्द्रीय सचिव ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजनाओं में सेचुरेशन की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग गुलशन बामरा, सचिव श्रीमन शुक्ला, सचिव वन अतुल मिश्रा, सचिव ऊर्जा विशेष गढ़पाले, अपर सचिव नव एवं नवकरणीय ऊर्जा वीरेन्द्र कुमार, संचालक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री आशीष वशिष्ठ, संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. सलोनी सिडाना आदि उपस्थित रहे।

सैनिक स्वाभिमान की भी करते हैं रक्षाः सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सैनिक केवल भारत की सीमाओं की रक्षा नहीं करते बल्कि देश के स्वाभिमान की भी रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि जो वर्दी पहन कर देश के लिए खड़ा होता है, उसके सामने पूरा राष्ट्र नतमस्तक होता है। मातृभूमि के प्रति सैनिकों के प्रेम और समर्पण के कारण ही भारत का तिरंगा शान से लहरा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन में राज्य सैनिक रैली को भोपाल के राजकीय विमानतल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

दैनिक जागरण
भोपाल, 10 जनवरी 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 18.4°c | न्यूनतम 6.8°c
राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

संक्षिप्त खबरें

आज से भारतीय भाषा परिवार पर सेमिनार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। एक्सीलेंस कालेज में भारतीय भाषा परिवार पर शनिवार और रविवार को सेमिनार का आयोजन होगा। कालेज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय भाषा परिवार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भारतीय भाषा समिति एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तौर पर दो दिवसीय सेमिनार होगा। इसमें कई भारतीय भाषाओं पर चर्चा होगी। सेमिनार में सम्मिलित होने के लिए जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, बनारस, हरियाणा, ग्वालियर से विषय विशेषज्ञ आ रहे हैं। कार्यक्रम में भोपाल के सभी कालेज और विवि से छात्र और शिक्षक भाग ले रहे हैं। जिला संयोजक डॉ. एचबी गुप्ता ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि सेमिनार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना साथ ही उनके विकास के लिए रणनीति तैयार करना है।

बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहे छात्र ने लगाई फांसी

जागरण,भोपाल। टीटीनगर थाना क्षेत्र के एक होटल साईदरबार में युवक ने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। टीटीनगर गौरव सिंह ने मृतक की पहचान अमित विश्वकर्मा (20) पिता राजकुमार, निवासी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। वह नागपुर में प्राइवेट जॉब करता था और वर्तमान में भोपाल के निजी कॉलेज से बीफार्मा की पढ़ाई कर रहा था। 7 जनवरी को अमित न्यू मार्केट स्थित होटल साईदरबार के कमरा नंबर 11 में ठहरा था। शुक्रवार को सुबह 9 बजे होटल के स्टाफ ने उसे आखिरी बार देखा था। शाम करीब 4 बजे उसके कमरे में अमित का फोन लगातार बज रहा था, लेकिन कोई फोन नहीं उठा रहा था। इस पर आसपास के लोगों ने होटल मैनेजर आकाश सोनी को सूचना दी। मैनेजर ने जब दूसरी चाबी से कमरे का दरवाजा खोला तो युवक का शव गमछे से बने फंदे पर लटका मिला।

डीएलएड प्रथम/द्वितीय वर्ष परीक्षा के परिणाम घोषित

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल ने मण्डल के अंतर्गत संचालित डी.एल.एड. प्रथम/द्वितीय वर्ष परीक्षा 2025 (द्वितीय अवसर) के परिणाम 8 जनवरी 2026 को घोषित कर दिए हैं। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम वेबसाइट 222.mpbse.mponline.gov.in पर देख सकते हैं।

खुले में छोड़ी गईं सीवेज लाइनों ने खराब किया शहर का ग्राउंड वॉटर, कच्चे नाले भी बिगाड़ रहे हैं भूजल की सेहत

भानपुर के बाद आदमपुर छावनी की कचरा खंती के कारण आसपास के कई गांवों के हैंडपंप का पानी हुआ मटमैला

जागरण संवाददाता, भोपाल। पिछले तीन दशकों में नर्मदापुरम रोड, कोलार, खजूरी और रायसेन रोड पर कई नई कालोनियों का विकास हुआ है। इस दौरान कई कालोनाइजर ने नियमों को ठेंगा दिखा सीवेज लाइनें खुले में ही छोड़ दीं। बिना चैनलाइजेशन के बनाए गए नाले और भानपुर व आदमपुर कचरा खंतियों के चलते भूजल प्रदूषित हो गया है। शहर के ज्यादातर इलाकों के भूजल में मल में पाया जाने वाला फीकल कॉलिफॉर्म और ई-कोलाई बैक्टीरिया मिलता है। इसकी पुष्टि कंपट्रोलर ऑफ ऑडिट जनरल ऑफ इंडिया (कैग) की 2013 से 2018 की ऑडिट रिपोर्ट से हुई है। इसके मुताबिक भोपाल की एक तिहाई आबादी फीकल कॉलिफार्म व ई-कोलाई जैसे बैक्टीरिया से युक्त पानी पी रही है। दरअसल नए भोपाल की ज्यादातर कालोनियों में नर्मदा लाइन नहीं पहुंची है, बल्क कनेक्शन के पेच और कालोनियों में व्यक्तिगत नल कनेक्शन की सुविधा न होने से लोगों को साफ पेयजल से वंचित रखा हुआ है। इलाकों में नगर निगम ने पेयजल की सप्लाई के लिए नर्मदा लाइन तो बिछा ली है, लेकिन लेकिन इन इलाकों में स्थित कालोनियों के रहवासी आज भी साफ पानी को वंचित हैं, क्योंकि निगम द्वारा कालोनियों को कनेक्शन देने के लिए नियम इतने कठिन हैं कि रहवासी समितियां पानी के कनेक्शन ही नहीं ले पा रही हैं।

जहां भी खुले में होगा सीवेज वहीं होंगे ये बैक्टीरिया

शहर के पर्यावरणविद् बताते हैं कि ई-कोलाई और फीकल कॉलिफार्म मल मूत्र में पाए जाते हैं। जहां भी यह गंदगी सीधे पानी में मिलेगी, पानी में ये बैक्टीरिया पाए जाएंगे। भोपाल का बड़ा तालाब जिससे लाखों लोगों को पानी की सप्लाई होती है, उस सप्लाई वाले पानी में भी जांच में फीकल कालिफार्म पाया गया था। इसे खत्म करने का एक ही उपाय है कि पानी में क्लोरीन के कैप्सूल और ब्लीचिंग पाउडर की निर्धारित मात्रा मिलाई जाए।

भोपाल के सभी बोरवेल में मिलेगा बैक्टीरिया

शहर के सभी बोरवेल की जांच करेंगे तो हर जगह फीकल कॉलिफार्म और ई कोलाई मिलेगा। इस कारण हमें ग्राउंड वाटर रिचार्ज करने के साथ भूजल पर निर्भरता कम करनी होगी, ताकि उसे शुद्ध कर सकें। बाकी शहर की जो भी पेयजल व्यवस्था है। उसमें हर डेढ़ किमी पर क्लोरीन मिलानी होगी और नियमित पानी की जांच करनी होगी, तभी शुद्ध पानी मिलेगा।

> पानी एक ऐसा पदार्थ है जिसका उपभोग हम ऑक्सीजन के बाद सबसे ज्यादा करते हैं। 80 फीसदी रोग भी पानी जनित होते हैं। इस कारण हमें पानी की जांच सप्लाई वाले स्थान की जगह लोगों के घर से करानी होगी। 0.2 पीपीएम रेडिडुअल क्लोरीन के पैमाने का ध्यान रखना होगा। पानी सप्लाई को स्वास्थ्य विभाग की तरह प्रशासनिक व राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना होगा। तभी बेहतर सप्लाई हो सकेगी।
>
> **विजय अहिरवार,** पूर्व संचालक, प्रदूषण नियंत्रण मंडल

> 2004 में हमारी कालोनी में पीलिया फैल गया था, लोगों ने आंदोलन कर नर्मदा लाइन शुरू करवाई, लेकिन कई कालोनियों में आज भी लोग भूजल पर निर्भर हैं। इन कालोनियों का पानी सरिता सेतु डैम के कारण प्रदूषित है। अमलतास व अन्य कालोनियों क बार आज भी सीवेज के तालाब भरे हुए हैं।
>
> **-उमाशंकर तिवारी,** सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता

राजधानी की इन कालोनियों का भूजल हो चुका है प्रदूषित

1. होशंगाबाद रोड स्थित आशाराम फेस-1 व फेस-2, अरविंद विहार, बागमुगालिया एक्सटेंशन, आर्यन विंग्स, रुचि लाइफ स्केप, इंडस टाउन, नटराज कालोनी, लिबर्टी कालोनी, लहारपुर में खुली सीवेज लाइनों के चलते भूजल प्रदूषित हुआ है। अरविंद विहार व आसपास का भूजल सरिता सेतु में छोड़े गए नालों के कारण प्रदूषित हुआ। यही स्थित अयोध्या बायपास स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी की भी है।
2. नालों के चैनलाइजेशन न होने के चलते हर्षवर्द्धन नगर, पंचशील नगर, चार इमली और आसपास की बस्तियों का भूजल प्रदूषित हो चुका है। यही स्थिति नेहरू नगर, कमला नगर, शाहजहानाबाद स्थित कई कालोनियों की भी है।
3. इसके अलावा भानपुर व आदमपुर छावनी की कचरा खंती ने भी भूजल को प्रदूषित किया है। दरअसल एक ही जगह पर जमा कचरे से खतरनाक लिचेट बनता है और यह लिचेट सीधे भूजल में मिलकर भूजल को प्रदूषित करता है। यदि एक बार लिचेट भूजल में मिल जाए तो भूजल को साफ होने में कई दशक तक लग जाएंगे। बशर्ते कचरे की सफाई के साथ लिचेट को भी तत्काल वहां से खत्म किया जाए। लिचेट के चलते रायसेन रोड स्थित आदमपुर, छावनी, हरिपुरा, पड़रिया, शांति नगर, अर्जुन नगर और कोलुआ और भानपुर खंती के कारण भानपुर, शबरी नगर, मालीखेड़ी, खेजड़ा बरामद, रसोली, रासलाखेड़ी सहित आसपास के इलाकों में कचरे और लिचेट के चलते प्रदूषित हुआ है।

जेपी अस्पताल में नहीं थम रहा अमानक दवा का सिलसिला, अब माउथवॉश में निकला कीड़ा

कुछ दिन पहले टेबलेट में फंफूद का मामला आया था सामने ▸▸ सीएमएचओ ने टीम गठित कर जांच शुरू की

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। जयप्रकाश अस्पताल में लगातार दूसरी बार गुणवत्ता विहीन या संदिग्ध दवा बांटने का मामला सामने आया है। इसे फौरी तौर पर अमानक कहा जा सकता है। कुछ दिन पहले एक मरीज ने शिकायत की थी कि उसे अस्पताल के दवा वितरण केंद्र से जो टेबलेट दी गई है, उसमें फंफूद लगी है, अब एक शिकायत फिर आई है। जिसमें मरीज का कहना है कि उसे अस्पताल के दवा वितरण केंद्र से जो माउथवॉश दिया गया, उसमें कीड़ा नजर आ रहा है। शिकायतकर्ता ने इस मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा से की है। शिकायत के साथ माउथवॉश की शीशी का फोटो भी दिया गया है, जिसमें कीड़ा नजर आ रहा है।

माउथ वॉश को लेकर जांच कराने का दावा

सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि माउथ वॉश में एक अजीब चीज नजर आ रही है। यह क्या है, इसकी जानकारी जांच के बाद ही हो सकेगी। खराब माउथवॉश का सैंपल टेस्टिंग के लिए भेजा दिया गया है।

पहले के मामले में कार्रवाई नहीं

कुछ दिन पहले जो फंफूद लगी दवा का मामला सामने आया था, उसमें अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा का कहना है कि फंफूदी लगी दवा का जो दावा किया जा रहा है, उसका स्टॉक जेपी अस्पताल में दिसंबर माह में ही खत्म हो गया था। जबकि दूसरी तरफ शिकायतकर्ता से जेपी अस्पताल का स्टाफ खराब गुणवत्ता वाली दवाओं की स्ट्रिप लेकर गया था। वहीं, मरीज से यह दावा किया गया था कि जांच रिपोर्ट आने पर उसकी सूचना दी जाएगी।

6 जनवरी का मामला, अब हो रही जांच

चार दिन पहले 6 जनवरी को मनीष नाम का युवक जेपी अस्पताल में इलाज के लिए आया था, उसे चिकित्सक द्वारा मुंह की बदबू दूर करने वाला माउथ वॉश पर्चे पर लिखकर दिया। जिसे उसने अस्पताल के दवा वितरण केंद्र से लिया। घर जाकर देखा तो उसमें कीड़ा। इसकी शिकायत युवक ने सीएमएचओ से की है। युवक की शिकायत पर सीएमएचओ ने एक टीम का गठन कर दिया है। यह टीम जेपी अस्पताल के दवा स्टोर की जांच करेगी। शुक्रवार को जांच हो चुकी है, शनिवार को इसकी रिपोर्ट सीएमएचओ के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मरीजों को फील्ड स्तर पर दें सुविधाएं

नगर संवाददाता, भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र द्वारा शुक्रवार को समग्र प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत समीक्षा-सह-अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, प्रमुख कार्यक्रम संकेतकों की समीक्षा करना तथा निगरानी, पर्यवेक्षण एवं गुणवत्ता सुधार करना था। कार्यशाला में दिल्ली से आई राष्ट्रीय स्तर की टीम की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। समीक्षा बैठक में डॉ. जीबी सिंह (चीफ एडवाइजर) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डॉ. सिंह ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अंतर्गत भारत सरकार की अपेक्षाओं, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के दृष्टिकोण पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। उनके तकनीकी मार्गदर्शन से राज्य में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की कार्यक्षमता, सेवा वितरण की गुणवत्ता तथा प्रणालीगत सुदृढ़ीकरण को नई दिशा दी। कार्यशाला अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की कार्यप्रणाली, 12 पैकेज सेवाओं की प्रगति, विस्तारित सेवाएं, दवाइयों एवं डायग्नोस्टिक्स की उपलब्धता, डिजिटल रिपोर्टिंग प्रणाली, स्क्रीनिंग, टीबी सेवाओं का एकीकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा प्रमाणन की प्रगति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही, सपोर्टिव सुपरविजन, गैप-फिलिंग स्ट्रेटेजी एवं क्षमता संवर्धन से जुड़े सत्रों के माध्यम से फील्ड-स्तर पर सीपीएचसी के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। यह कार्यशाला राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की टीमों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने, तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने तथा मध्य प्रदेश में समग्र प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।

एनएचएम ने की कार्यक्रमों की समीक्षा

तैयारियां पूरी, 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी आज से

जागरण, भोपाल। मप्र रोज सोसायटी एवं उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी 10 से 11 जनवरी तक लिंक रोड-1 स्थित सरकारी गुलाब उद्यान (नेहरू रोज गार्डन) में आयोजित की जा रही है। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी को लेकर गुलाब प्रेमियों में खासा उत्साह है। प्रदर्शनी में चयनित गार्डनों को समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। आयोजन के दौरान गुलाब की दुर्लभ प्रजातियों का प्रदर्शन भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेगा।

ऐन फ्रैंक रोज होगा आकर्षण

इस वर्ष प्रदर्शनी की खास बात ऐन फ्रैंक रोज है, जो भोपाल में पहली बार खिला है। यह गुलाब सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान नाजी उत्पीड़न की शिकार हुई ऐनी फ्रैंक की स्मृति को समर्पित है। ऑरेंज और पिंक रंगों के संयोजन में खिलने वाला यह गुलाब शांति और मानवता का प्रतीक माना जाता है। इस गुलाब की किस्म वर्ष 1960 में बेल्जियम में विकसित की गई थी।

गार्डन कैटेगरी का जूरी जजमेंट पूरा

प्रदर्शनी के अंतर्गत आयोजित गार्डन कैटेगरी प्रतियोगिता का जूरी जजमेंट गुरुवार को पूरा हो गया। इसमें इंस्टीट्यूशनल रोज गार्डन, टेरेस गार्डन, स्मॉल, मीडियम और लार्ज गार्डन सहित कुल 10 कैटेगरी में मूल्यांकन किया गया। जजमेंट के आधार पर पर्सनल कैटेगरी में प्रेरणा प्रकाश के रोज गार्डन को बेस्ट और सबसे बड़े गार्डन का अवॉर्ड मिला है। वहीं इंस्टीट्यूशनल कैटेगरी में भेल के नेहरू रोज गार्डन को सर्वश्रेष्ठ चुना गया है।

एमपीपीएससी में पहली बार निगेटिव मार्किंग, बढ़ेगी उम्मीदवारों की समस्या, आज से भरे जाएंगे आवेदन

डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी समेत कुल 155 पदों के लिए अभ्यर्थी आजमाएंगे अपनी किस्मत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में प्रशासनिक सेवा में अपना भविष्य बनाने की तैयारी में जुटे युवाओं के लिए फिर बड़ा मौका सामने आया है। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा जारी किए गए राज्य सेवा परीक्षा पीसीएस 2026 के नोटिफिकेशन के तहत ऑनलाइन आवेदन शनिवार से शुरू होकर नौ फरवरी तक जमा होंगे। भर्ती प्रक्रिया से डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी जैसे प्रतिष्ठित पदों समेत कुल 155 रिक्तियों को भरा जाएगा। आवेदन केवल ऑनलाइन मोड में ही स्वीकार किए जाएंगे, जिसके लिए उम्मीदवार एमपी पीएससी और एमपी ऑनलाइन बेवसाइट पर जाकर आनलाइन फॉर्म जमा करना होगा। हालांकि परीक्षा में पहली बार निगेटिव मार्किंग का उल्लेख किया गया है, जो उम्मीदवारों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। नोटिफिकेशन के तहत उप कलेक्टर स्तर के 17 पद निकाले गए हैं। इसके अलावा पुलिस विभाग में डीएसपी के 18 पद हैं। विकास और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभागों में भी अच्छी संख्या में भर्तियां की जा रही हैं। विकास खंड महिला सशक्तिकरण अधिकारी के 39 पद हैं। वहीं सहकारिता विस्तार अधिकारी के 16 पद, अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त के 15 पद और एक्साइज सब इंस्पेक्टर के 10 पद भी शामिल हैं।

एमपीपीएससी की दस परीक्षाएं

आयोग द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार अगले साल राज्य सेवा, राज्य वन सेवा, राज्य अभियांत्रिकी सेवा सहित सहायक प्राध्यापक की कई परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इससे लाखों अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी का स्पष्ट रोडमैप मिल गया है। आयोग के अनुसार राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्ष 2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। इसके बाद राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026 का आयोजन 7 सितंबर से 12 सितंबर 2026 के बीच प्रस्तावित है, जबकि राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2026 27 सितंबर 2026 को आयोजित होगी।

पदों के हिसाब से तय है आयु सीमा

शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो सभी पदों के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है। आयु सीमा पदों के अनुसार तय है। गैर-वर्दीधारी पदों के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष तय की गई है, जबकि वर्दीधारी पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 33 वर्ष रखी गई है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को राज्य सरकार के नियमों के अनुसार आयु में छूट मिलेगी। चयन प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। पहले प्री-परीक्षा होगी। इसके बाद मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी और अंत में इंटरव्यू के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा।

ठगी आरबीआई कर्मचारी, रिटायर्ड बिजली कर्मचारी समेत दो युवतियां बनी शिकार

जालसाजों ने एक दिन में 4 लोगों से 10 लाख से ज्यादा ठगे

जागरण, भोपाल। साइबर ठगी को लेकर पुलिस द्वारा लगातार एडवाइजरी जारी करने के बावजूद शातिर जालसाज नए-नए तरीकों से लोगों को शिकार बना रहे हैं। शुक्रवार को राजधानी में सामने आए अलग-अलग मामलों में साइबर ठगी की चार एफआईआर दर्ज हुई हैं। ठगों ने रिजर्व बैंक के कर्मचारी और रिटायर्ड बिजली कर्मचारी समेत दो महिलाओं से 10 लाख 91 हजार रुपए से ज्यादा की ठगी। पुलिस ने इन सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर युवती से 2.54 लाख हड़पे

बैरागढ़ इलाके में वर्क फ्रॉम होम के नाम पर युवती से 2 लाख 54 हजार रुपए ठगी की। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय प्रतिका मीना कुम्हार मोहल्ले में रहती हैं। वह एक कॉलेज स्टूडेंट हैं। 3 जनवरी को सायबर ठगों ने वर्क फ्रॉम होम का लालच देकर उसे पहले कुछ रुपए ट्रांसफर कराए। बाद में पैसे डबल करने का लालच देकर धीरे-धीरे 2 लाख 54 हजार रुपए ऐंठ लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रिटायर्डकर्मी को डिजिटल अरेस्ट कर ऐंठे 3 लाख

कोलार इलाके में जालसाजों ने सीबीआई अफसर बनकर रिटायर्ड बिजली कर्मचारी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार शिरडीपुरम निवासी जगन्नाथ राठौर (70) बिजली विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी हैं, गत चार जनवरी को तीन जालसाजों ने उन्हें फोन कर कहा कि उनके सिम कार्ड के जरिए लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई है। इस दौरान ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर तीन दिनों तक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट में रखा और फिर सेटलमेंट के नाम पर उनके खाते से 3 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। मामले की शिकायत के बाद कोलार पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

लिंक पर क्लिक करते ही दो बार ढाई लाख खाते से उड़ाए

एमपी नगर थाना क्षेत्र में आरबीआई कर्मचारी से ढाई लाख की ठगी हो गई। पुलिस के अनुसार गौरव त्रिपाठी (33) बावड़िया कला, शाहपुरा में रहते हैं। वह भारतीय रिजर्व बैंक की एमपी नगर शाखा में नौकरी करते हैं। बीती 6 जनवरी की दोपहर 2 बजे उनके फोन पर वाहन चालान जमा करने की एक लिंक आई। गौरव ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, तो तुरंत उनका मोबाइल हैक हो गया और उनके बैंक खाते से दो बार में 2 लाख 50 हजार 219 रुपए कट गए। पैसे ट्रांसफर होने का मैसेज आते ही उन्हें ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की, इसकी केस डायरी आने के बाद पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

नौकरी के नाम पर युवती से 2.87 लाख की ठगी

पिपलानी थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने नौकरी के नाम पर युवती से 2 लाख 87 हजार रुपए की धोखाधड़ी की। जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय शिखा माया राणाभट्ट इंद्रपुरी में रहती हैं। वह प्राइवेट जॉब करती हैं। 3 जनवरी को ठगों ने टेलीग्राम पर नौकरी देने के नाम पर एक ऑनलाइन टास्क पूरा करने को कहा। आरोपी ने पहले छोटे-छोटे भुगतान करवाए और फिर बाद में बड़ी रकम जमा करवा ली। पैसे मिलने के बाद आरोपी ने नंबर ब्लॉक कर दिया।

भानपुर इलाके में बस की टक्कर से टीचर की मौत, चालक फरार

जागरण,भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र के भानपुर इलाके में बुधवार सुबह सड़क हादसे में निजी स्कूल में कार्यरत एक टीचर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार बस की टक्कर से हुआ। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार महिमा भाईमा (26) अयोध्या नगर में रहती थी। वह एक निजी स्कूल में टीचर थी और रोज की तरह सुबह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। जहां सुबह 9 बजे भानपुर इलाके में तेज रफ्तार बस ने महिमा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवती ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे में शामिल बस की पहचान कर वाहन को जब्त कर बस चालक की तलाश शुरू कर दी है।

स्कूटर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

जागरण,भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान आशीष सिंह सोलंकी (40) निवासी पैराडाइस कॉलोनी, लहारपुर, कटारा हिल्स के रूप में हुई है। वह 5 जनवरी की रात बाइक से मंडीदीप से अपने घर लौट रहे थे। उनके बड़े भाई महेंद्र सिंह सोलंकी भी पीछे अपनी बाइक से चल रहे थे। रात करीब साढ़े आठ बजे जब आशीष सिंह 11 मील ब्रिज के पास हनुमान मंदिर के पास पहुंचे, तो सामने से रॉन्ग साइड से आ रही तेज रफ्तार स्कूटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में आशीष के सिर में गंभीर चोट आई।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
www.dainikjagranmpcg.com

तकनीक की दुनिया का

भोपाल 10 जनवरी 2026

बदल जाएगा स्क्रीन का चेहरा

वैज्ञानिकों ने ऐसा अल्ट्रा थिन फ्लैट पैनल डिस्प्ले तैयार किया है, जो हल्का, टिकाऊ, फोल्डेबल होने के साथ उच्च गुणवत्तायुक्त अल्ट्रा हाई रेजोल्यूशन की छवियां दिखाएगा। इससे ऊर्जा खपत में भी कमी आएगी।

डिजिटल युग में हमारी जिंदगी स्क्रीन से घिरी हुई है, चाहे वो स्मार्टफोन हो, लैपटॉप, टीवी या फिर वर्चुअल रियलिटी हेडसेट। ऐसे में स्क्रीन तकनीक में नई खोज लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी, मनोरंजन और काम-काज पर गहरा असर डालती है। मेटा ने हाल ही में एक ऐसा अल्ट्रा थिन फ्लैट पैनल डिस्प्ले विकसित किया है, जो आने वाले समय में डिस्प्ले इंडस्ट्री का चेहरा बदल सकता है।

क्या है नई तकनीक : मेटा का यह डिस्प्ले पारंपरिक एलईडी और ओएलईडी तकनीकों से बिल्कुल अलग है। यह 'होलोग्राफिक ऑप्टिक्स' और नए प्रकार के नैनोमटेरियल्स के संयोजन पर आधारित है। इसकी मोटाई बेहद कम है. लेकिन यह उच्च गुणवत्तायुक्त अल्ट्रा हाई रेजोल्यूशन वाली छवियां प्रदर्शित करने में सक्षम है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह डिस्प्ले एक तरह से 'फोल्डेबल' और 'लचीला' भी हो सकता है, जिसे भविष्य में पहनने योग्य उपकरणों या बेहद हल्के वीआर हेडसेट में लगाया जा सकता है।

पारंपरिक स्क्रीन से अलग : अभी तक इस्तेमाल होने वाले डिस्प्ले पैनल अपेक्षाकृत मोटे और भारी होते हैं। ओएलईडी स्क्रीन हल्की और पतली जरूर होती हैं, लेकिन उनकी कीमत अधिक होती है और लगातार इस्तेमाल से बर्न इन जैसी तकनीकी समस्याएं सामने आती हैं। मेटा का दावा है कि नया अल्ट्रा थिन पैनल न केवल हल्का और टिकाऊ होगा, बल्कि इसमें ऊर्जा खपत भी बहुत कम होगी। इससे बैटरी चालित उपकरणों, जैसे कि स्मार्टफोन और लैपटॉप की बैटरी लाइफ बढ़ाई जा सकेगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में ऐसे वर्चुअल चश्मे को भी संभव बना सकती है, जिसकी मोटाई साधारण चश्मे जितनी ही होगी।

वैज्ञानिक आधार : इस डिस्प्ले में पारंपरिक मोटे लेंसों की जगह होलोग्राफिक फिल्म्स का इस्तेमाल किया गया है। ये फिल्में प्रकाश को इस तरह मोड़ती हैं कि अल्ट्रा थिन पैनल पर भी साफ, चमकीली और गहरी तस्वीरें प्रदर्शित हो सकें। नैनो स्तर पर बनाए गए ये ऑप्टिकल घटक पारंपरिक स्क्रीन की तुलना में सस्ते और बड़े पैमाने पर उत्पादन योग्य बताए जा रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जैसे-जैसे इसका उत्पादन बढ़ेगा, इनकी कीमत भी आम उपभोक्ताओं की पहुंच में आ जाएगी।

दीवार जैसी टीवी स्क्रीन : हल्की और पतली स्क्रीन का मतलब होगा - अधिक पोर्टेबल और टिकाऊ गैजेट्स दीवार जैसी पतली, लगभग अदृश्य टीवी स्क्रीन की कल्पना अब हकीकत के करीब होगी।

पर्यावरण के लिए फायदेमंद : नई स्क्रीन की ऊर्जा खपत कम होने से बिजली की बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। इसमें उपयोग होने वाले मटेरियल्स को इस तरह डिजाइन किया गया है। कि उन्हें रिसाइकिल किया जा सके। इससे इलेक्ट्रॉनिक कचरे की समस्या कम होगी। वैज्ञानिक अल्ट्रा थिन फ्लैट पैनल डिस्प्ले में आने वाले डिजिटल भविष्य की झलक देख रहे हैं, जो स्मार्टफोन को बदल सकता है और मनोरंजन, शिक्षा, सेहत, सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में क्रांति ला सकता है।

अब 'रीयल-टाइम फॉल्ट डिटेक्शन'

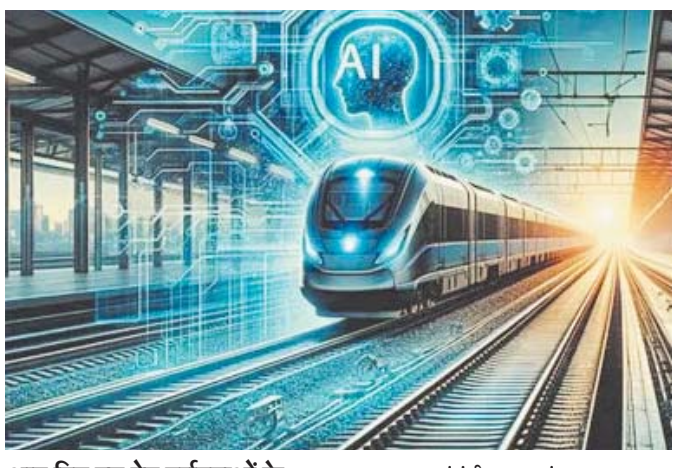

आए दिन हम ट्रेन दुर्घटनाओं के बारे में सुनते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने एक ऐसी आधुनिक प्रणाली विकसित की है, जो खामियों का तुरंत पता लगाकर उसका समाधान करेगी।

रेलवे के बुनियादी ढांचे को और अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और आधुनिक बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब निर्णायक भूमिका निभाने जा रहा है। एक नए शोध के अनुसार, डीप लर्निंग आधारित एक अत्याधुनिक, स्वचालित और रीयल-टाइम फॉल्ट डिटेक्शन प्रणाली तैयार की गई है। यह प्रणाली पटरियों, पुलों, सुरंगों और सिग्नलिंग उपकरणों में उत्पन्न खामियों का तुरंत पता लगाने में सक्षम है। यह सिस्टम उन पुरानी चुनौतियों का एक समाधान है, जिनसे रेलवे का बेहतर रख-रखाव लंबे समय से जूझ रहा था।

पुरानी पद्धतियों की सीमाएं रेलवे ढांचे में घिसावट, उम्र और तकनीकी विफलताओं के कारण खामियां समय के साथ स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होती रहती हैं। परंपरागत निरीक्षण मुख्यतः मैनुअल और समय-समय पर होने वाले सर्वेक्षणों पर निर्भर थे, जो महंगे, समय लेने वाले और मानवीय त्रुटियों के प्रति संवेदनशील थे। कई बार खामियां तब सामने आती थीं जब वे गंभीर रूप ले चुकी होती थीं। विशाल रेल नेटवर्क और चौबीसों घंटे संचालन के कारण एक तेज, विश्वसनीय और स्केलेबल समाधान की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। एआई आधारित प्रणाली यही कमी पूरी करती है। यह विशाल मात्रा में परिचालन डाटा को कुछ ही क्षणों में विश्लेषित कर अत्यंत सूक्ष्म विसंगतियां पहचान सकती है।

डाटा-संबंधी बाधाएं व समाधान फॉल्ट डिटेक्शन मॉडल तैयार करने में सबसे बड़ी चुनौती रही है उपयुक्त और संतुलित डाटा की उपलब्धता । कई तकनीकी विफलताएं इतनी दुर्लभ होती हैं कि प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त नमूने जुटाना असंभव हो जाता है। वैज्ञानिकों ने इस चुनौती से निपटने के लिए दो आधुनिक तकनीकों का संयोजन किया है। 'एंहान्स्ड सिंथेटिक माइनॉरिटी ओवरसैंपलिंग तकनीक' (इस्मोट) के नमूनों को समूहबद्ध कर अधिक विविध

सिंथेटिक डाटा तैयार करता है, जबकि 'कंडीशनल जेनरेटिव एडवर्सियल नेटवर्क' (सीजीएएन) विभिन्न खामियों का वास्तविक सिंथेटिक डाटा उत्पन्न करता है। संयुक्त रूप से ये तकनीकें एक संतुलित और अधिक प्रतिनिधिक डाटासेट तैयार करती हैं, जिससे मॉडल की सटीकता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होता है।

रेलवे संचालन पर प्रभाव अध्ययन के अनुसार, नई प्रणाली लगभग 94 प्रतिशत सटीकता के साथ खामियों का पता लगाती है, जो पारंपरिक मॉडलों की तुलना में काफी अधिक है। तेज और सटीक पहचान से मरम्मत कार्य अधिक योजनाबद्ध ढंग से हो पाएंगे। रख-रखाव लागत कम होगी और अचानक होने वाले व्यवधानों में कमी आएगी।

इससे ट्रेनों की समय पालन क्षमता बढ़ेगी और यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम अनुभव मिलेगा। यह तकनीक संकेत देती है कि आने वाले समय में एआई रेलवे सुरक्षा, दक्षता और संचालन प्रबंधन का केंद्रीय स्तंभ बनेगी और भारतीय रेलवे एक अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और बेहतर भरोसेमंद भविष्य की ओर बढ़ेगी। यह शोध 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है।

टेक अपडेट

कैसे चुनें अपने लिए बेस्ट टैबलेट

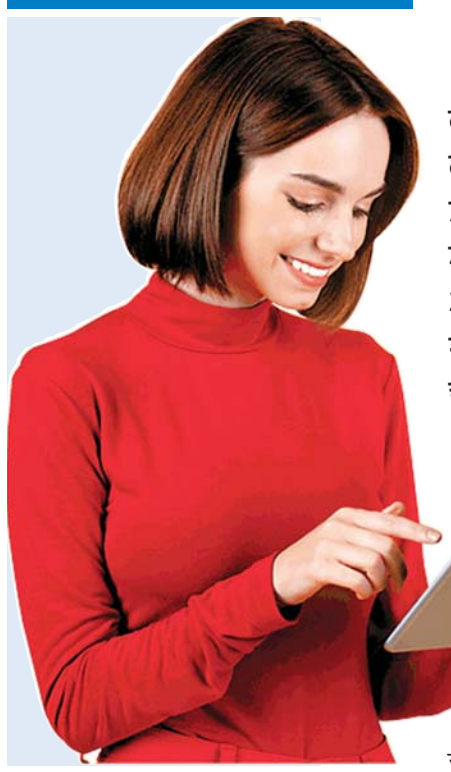

कई बार लोग सिर्फ ब्रांड देखकर टैबलेट खरीद लेते हैं और बाद में उन्हें पता चलता है कि वह उनकी जरूरत के मुताविक था ही नहीं। आइए जानते हैं कि टैबलेट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, कौन से फीचर्स जरूरी हैं....

पिछले कुछ सालों से आनलाइन पढ़ाई, वीडियो कालिंग और वर्क फ्राम होम की वजह से टैबलेट की मांग काफी बढ़ गई है। अब तो बच्चे भी टैबलेट पर क्लास करते हैं और प्रोफेशनल लोग इससे ईमेल, डाक्यूमेंट और डिजाइनिंग का काम करते हैं। बाजार में आज बहुत सारे टैबलेट माडल्स उपलब्ध कुछ सस्ते, कुछ महंगे, कुछ सिर्फ पढ़ाई के हैं- लिए तो कुछ काम और गेमिंग के लिए हैं। इतने सारे विकल्पों में सही टैबलेट चुनना आसान नहीं होता है।

क्या आपको टैबलेट की जरूरत है : सबसे पहले खुद से यही सवाल पूछें। यह न तो पूरी तरह लैपटाप है और ना ही मोबाइल। अगर सिर्फ इंटरनेट मीडिया, फिल्में देखने या आनलाइन क्लास के लिए डिवाइस चाहिए तो यह सही रहेगा, लेकिन एडिटिंग या कोडिंग जैसे साफ्टवेयर भारी पर काम करना है तो लैपटाप ही बेहतर विकल्प रहेगा।

टैबलेट के अलग-अलग सिस्टम एंड्रायड सिस्टम : बाजार में सबसे ज्यादा एंड्रायड पर चलने वाले टैबलेट हैं। ये हर रेंज में मिल जाते हैं- सस्ते से लेकर महंगे तक। इसमें एप्स, गेम्स और सेटिंग्स बदलने की आजादी होती है। सस्ते टैबलेट्स में साफ्टवेयर अपडेट और परफार्मेंस में कभी-कभी दिक्कत हो सकती है।

एपल आईपैड सिस्टम : ये भरोसेमंद व लोकप्रिय माने जाते हैं। सिस्टम बहुत स्मूथ चलता है। और बैटरी बैकअप भी अच्छा होता है। प्रो और एयर सीरीज के आइपैड पावरफुल हैं, वे कई मामलों में लैपटाप को भी रिप्लेस कर सकते हैं, लेकिन इनकी कीमत ज्यादा है और एंड्रायड की तुलना में एप्स व कस्टमाइजेशन सीमित ।

विंडोज सिस्टम: इन पर वर्ड, एक्सेल, पावरपाइंट, फोटोशाप जैसे प्रोग्राम चला सकते हैं।

टैबलेट खरीदते समय किन बातों पर ध्यान दें डिस्प्ले और विजुअल क्वालिटी : इनमें 2.5 के से लेकर उके या उससे भी ज्यादा रिजाल्यूशन मिल रहा है, जिससे वीडियो और गेमिंग का अनुभव शानदार हो जाता है। इनका रिफ्रेश रेट 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट या 144 हर्ट्ज तक है, जिससे स्क्रॉलिंग सहज लगती है।

तेज और स्मार्ट प्रोसेसर आइपैड एयर में एम4- एम5 चिप और एंड्रायड टैबलेट्स में स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 जैसे चिपसेट देखने को मिल रहे हैं।इससे वीडियो एडिटिंग, डिजाइनिंग और मल्टीटास्किंग आसानी से कर सकते हैं।

बेहतर आडियो और कैमरा : इनमें क्वाड स्पीकर सिस्टम व डाल्बी एटमोस साउंड सपोर्ट आम है। कई टैबलेट्स में 12एमपी या 13एमपी के फ्रंट और रियर कैमरे दिए जा रहे हैं।

एक्सेसरी और उपयोगिता: कीबोर्ड और स्टायलस (पेन) सपोर्ट के कारण इन्हें छोटे लैपटाप की तरह उपयोग किया जा सकता है।

कनेक्टिविटी और बैटरी: अब ज्यादातर टैबलेट्स में 5जी नेटवर्क सपोर्ट, वाइ-फाइ 6 या वाइ- फाइ 7 जैसी तेज कनेक्टिविटी दी जा रही है। साथ ही 10,000 एमएएच की बैटरी और फास्ट चार्जिंग टेक्नोलाजी भी अब आम हो चुकी है।

साफ्टवेयर और एआइ फीचर्स: नोट लेने, ट्रांसलेशन और मल्टी- विंडो सपोर्ट जैसे फीचर्स से यूजर को लैपटाप जैसा अनुभव मिलता है।

अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से टैबलेट चुनें

- **घर या पढ़ाई के लिए:** अगर आप इंटरनेट चलाना, फिल्में देखना या आनलाइन क्लास करना चाहते हैं तो सैमसंग गैलेक्सी टैब ए सीरीज, रियलमी पैड 2 या लेनोवो एम 10 जैसे टैबलेट्स अच्छे रहेंगे। इनकी कीमत 15,000 से 25,000 रुपये के है।
- **आफिस या प्रोफेशनल काम केलिए :** अगर आपको टैबलेट पर डाक्यूमेंट बनाना, ईमेल भेजना या डिजाइनिंग करनी है तो आईपैड एयर, वनप्लस पैड या लेनोवो टैब पी 11 प्रो जैसे माइल्स देखें। ये कीबोर्ड और स्टायलस के साथ छोटे लैपटाप की तरह काम करते हैं।
- **गेमिंग या कंटेंट बनाने के लिए :** अगर आप गेम खेलते हैं या वीडियो एडिटिंग करते हैं तो तेज प्रोसेसर और हाइ रिफ्रेश रेट वाला टैबलेट लें। सैमसंग गैलेक्सी टैब एस9, शाओमी पैड 6 या आईपैड प्रो जैसे माइल्स इस काम के लिए बेहतरीन हैं।
- आखिर में यही कहा जा सकता है कि टैबलेट खरीदते समय सिर्फ बड़ी स्क्रीन देखकर फैसला न करें। अपनी जरूरत, बजट और उपयोग के हिसाब से फीचर चुनें ताकि आपका टैबलेट सच में काम का साबित हो, सिर्फ दिखावे का नहीं।

रैम और स्टोरेज: अगर आप भारी फाइल्स या मल्टीटास्किंग करते हैं तो कम से कम 8 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वाला माडल लें। कुछ टैबलेट्स में स्टोरेज बढ़ाने के लिए मेमोरी कार्ड स्लाट भी मिलता है।

कैसे बढ़ रही है स्मार्टफोन की स्मार्टनेस

स्मार्टफोन का प्रोसेसर सिर्फ फोन को तेज ही नहीं बनाता, बल्कि उसे सोचने और सीखने की क्षमता भी देता है। फ्लैगशिप प्रोसेसर्स की वजह से स्मार्टफोन की कैसे बढ़ रही है स्मार्टनेस, आइए जानते हैं ...

आज स्मार्टफोन रोजमर्रा की जिंदगी का जरूरी एंटरटेनमेंट, इंटरनेट मीडिया, बैंकिंग और आनलाइन ट्रांजैक्शन तक हर काम इन्हीं पर निर्भर हैं। ऐसे में प्रोसेसर की भूमिका पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। अगर एंड्रायड स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, तो आपने क्वालकाम के स्नैपड्रैगन और मीडियाटेक के डाइमेंसिटी प्रोसेसर के नाम जरूर सुने होंगे। आज के स्मार्टफोन मार्केट में दो सबसे पावरफुल चिपसेट हैं- क्वालकाम स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 और मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9500 7 ये दोनों प्रोसेसर फोन को ज्यादा तेज, ज्यादा स्मार्ट और पावर - एफिशिएंट बनाने के लिए तैयार किए गए हैं। नए फ्लैगशिप प्रोसेसर ने स्मार्टफोन की पावर स्पीड और इंटेलिजेंस को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

नए प्रोसेसर से बढ़ी परफार्मेंस: इन चिपसेट्स ने स्मार्टफोन को काफी स्मूथ और तेज बना दिया है। दोनों प्रोसेसर एनएम टीएसएमसी प्रोसेस नोड पर बनाए गए हैं, जिससे ये कम पावर में ज्यादा पावरफुल परफार्मेंस दे पाते हैं। एप्स तेज खुलते हैं, बैकग्राउंड में कई टास्क बिना रुकावट चलते हैं और फोन हैवी टास्क में भी रेस्पांसिव रहता है। सीपीयू की नई ताकतः क्वालकाम स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 में ओरयोन कोर का उपयोग किया गया है, जो 4.61 गीगाहर्ट्ज तक की स्पीड देता है। वहीं डाइमेंसिटी 9500 सी। अल्ट्रा कोर 4.21 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी पर चलते हैं। इन हाइ- क्लाक-रेट कोर की वजह से फोन की सिंगल-कोर और मल्टी कोर दोनों परफार्मेंस बेहतर हो गई है। गेमिंग अनुभव अव और दमदारः गेमिंग में स्मार्टफोन की असली परीक्षा होती है और इन दोनों प्रोसेसर ने इस एक्सपीरियंस को पूरी तरह से बदल दिया है। स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 में नया एड्रिनो 840 जीपीयू दिया गया है जिसकी रेंडरिंग स्पीड पहले से काफी अधिक है। वहीं डाइमेंसिटी 9500 में माली - जी 7 अल्ट्रा जीपीयू है, जो हाइ- एंड ग्राफिक्स और रे - ट्रेसिंग को बेहद स्मूथ तरीके से संभालने में सक्षम है। ग्राफिक्स ज्यादा साफ दिखाई देते हैं, फ्रेम ड्राप कम होते हैं और लंबे समय तक खेलने पर भी फोन का तापमान स्थिर बना रहता है। इससे अब स्मार्टफोन पर कंसोल जैसी गेमिंग संभव हो गई है।

एआइ पावर और स्मार्ट फीचर्स इन दोनों चिपसेट्स ने स्मार्टफोन की एआइ क्षमताओं को भी काफी बढ़ा दिया है। स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 का हेक्सागोन एनपीयू पहले से 37 प्रतिशत तेज एआइ प्रोसेसिंग देता है। वहीं मीडियाटेक एनपीयू 990 दो गुना तेज एआइ टास्क चला सकता है और पावर भी कम खर्च करता है। इससे फोन में लैंग्वेज ट्रांसलेशन, एआइ फोटो एडिटिंग, फेस रिकग्निशन, बैटरी मैनेजमेंट और एप प्रेडिक्शन जैसे फीचर्स पहले से ज्यादा स्मार्ट तरीके से काम करते हैं। वहीं कई काम अब फोन खुद सीखकर और बेहतर तरीके से पूरा करने लगा है।

कैमरा प्रोसेसिंग में वड़ा सुधारः नया कैमरा आइएसपी स्मार्टफोन फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी को एक नई ऊंचाई पर ले गया है। स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 में 20-बिट स्पेक्ट्रा ट्रिपल आइपीएस दिया गया है, जो कम रोशनी में भी शानदार तस्वीरें कैप्चर करने में मदद करता है। 320मेगापिक्सल तक के कैमरा सपोर्ट और 8के वीडियो रिकार्डिंग को अब स्मार्टफोन आसानी से संभाल सकते हैं।

डाइमेंसिटी 9500 का इमेजिक 1190 आइपीएस एआइ आधारित फोकस, ट्रैकिंग और डिनाइजिंग तकनीक देता है, जिससे वीडियो और फोटो दोनों में स्थिरता और क्लैरिटी बढ़ जाती है। फोटोग्राफी कैमरा हार्डवेयर पर निर्भर नहीं रही, बल्कि एआइ और आइएसपी से स्मार्टफोन पहले से कहीं ज्यादा पेशेवर परिणाम देने लगे हैं।

कनेक्टिविटी में नई रफ्तार इन प्रोसेसर में लगे नए 5जी माडम और वाइ-फाइ 7 सपोर्ट की वजह से इंटरनेट कनेक्शन पहले से ज्यादा तेज और स्थिर हो गया है। स्नैपड्रैगन 8 एलिट जेन 5 का माडम 12. 5जीबीपीएस तक की डाउनलोड स्पीड सपोर्ट कर सकता है, जबकि डाइमेंसिटी 9500 7. 4 जीबीपीएस तक पहुंचता है। वहीं वाइ-फाइ 7 तकनीक अब बड़े डाटा ट्रांसफर, 4के स्ट्रीमिंग और क्लाउड गेमिंग को बेहद सहज बना देती है। कनेक्टिविटी में आई यह तेजी, स्मार्टफोन उपयोग को एकदम नए अनुभव में बदल देती है।

बेहतर बैटरी लाइफ और थर्मल मैनेजमेंट

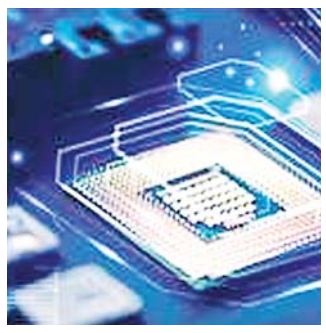

इन दोनों चिपसेट्स में पावर मैनेजमेंट इतना बेहतर है कि भारी उपयोग के बावजूद फोन आसानी से दिन भर साथ देता है। एनएम प्रोसेस की वजह से बैटरी कम खर्च होती है और हीट जेनरेशन भी बहुत कम होता है। इस वजह से फोन लंबे समय तक तेज परफार्मेंस देता रहता है और ज्यादा गर्म भी नहीं होता है।

स्टोरेज और मेमोरी की रफ्तार

एलपीडीडीआर 5 एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज सपोर्ट ने एप्स और गेम्स की लोडिंग स्पीड काफी बढ़ा दी है। बड़ी फाइलें सेकंडों में ट्रांसफर हो जाती हैं और फोन भी काफी स्मूथ बना रहता है। देखा जाए तो इन प्रोसेसर के आने से स्मार्टफोन सिर्फ तेज नहीं हुए हैं, बल्कि ज्यादा समझदार और भरोसेमंद बन गए हैं। चाहे वह फोटो प्रोसेसिंग हो, गेमिंग हो, कनेक्टिविटी हो, बैटरी लाइफ हो या कोई एआइ आधारित काम, हर क्षेत्र में स्मार्टफोन की क्षमता काफी बढ़ी है।

लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा डेटा

वैज्ञानिकों ने क्वांटम कंप्यूटरों की क्यूबिट में कुछ ऐसी चीजें जोड़ी हैं, जिससे डेटा लंबे तक सुरक्षित रहेगा। साथ ही क्वांटम कंप्यूटर पारंपरिक कंप्यूटर के मुकाबले समस्याओं को तेजी से हल कर सकेंगे।

क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने क्वांटम कंप्यूटर की बुनियादी इकाई क्यूबिट की क्षमता बढ़ा दी है। अब महत्वपूर्ण डेटा को पहले से अधिक समय तक संजोकर रखा जा सकेगा। यह खोज भविष्य के तेज, भरोसेमंद और व्यावहारिक क्वांटम कंप्यूटरों की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। परंपरागत कंप्यूटरों में सूचना बिट्स के रूप में संग्रहित होती है, जो 0 या 1 होती है। इसके विपरीत क्वांटम कंप्यूटर क्यूबिट्स पर काम करते हैं, जो क्वांटम सुपरपोजिशन के कारण एक ही समय में 0 और 1 दोनों अवस्थाओं में रह सकते हैं। यही विशेषता क्वांटम कंप्यूटरों को असाधारण गणनात्मक शक्ति देती है, जिससे वे कुछ

समस्याओं को कहीं तेजी से हल कर सकते हैं। इस तकनीक की सबसे बड़ी कमजोरी भी यहीं छिपी है। क्यूबिट बेहद नाजुक होते हैं और अपने आस-पास के वातावरण जैसे- तापमान, कंपन या विद्युत-चुंबकीय शोर से प्रभावित होकर बहुत जल्दी अपनी क्वांटम अवस्था खो देते हैं। इस प्रक्रिया को 'डिकोहेरेंस' कहा जाता है। अब तक माना जाता था कि क्वांटम भौतिकी के बुनियादी नियम क्यूबिट्स की सूचना संरक्षण क्षमता पर एक सख्त सीमा लगाते हैं, जिसे पार करना संभव नहीं है। नए शोध में वैज्ञानिकों ने इस धारणा को चुनौती दी है। उन्होंने क्यूबिट्स के समय - विकास को ही क्वांटम सुपरपोजिशन में डालने की एक नई तकनीक विकसित की। इसका अर्थ यह है कि क्यूबिट को एक ही समय में अलग-अलग 'क्वांटम पथों' पर विकसित होने दिया गया। इस अनोखे प्रयोग का परिणाम यह हुआ कि क्यूबिट में संग्रहित जानकारी सामान्य परिस्थितियों की तुलना में कहीं अधिक समय तक बनी रही। प्रयोगों से पता चला कि इस पद्धति के उपयोग से क्यूबिट की कोहेरेंस अवधि यानी वह समय, जब तक वह क्वांटम जानकारी को सुरक्षित रख सकता है। लगभग पांच गुना तक बढ़ाई जा सकती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रभाव केवल एक बार का प्रयोग नहीं था, बल्कि इसे नियंत्रित परिस्थितियों में बार-बार दोहराया गया। इससे संकेत मिलता है। कि भविष्य में इस तकनीक को वास्तविक क्वांटम कंप्यूटिंग प्रणालियों में अपनाया जा सकता है। इस खोज का व्यावहारिक महत्व बहुत बड़ा है। अभी तक क्वांटम कंप्यूटरों में उपयोगी गणनाएं पूरी होने से पहले ही क्यूबिट्स की अवस्था बिगड़ जाती थी, जिससे त्रुटियां बढ़ जाती थीं। अगर क्यूबिट ज्यादा समय तक स्थिर रहेंगे, तो न केवल जटिल गणनाएं संभव होंगी, बल्कि अतिरिक्त एरर करेक्शन क्यूबिट्स की आवश्यकता भी कम होगी। इससे क्वांटम कंप्यूटरों को बड़े पैमाने पर बनाना अधिक आसान और किफायती हो सकता है। यह शोध दिखाता है कि क्वांटम भौतिकी की सीमाएं उतनी कठोर नहीं हैं, जितना पहले समझा जाता था। सही तकनीकों और रचनात्मक प्रयोगों के जरिए इन्हीं नियमों के भीतर रहते हुए बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। आने वाले समय में इसका असर दवा अनुसंधान, नई सामग्रियों के विकास, जलवायु मॉडलिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है।

डूमर कालिंग

अनावश्यक स्क्रॉलिंग से छुटकारा

फोन में मौजूद डिजिटल वेलनेस सेटिंग्स से आप अपने स्क्रीन टाइम को नियंत्रित कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे वचा जा सकता है डूमस्क्रालिंग से ....

आजकल लोगों का ज्यादातर समय स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटाप की स्क्रीन पर बीतता है। चाहे वह इंटरनेट मीडिया पर स्क्रॉल करना हो, ईमेल चेक करना हो या आनलाइन समाचार पढ़ना हो, लोग दिनभर डिजिटल दुनिया में डूबे रहते हैं। इस आदत को डूमस्कालिंग कहते हैं। यह आंखों में दर्द, गर्दन में अकड़न और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं भी पैदा कर सकता है। हालांकि फोन में ही डिजिटल वेलनेस सेटिंग्स हैं, जिसका उपयोग कर आप अनावश्यक प्रयोग से बच सकते हैं। एंड्रायड फोन और कंप्यूटर पर एप टाइमर सेट करें आप डिजिटल वेलबीइंग और पैरेंटल कंट्रोल्स सुविधा के जरिए एप टाइमर सेट कर सकते हैं। यह आपको तय करने में मदद करता है कि आप किसी एप पर कितना समय बिताना चाहते हैं। इसके लिए सेटिंग्स में जाएं और डिजिटल वेलबीइंग और पैरेंटल कंट्रोल्स पर टैप करें। स्क्रीन टाइम ग्राफ पर टैप करें, जो एप्स के उपयोग का डिटेल दिखाएगा। उस एप को ढूंढ़े जिसके लिए टाइम लिमिट सेट करना चाहते हैं। एप के बगल में हावरग्लास आइकन पर टैप करें, समय सीमा सेट करें।

जरूरी सुझाव

■ स्क्रीन टाइम मैनेजमेंट एप्स जैसे फारेस्टया फ्रीडम का उपयोग करें। फारेस्ट एप फोनन छूने पर वर्चुअल पेड़ उगाता है, जिससे मोटिवेशन मिलता है। ■ डिजिटल डिटाक्स के लिए हफ्ते में एक दिन इंटरनेट मीडिया से पूरी तरह ब्रेक लें। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। ■ टेक नेक से बचने के लिए हर 20-30 मिनट में ब्रेक लें और गर्दन की स्ट्रेचिंग करें। इन डिजिटल वेलनेस सेटिंग्स का उपयोग करके ■ आप न सिर्फ अपने फोन के उपयोग को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि इमस्क्रालिंग से भी बच सकते हैं।

एंड्रायड पर वेडटाइम मोड सेट करें एंड्रायड का बेडटाइम मोड रात के समय फोन से दूरी बनाने में मदद करता है। इसके लिए सेटिंग्स में जाएं और डिजिटल वेलबीइंग और पैरेंटल कंट्रोल्स पर टैप करें। फिर बेडटाइम मोड चुनें और बेडटाइम रूटीन पर टैप करें। शेड्यूल सेट करें, जैसे- रात 11 बजे से सुबह 6 बजे जैसे विकल्प चुनें। इससे फोन ग्रेस्केल हो सकता है या नोटिफिकेशन बंद हो सकते हैं। आइफोन, आईपैड और मैक पर टाइमर सेट करें पसंदीदा एप्स के लिए समय सीमा तय कर सकते हैं। यह सुविधा आपको यह नियंत्रित करने में मदद करती है कि आप किसी खास एप पर कितना समय बिताते हैं। समय सीमा खत्म होने पर आपका डिवाइस आपको अलर्ट करता है और एप को अस्थायी रूप से ब्लाक कर देता है। अगर आप अलग-अलग दिनों के लिए अलग समय सीमा चाहते हैं, जैसे वीकेंड पर ज्यादा समय, तो फिर कस्टमाइज डेज पर टैप करें। अंत में ऐड पर टैप करके सेटिंग्स सेव कर दें।

स्मार्टफोन पर स्क्रीन टाइम कम करने के टिप्स स्क्रीन टाइम रिमाइंडर्स : पिक्सल डिवाइस में स्क्रीन टाइम रिमाइंडर्स डिजिटल वेलबीइंग का हिस्सा है। यह लगातार 15 से 30 मिनट तक एप उपयोग करने पर नोटिफिकेशन भेजता है। यह डूमस्कालिंग की आदत को कम करने में मदद करता है।

बेटाइम मोड : बेडटाइम मोड एक बार सेट करने पर हर रात अपने आप एक्टिव हो जाता है। जैसे ही तय समय आता है, स्क्रीन डिम हो जाती है और ग्रेस्केल मोड आन हो जाता है।

स्क्रीन टाइम मानिटरिंग एप्स कुछ एप्स : आपके फोन उपयोग को कैटेगरी और समय के हिसाब से ट्रैक करते हैं। हल्के एप्स केवल आंकड़े बताते हैं, जबकि कुछ एप्स जरूरत पड़ने पर एप्स को ब्लाक कर देते हैं। शुरुआत में उन एप्स को पहचानें जो आपका ज्यादा समय लेते हैं और उनके लिए एक सीमा तय करें।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी में एनआईटीटीटीआर अव्वल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर और सीएसआईआर नई दिल्ली द्वारा आईआईटी इंदौर में दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इससे हिंदी में विज्ञान और तकनीकी संवाद को बढ़ावा मिलना था। इसमें देशभर के प्रमुख संस्थानों और विश्वविद्यालयों से प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। संगोष्ठी में एनआईटीटीटीआर के प्रो. पीके पुरोहित प्राध्यापक और अधिष्ठाता विज्ञान ने आमंत्रित वक्ता के रूप में हिंदी में विज्ञान विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. पुरोहित ने विज्ञान को समझने में हिंदी की भूमिका और महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उनका व्याख्यान संगोष्ठी के प्रमुख आकर्षणों में से एक था और इससे यह सिद्ध हुआ कि एनआईटीटीटीआर हिंदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संवाद को एक मजबूत दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संगोष्ठी में देशभर के शीर्ष संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों ने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में एनआईटीटीटीआर की बबली चतुर्वेदी द्वारा विषय भाषा से डिजिटल संवाद तकः राजभाषा और तकनीक का संगम पर आलेख प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरुस्कार प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की।

स्वामी चक्रपाणि महाराज का कायस्थ संगठन करेगी अगवानी

जागरण, भोपाल। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत महासभा और चित्रगुप्त अखाड़ा महाराज स्वामी चक्रपाणि वृंदावन मथुरा से रविवार रात भोज विमानतल पर पहुंचेंगे। स्वामी चक्रपाणि के नगर आगमन पर कायस्थ समाज के अनेक संगठनों के कार्यकर्ता पदाधिकारी विमानतल पर पहुंचकर उनकी भव्य अगवानी एवं स्वागत करेंगे। स्वामी चक्रपाणि रविवार को कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम द्वारा रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे । वहीं रविवार सुबह 11 बजे चित्रगुप्त मंदिर 1100 क्वार्टर में कायस्थ बंधुओ से भेंट करेंगे। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव मध्य प्रदेश युवा कायस्थ संगठन के अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव महासचिव उदय श्रीवास्तव चित्रांश दीप श्रीवास्तव सार्वदेशिक कायस्थ संगठन के वेद आशीष श्रीवास्तव चित्रगुप्त समाज के अध्यक्ष राजेश नारायण श्रीवास्तव ने स्वामी चक्रपाणि के भव्य स्वागत की अपील की है।

रायसेन रोड और जहांगीराबाद सहित कई इलाकों में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। शनिवार को शहर के रायसेन रोड, जहांगीराबाद और अन्य इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार कोकता गांव, ट्रांसपोर्ट नगर, आदमपुर, छावनी, डोबरा, चोर सगोनी, ओमेगा फार्म और आसपास के इलाके में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक और अयोध्या बायपास स्थित पद्मनाभ नगर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, अभिरुचि कालोनी और आसपास सुबह 11 से शाम 5 बजे तक, न्यू सुभाष नगर, अर्जुन नगर, शालीमार काम्पलेक्स, यलगार प्रेस, बाग दिलकुशा, पुल बोगदा, सीआई कालोनी, जद्दा, पुलिस क्वार्टर, जहांगीराबाद बाजार, कप्तान साहब का अहाता, चिकलोद रोड, कुम्हारपुरा, अहीरपुरा, स्लाटर हाउस, आजाद नगर, धर्मकांटा व आसपास सुबह 11 से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। रामेश्वरम बी फेस, सिल्वर एस्टेट, गायत्री विहार फेस 3, ऋषिकेश विहार, मीनाक्षी प्लानेट, पीएम आवास योजना, जाटखेड़ी व आसपास सुबह 11 से 3 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। भैंसाखेड़ी, आकाश गार्डन, विसर्जन घाट, मंडी बैरागढ़, सीहोर नाका, फाटक रोड, सीआरपी, स्टेशन रोड, सेवा सदन, टी वार्ड, संतजी की कुटिया, एच वार्ड, जी वार्ड, एफ वार्ड, बैरागढ़ रोड, लैक लैंड गार्डन, आरोग्य केंद्र व आसपास के इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

भोपाल में पहली बार बर्ड फेस्टिवल आयोजित

जागरण, भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड और क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत हुई। आयोजन का उद्देश्य शहर और आसपास पाई जाने वाली पक्षी प्रजातियों संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है। फेस्टिवल का उद्घाटन प्रधान मुख्य वन संरक्षक शुभरंजन सेन और जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव अजय यादव ने किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, पक्षी विशेषज्ञों, प्रकृति प्रेमियों और बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी रही। आयोजन में पोस्टर प्रतियोगिता, फोटो प्रदर्शनी और नुक्कड़ नाटक आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में शहरी पक्षियों की चुनौतियों और आम नागरिकों की भूमिका को रेखांकित किया गया। वहीं फोटो प्रदर्शनी में भोपाल के जलस्रोतों और वन क्षेत्रों में पाई जाने वाली पक्षी विविधता को प्रदर्शित किया गया। विशेष व्याख्यान में बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, मुंबई के नंदकिशोर दुधे ने 'बड्र्स अराउंड अस' विषय पर संबोधित करते हुए बताया कि हम अपने आसपास कितनी प्रजातियों के साथ रहते हैं, लेकिन उनकी पहचान तक नहीं कर पाते। फेस्टिवल में डॉ बीनिष रफत, मानिक लाल गुप्ता, डॉ संगीता राजगीर और मोहम्मद खालिक की भी उपस्थिति रही।

एक्सीलेंस कालेज और आयुर्वेद कालेज के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। एक्सीलेंस कालेज और पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक कालेज के बीच शैक्षणिक और शोध सहयोग को सुदृढ़ करने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इससे आयुर्वेद और आधुनिक/मूलभूत विज्ञान के समन्वय के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा को सशक्त किया जाएगा। एमओयू के तहत दोनों संस्थानों के कई विभागों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे आयुर्वेदिक ज्ञान का आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वित अध्ययन एवं अनुसंधान किया जा सके। इसका लक्ष्य मूलभूत विज्ञान और आयुर्वेद के सिद्धांतों को एकीकृत करना, शोध की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना तथा भारत की समृद्ध और प्राचीन ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक अन्वेषण करना है। इस अवसर पर एक्सीलसें कालेज संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल अपनी टीम के साथ आयुर्वेदिक कालेज पहुंचे। आयुर्वेदिक कालेज प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला सहित चिकित्सकों और प्रोफेसरों व अकादमिक सहयोग पर विस्तृत चर्चा कर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

हमीदिया की बिजली पर चल रहीं परिसर की दुकानें

तीन साल से एक भी दुकान वाले ने नहीं भरा बिल, चिकित्सकों के आवास का भी यही हाल

नगर संवाददाता, भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज और हमीदिया अस्पताल परिसर में बनीं दुकानें जैसे अमृत फार्मेसी, सुधा अमृत, जूडा कैंटीन ने पिछले तीन साल से बिजली का बिल नहीं दिया है। जबकि इस बिल का भुगतान का जीएमसी प्रबंधन द्वारा लगातार किया जा रहा है। बीते तीन साल में एक करोड़ से अधिक की बिजली के बिल का भुगतान जीएमसी ने अपने स्वशासी फंड से किया है। यह फंड वह राशि होती है जिसका इस्तेमाल मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने में किया जाता है। यानि उक्त दुकानदारों ने मरीजों के हिस्से के पैसे का इस्तेमाल अपनी निजी हित में किया है। यह मुद्दा गुरुवार को हुई जीएमसी की कार्यकारिणी समिति की बैठक में उठा। इस दौरान जब जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने हमीदिया अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन से इन बिलों के भुगतान की जानकारी मांगी तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। वहीं, बैठक के दौरान जब इस मुद्दे पर किसी के पास कोई ठोस जानकारी नहीं थी तो डीन डॉ. सिंह ने कहा कि जैसा चल रहा है चलने दो।

मीटर हैं, फिर भी बिल नहीं भरा

कैंपस में मौजूद सभी आवास और भवनों में सब मीटर लगें हैं लेकिन आखरी बार रीडिंग जनवरी 2022 में ली गई थी। इसके बाद से इन भवनों में कई लोग आए और चले गए। कुछ डॉक्टर ऐसे भी हैं जो रिटायर्ड हो चुके हैं। अब तीन साल बाद जिम्मेदारों को याद आया है कि इन भवनों से बिजली का बिल लेना होता है। लेकिन, अब तक जो फंड सरकारी खाते से खर्च हुआ है उसके भुगतान की जिम्मेदारी किसकी होगी, यह तय नहीं हैं। तीन घंटे चली श्वष्ट की बैठक में जब अध्यक्ष मयंक अग्रवाल ने पूछा कि यह जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की थी या कॉलेज प्रबंधन की तो ना डीन और ना ही अधीक्षक इसका जबाव दे सके। आपको बता दें कि हमीदिया अस्पताल और गांधी मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग के बिजली बिल का भुगतान सरकार से ग्लोबल बजट से होता है। वहीं, हॉस्टल के बिल का भुगतान कॉलेज प्रबंधन अपने ऑटोनॉमस बजट से करता है।

बैठक में नर्सिंग का मुद्दा भी उठा

बैठक में चर्चा हुई कि जो नर्सिंग ऑफिसर लंबे समय से बिना सूचना छुट्टी पर हैं। उनकी सेवा समाप्ती की कार्रवाई की कॉलेज प्रबंधन की तरफ से पेशकश की गई। जिसपर अध्यक्ष ने सवाल किया कि अब तक ऐसे लोगों को कितने नोटिस दिए गए हैं। जिसका जबाव भी प्रबंधन नहीं दे सका।

80 बच्चों को कराया स्वर्ण प्राशन होगा शारीरिक व मानसिक विकास

नगर संवाददाता, भोपाल। एम्स भोपाल के आयुष विभाग की आयुर्वेद ओपीडी में बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह वर्ष 2026 का पहला स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम रहा, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ भाग लिया। इस बार कुल 80 बच्चों ने सहभागिता की, जिनमें 53 बच्चे पूर्व से पंजीकृत थे, जबकि 27 नए बच्चों का पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर 1 वर्ष से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. रंजना पांडे ने अभिभावकों को स्वर्ण प्राशन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के प्रति जागरूक किया। उल्लेखनीय है कि आयुष विभाग में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2022 में पुष्य नक्षत्र के दिन की गई थी। पिछले तीन वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के अवसर पर यह कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है, ताकि बच्चों को आयुर्वेदिक पद्धति के माध्यम से बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का लाभ मिल सके।

कथा में कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

गोवर्धन गिरधारी के गूंजे जयकारे, छप्पन भोग किए अर्पण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। गणेश मैदान साकेत नगर में चल रही रसमयी श्रीमद भागवत कथा के पांचवे दिन कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। पुराण प्रभाकर शशांक शेखर महाराज ने नंदलाला के माखन चोरी, चीरहरण, कालिया दमन सहित गोवर्धन को उनकी छोटी उंगली में धारण करने की मनमोहक कथाओं को सुनाया। कृष्ण की इन मनोरम लीलाओं को सुनकर भक्त भी आनंद से कृष्ण कन्हैया के जयकारे लगाए। वहीं भक्तों ने गोवर्धन भगवान को 56 भोग अर्पित कर उनकी परिक्रमा लगाए। आचार्य शशांक ने भक्तों से गोवर्धन पर्वत की तरह अपनी भक्ति और ईष्ट पर दृढ़ विश्वास रखकर अपने जीवन शैली को सुगम बनाने की बात कही।

अशोका गार्डन बस्ती से निकली कलश यात्रा : नया अशोका गार्डन बस्ती में 11 जनवरी को विराट हिंदू सम्मेलन होना है। इसके पूर्व शुक्रवार को शिवधाम मंदिर से सरस्वती विद्या मंदिर तक महिलाओं की पीतांबरी कलश यात्राएं निकलीं गई। जिसका जगह जगह स्वागत किया गया। इसमें 350 मातृशक्ति, 50 बच्चे, 100 पुरुष समेत करीब 500 लोग शामिल हुए। रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर में गो-पूजन और 11 पंडितों ने शंखनाद के साथ हिंदू एकता का संकल्प लिया जाएगा। यहां रंगोली सजाई गई तथा झंडा ऊंचा रहे हमारा और आदर्श हिंदू घर जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

कल शहर में होंगे दो बड़े कार्यक्रम रूट मैप को देखकर ही करें यात्रा

वीआईपी वाहनों सहित आम लोगों के वाहनों के लिए रूट मैप तैयार

जागरण संवाददाता, भोपाल। साल 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसे देखते हुए 11 जनवरी रविवार को सीएम डॉ. मोहन यादव किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर दो कार्यक्रम आयोजित कर किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ किया जाएगा। इस दिन प्रशासन द्वारा शहर में दो कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पहला कार्यक्रम आरटीओ ऑफिस तिराहा कोकता पर आयोजित किया जाएगा, जहां एक साथ 1101 ट्रैक्टर रैली के रूप में पहुंचेंगे। वहीं दूसरे कार्यक्रम का आयोजन जम्बूरी मैदान पर होगा। इस कार्यक्रम में कुल 30 हजार बसें भोपाल संभाग के विभिन्न जिलों से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगी। इन वाहनों के रूट, पार्किंग और वीआईपी वाहनों सहित आम लोगों के वाहनों के लिए ट्रैफिक पुलिस ने रूट मैप तैयार किया है। इस कारण शहरवासी रविवार के दिन इस रूट मैप को देखकर ही यात्रा करें, अन्यथा उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कार्यक्रम के दौरान बिजी रहेगा यह रूट

- जम्बूरी मैदान पर होने वाले कार्यक्रम के दौरान बोर्ड आफिस, गोविंदपुरा टर्निंग, अन्ना नगर, सद्भावना चौराहा, महात्मा गांधी चौराहा, सेंट जेवियर स्कूल, अवधपुरी तिराहा की ओर यातायात का भारी दबाव रहेगा।
- पटेल नगर बायपास, आनंद नगर, रत्नागिरी तिराहा, पिपलानी पेट्रोल पंप, पर यातायात का दबाव ज्यादा रहेगी।

कार्यक्रम के लिए यह रहेगी पार्किंग व्यवस्था

- जीप, कार व दो पहिया वाहन के लिए : गोविंदपुरा टर्निंग से महात्मा गांधी चौराहा आने वाले वाहन सेंट जेवियर स्कूल के सामने अपने वाहन खड़े कर सकेंगे।
- **वीआईपी वाहन :** गोविंदपुरा टर्निंग से महात्मा गांधी चौराहा होकर अयप्पा मंदिर से गैस गोदाम होते ही सेंटर जेवियर स्कूल के पास वीआईपी पार्किंग में वाहन खड़ा कर सकेंगे।

यह रहेगा वैकल्पिक मार्ग

- इस दौरान जो भी परीक्षार्थी परीक्षा स्थल रायसेन रोड या कोकता बायपास की ओर जाना चाहेंगे, उन्हें जाने दिया जाएगा। इसके अलावा पिपलानी चौराहे से पटेल नगर चौराहे की ओर भी आने जाने दिया जाएगा।
- अवधपुरी से बीकानेर मिष्ठान भंडार, सुरभि एव्क्लेव, ऋषिपुरम चौराहा, चर्च चौराहा, विजय मार्केट, श्रीकृष्ण मंदिर, बरखेड़ा, गुलाब उद्यान, मस्जिद तिराहा, डीआरएम आफिस, हबीबगंज नाका, हबीबगंज अंडर ब्रिज से 10 नंबर मार्केट की ओर आ जा सकेंगे।
- पिपलानी अयोध्या नगर से आने जाने वाले वाहन जेके रोड, आईटीआई तिराहा, प्रभात चौराहा से होकर आवागमन कर सकेंगे।
- भोपाल बायपास (खजूरी सड़क से 11 मील तक) होकर जाने वाले वाहन नजदीकी बार्डर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, आष्टा, ब्यावरा ओर बैरसिया से सुबह 7.30 बजे से डायवर्ट रहेंगे।

दिगंबर पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष पर दांव

पंकज या आलोक में होगा मुकाबला

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल राजधानी की जैन समाज की शीर्ष संस्था श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष का चुनाव रविवार को होने जा रहा है। आलोक जैन पंचरत्न और पंकज जैन सुपारी में सीधा मुकाबला है। समाज के छह हजार 557 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर नया अध्यक्ष चुनेंगे। दोनों दावेदार अपने समर्थकों के साथ समर्थन मांग रहे हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी विनोद जैन एमपीटी ने बताया रविवार को सुबह 9 बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे, रात तक परिणाम आ जाएंगे। उन्होंने बताया समाज के ही निपुण सक्रिय लोगों के साथ चुनाव संपन्न कराने टीम बनाई गई है। चुनाव अधिकारी विनोद जैन एमपीटी ने बताया एक पोर्टल वेबसाइट भी बनाई गई है। इसके द्वारा मतदाताओं को अपना मतदान केंद्र और बूथ क्रमांक की जानकारी तुरंत प्राप्त हो जाएगी। जवाहर चौक मंदिर परिसर में कार्यशाला आयोजित कर पूरी प्रक्रिया को समझाया गया।

धर्म जागरण, पंच परिवर्तन और संगठनात्मक चेतना पर हुआ मंथन

टीलाखेड़ी में हिन्दू सम्मेलन, 4 हजार से अधिक ने की सहभागिता

विसं भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत संचालित हिन्दू सम्मेलन की श्रृंखला में भोजपुर जिले के फंदा खंड स्थित टीलाखेड़ी मंडल में शुक्रवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मातृशक्ति की उल्लेखनीय सहभागिता के साथ लगभग चार हजार से अधिक हिन्दू समाज के बंधु-भगिनी एकत्रित हुए।

सम्मेलन का शुभारंभ विधिवत गौ-पूजन एवं भारत माता पूजन के साथ हुआ। पूजन के पश्चात मंच से धर्म, संस्कृति और समाज जीवन से जुड़े विषयों पर सारगर्भित उद्बोधन हुए। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक संत भक्त रामजाने राजेश शर्मा तथा बाल विदुषी रितिका नागर ने धर्म रक्षा और धर्म जागरण के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा व्यक्ति को स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करने की प्रेरणा देती है। संघ के संस्कार व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, सेवा भाव और राष्ट्रनिष्ठा का भाव जाग्रत करते हैं।

कार्यक्रम में भोजपुर जिले के जिला संघचालक कामता प्रसाद तिवारी ने अपने उद्बोधन में संघ की शताब्दी वर्ष की यात्रा का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया। उन्होंने सरल एवं सहज शब्दों में संघ की स्थापना, उद्देश्य और कार्यपद्धति की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 1925 में प्रारंभ हुआ यह संगठन आज राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने संघ के पिछले 100 वर्षों के इतिहास, संघर्ष, चुनौतियों और समाज जीवन में किए गए सकारात्मक कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कामता प्रसाद तिवारी ने संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठनों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि ये संगठन समाज के विविध क्षेत्रों में सेवा, संस्कार और संगठन के कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने संघ द्वारा प्रतिपादित पंच परिवर्तन-पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य पर विशेष रूप से प्रकाश डाला और हिन्दू समाज से इन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

डॉ. यशोधर मठपाल को मिला 19वां वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान

मिंटो हॉल में पुरस्कार समारोह का शुभारंभ

जागरण, भोपाल। पुरातत्व, शैल चित्रों और सांस्कृतिक विरासत की गूंज से शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर सराबोर रहा। अवसर था डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह एवं तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ का। इस दौरान देश की प्राचीन धरोहरों को समकालीन प्रश्नों और आधुनिक तकनीकों के संदर्भ में देखने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 19वें वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार का वितरण रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देश के विख्यात पुरातत्वविद एवं शैल चित्र संरक्षण विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ यशोधर मठपाल को 19वां वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन विरासत केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और भविष्य की दिशा तय करने वाला आधार है। चार दशकों से अधिक समय तक शैल चित्र अध्ययन और संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय डॉ मठपाल ने विंध्य, कैमूर, हिमालय और पश्चिमी घाट क्षेत्रों में सैकड़ों प्रागैतिहासिक गुफाओं की खोज की है। साथ ही उन्होंने शैल चित्र संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीकों को विकसित कर भारतीय विरासत को नई दिशा दी। संगोष्ठी में पुरातत्व अभिलेखागार, संग्रहालय विज्ञान और डिजिटल संरक्षण के बदलते स्वरूप पर गहन चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि विरासत संरक्षण केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज की सहभागिता और पारंपरिक ज्ञान के सम्मान से ही सफल हो सकता है। तकनीकी सत्रों में कल्याण कुमार चक्रवर्ती, प्रो. रवि कोरिसेट्टर, के.के. सिद्धा, अरुण सिंघल और डॉ नंदिनी भट्टाचार्य सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किए गए, सूचना स्टॉल लगाए गए और डॉ मठपाल की कलाकृतियों की विशेष प्रदर्शनी ने प्रतिभागियों को प्रागैतिहासिक गुफा कला से रूबरू कराया। इसके अलावा आयोजन के अंतर्गत शनिवार को प्रतिभागियों के लिए भोपाल एवं आसपास के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण भी प्रस्तावित है।

आयोजन भारत भवन में भोपाल लिटरेचर फेस्ट शुरू, पहले दिन साहित्य, सिनेमा पर हुए विचार विमर्श

'औकात' अपमान नहीं, सवाल करने की ताकत

जागरण, भोपाल। झीलों की नगरी भोपाल में आयोजित भोपाल लिट्रेचर एंड आर्ट फेस्टिवल का आठवां संस्करण इस बार केवल साहित्यिक आयोजन नहीं, बल्कि विचारों, संवाद और आत्ममंथन का जीवंत मंच बनकर उभरा। भारत भवन में शुरू हुए इस तीन दिवसीय महोत्सव के पहले दिन शब्द, कला और संवेदना का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने श्रोताओं को सोचने, सवाल करने और भीतर झांकने के लिए प्रेरित किया। देशभर से आए लेखक, विचारक, कलाकार और वक्ताओं ने समकालीन समाज, संस्कृति, राजनीति, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों पर खुले मन से संवाद किया। फेस्टिवल के डायरेक्टर राघव चन्द्रा ने अपने संबोधन में कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में साहित्य मानव जीवन को दिशा देने का कार्य करता है। इस वर्ष फेस्टिवल में पहली बार भोपालवासियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के लिए ओपन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई है।

'तुम्हारी क्या औकात है' पर संवाद

अंतरंग सभागार में जब पीयूष मिश्रा मंच पर आए, तब स्वागत तो तालियों से हुआ, लेकिन कुछ ही क्षणों में माहौल गंभीर हो गया। उनकी पुस्तक 'तुम्हारी क्या औकात है' पर केंद्रित बातचीत के दौरान पीयूष मिश्रा ने साफ कहा कि यह किताब किसी और को आईना दिखाने के लिए नहीं, बल्कि खुद से सवाल करने की हिम्मत पैदा करने के लिए लिखी गई है। उन्होंने कहा, औकात शब्द गाली नहीं है, यह आत्ममंथन का औजार है। उनकी आवाज में न नाटकीयता थी, न बनावट-बस अनुभवों का ठहराव था। पीयूष मिश्रा ने अपनी लेखन प्रक्रिया के बारे में बताया कि कविता उनके लिए योजना नहीं, बल्कि प्रतिक्रिया है। परिस्थितियां, पीड़ा और भीतर का द्वंद्व यही उनकी रचनाओं का स्रोत हैं।

इसी दिन आयोजित सत्र गांधी पर्सपेक्टिव इन द 21वीं सेंचुरी में अनुराधा शंकर की बातों ने गांधी को इतिहास की किताबों से निकालकर वर्तमान समय में खड़ा कर दिया। अनुराधा शंकर ने जोर देकर कहा, आज की युवा पीढ़ी गांधी को तभी समझ सकती है, जब हम उन्हें केवल अहिंसा तक सीमित न रखें, बल्कि आत्मचिंतन, नैतिक साहस और जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा 21वीं सदी में गांधी का अर्थ है अपने भीतर की हिंसा को पहचानना।

स्त्री संवेदना और आत्मबोध पर तीसरा सत्र केंद्रित

तीसरा सत्र में विमेन-सेंट्रिक स्टोरीज फ्रॉम मेगा सिटीज में महानगरों में रहने वाली महिलाओं के अनुभवों, भावनाओं और आत्मसंघर्ष पर सार्थक संवाद हुआ। सत्र में लेखिकाएं डॉ. कविता भटनागर एवं डॉ. अनिंदिता घोष उपस्थित रहीं, जबकि सत्र का संचालन डॉ. रोली अग्रवाल ने किया। डॉ. अनिंदिता घोष ने अपनी पुस्तक 'मेगा सिटीज' के बारे में बताया कि ये कहानियां शहरी जीवन की तेज रफ्तार के बीच शांति के क्षणों, परिवर्तन मेटामॉर्फोसिस और आंतरिक रूपांतरण को प्रस्तुत करती हैं। डॉ. कविता भटनागर ने अपने उपन्यास सेकंड चांस पर प्रकाश डालते हुए नायिका रागिनी के चरित्र के माध्यम से रिश्तों, भावनात्मक समझ और आत्म-प्रेम के महत्व को रेखांकित किया। सत्र में महिला लेखन की संकलन कृति वॉइसेज ऑफ फीमेल और द ब्यूटी इन ऑर्डिनरी जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

तमिल कला, संगीत और व्यंजनों का विराट उत्सव 'पोंगल 2026' 18 को

जागरण, भोपाल। मध्य प्रदेश में तमिल संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भोपाल तमिल संगम (बीटीएस) 18 को कैरियर कॉलेज ऑडिटोरियम, भेल, भोपाल में पोंगल 2026 का आयोजन करेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगूभाई पटेल होंगे और गेस्ट आफ ऑनर आदिम जाति कल्याण मंत्री कृष्णा गौर होंगीं। यह महोत्सव तमिल कला, संगीत, नृत्य, व्यंजन और परंपराओं का विराट उत्सव होगा, जिसमें तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। मध्य प्रदेश सरकार और तमिलनाडु सरकार के सहयोग से आयोजित यह उत्सव समुदाय, सांस्कृतिक पर्यटन और विरासत संरक्षण को सशक्त बनाएगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

टैरिफ लगाकर नाकामी पर पर्दा डाल रहे ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप का रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 फीसद टैरिफ लगाने का नया प्रस्ताव अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। अमेरिका का यह कदम भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों को निशाना बना रहा है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को संसाधन जुटाने से रोकना है।

वेनेजुएला और ग्रीनलैंड में उलझे डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ वाली कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। उनका नया प्रस्तावित बिल और भी एकतरफा, मनमाना और अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। खुद उनकी सरकार को यह कहने में संकोच नहीं कि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति को दूसरे देशों पर दबाव बनाने की शक्ति मिलेगी।

नए बिल के मुताबिक, रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है। इस बिल पर अगले हफ्ते वोटिंग की उम्मीद है। इस फैसले से पहले दुनिया के सभी बाजार दबाव में हैं. लेकिन फैसला ट्रंप प्रशासन के खिलाफ आता है, तो फिर भारत समेत दुनिया के कई बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिल सकती है। ट्रंप प्रशासन के खिलाफ फैसला जाने पर भारतीय शेयर बाजार को फायदा हो सकता है। अमेरिका के निशाने पर मुख्य रूप से भारत, चीन और ब्राजील है। बहाना उसका वही पुराना है कि रूस इन देशों को तेल बेचकर यूक्रेन युद्ध के लिए संसाधन जुटा रहा है। हालांकि हकीकत यही है कि अमेरिका और यूरोप की युद्ध रुकवाने की अभी तक की सारी कोशिशें नाकाफी साबित हुई हैं, लेकिन वॉशिंगटन उस नाकामी को दूसरों पर डालना चाहता है।

अमेरिकी सीनेटर ग्राहम के मुताबिक, इस बिल से राष्ट्रपति ट्रंप को भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों पर दबाव बनाने की ताकत मिलेगी, ताकि वे सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद करें। पिछले साल ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैक्स लगाया था। इससे कुछ भारतीय सामानों पर कुल टैक्स 50 फीसदी तक पहुंच गया और दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई।

पिछले महीने अमेरिका ने उत्साह के साथ फ्लोरिडा में यूक्रेन, रूस और यूरोप के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की थी। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी इन बैठकों का हिस्सा थे और इनमें यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर खास फोकस रहा। लेकिन, लगता नहीं कि इन बैठकों का कोई असर पड़ा, क्योंकि इनके साथ-साथ रूसी हमलों में भी तेजी आई है। अब ब्रिटेन और फ्रांस ने एक सहमति पत्र पर साइन किए हैं, जिसके मुताबिक शांति समझौते के बाद वे यूक्रेन में सेना तैनात करना चाहते हैं, जबकि रूस इसके विरोध में हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच का मसला कई बिंदुओं पर उलझा हुआ है, पर ट्रंप प्रशासन उसका सरलीकरण करके उसे सिर्फ एक नजर से देख रहा है तेल की खरीद। अजीब बात है कि खुद ट्रंप के दावे के मुताबिक, भारत अब रूस से कम तेल आयात कर रहा है। युद्ध से लेकर तेल तक, ट्रंप हर दिन कोई नया दावा करते हैं। हाल में उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और अपाचे हेलिकॉप्टर की डील पर बयान दिया, जिसमें गलतियां थी। ट्रंप की बातें पारंपरिक कूटनीतिक भाषा से अलग और असामान्य हैं। भारत को विरोध दर्ज कराने के लिए कूटनीतिक रास्ता ही अपनाना चाहिए। वॉशिंगटन तक यह बात पहुंचानी जरूरी है कि उसके कदम द्विपक्षीय रिश्तों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

अभी दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर वार्ता चल रही है, तो फोकस उसी पर होना चाहिए। बहरहाल, ट्रंप सरकार की इन ऊट-पटांग हरकतों की वजह से अमेरिका दुनिया का भरोसा गंवाता जा रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से उसकी सबसे बड़ी करंसी रही है।

विश्व हिंदी दिवस

विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ रहे भारत की प्रमुख भाषा हिंदी ही हो सकती है।

सबकी भाषा बने, तभी विश्व भाषा बनेगी हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

दस जनवरी, 1975 को नागपुर में शुरू हुए पहले विश्व हिंदी सम्मेलन के पीछे यह सोच थी कि आने वाले दिनों में हिंदी वैश्विक स्तर पर स्थापित हो सके। वैश्विक स्तर पर सीमित ही सही, हिंदी का प्रसार तो हो रहा है। परंतु मोटे तौर पर देखें, तो इसके पीछे सांस्थानिक प्रयास कम, दुनियाभर में फैल रहे भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों का योगदान अधिक है।

विश्व गुरु की अवधारणा पूरी तरह देशज है। हाल के कुछ वर्षों में देश की यह भावना बार-बार प्रकट हुई है। परंतु इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए जो शर्तें होनी चाहिए, उनमें एक राष्ट्र की अपनी सम्माननीय भाषा को भी पूरा करना जरूरी है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह प्रश्न आवश्यक है कि राष्ट्र के ज्ञान, उसकी अभिव्यक्ति और उसके भविष्य की भाषा कौन-सी हो सकती है। राष्ट्रीय सोच इस प्रश्न के उत्तर में बिना किसी संकोच और देर के हिंदी का नाम ले सकती है। पर आज की विभाजनकारी राजनीति एवं वैचारिकी और इनसे प्रभावित मीडिया का एक बड़ा वर्ग शायद ही इसे स्वीकार कर सके। परंतु बहुभाषी भारतीय परंपरा और संस्कृति में भारत की स्वाभाविक स्थिति ही यह साबित करने के लिए काफी है कि विश्व गुरु के पायदान की ओर बढ़ रहे भारत की प्रमुख भाषा हिंदी ही हो सकती है।

सवाल उठता है कि हिंदी दिवस साल में दो बार क्यों मनाया जाता है? हिंदी दिवस दो बार मनाने के पीछे का इतिहास और वैश्विक सोच की गहरी वजह है। हिंदी दिवस एक बार 10 जनवरी को मनाया जाता है और 14 सितंबर के दिन भारत अपना राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाता है। 14 सितंबर के राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर संविधान की मुहर लगी है। 14 सितंबर 1949 के दिन संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यह फैसला आसान नहीं था। उस समय देश भाषाई विविधता से भरा था, बहस तीखी थी। लेकिन हिंदी को इसलिए चुना गया क्योंकि यह सबसे अधिक बोली-समझी जाने वाली भाषा थी। यह आम जनता की भाषा थी। इस दिन के इतिहास को याद रखने के लिए 1953 से हर साल 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाने लगा। यह दिन हिंदी को संविधान का सम्मान दिलाने का दिन है।

दस जनवरी, 1975 को नागपुर में शुरू हुए पहले विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्देश्य पता नहीं हिंदी को विश्व गुरु वाले राष्ट्र की प्रमुख भाषा के रूप में स्थापित करना था या नहीं, पर उसके पीछे यह सोच अवश्य थी कि आने वाले दिनों में हिंदी वैश्विक स्तर पर स्थापित हो सके। विश्व हिंदी दिवस हर वर्ष इसी सोच और उद्देश्य को याद दिलाने का प्रयास करता है। वैश्विक स्तर पर सीमित ही सही, हिंदी का प्रसार तो हो रहा है। परंतु मोटे तौर पर देखें, तो इसके पीछे सांस्थानिक प्रयास कम, दुनियाभर में फैल रहे भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों का योगदान अधिक है। हिंदी में और हिंदी के लिए काम कर रहे प्रवासी भारतीयों और हिंदी प्रेमियों को मंच देने और उनके वैश्विक प्रयासों को मर्यादित ही सही, मान्यता दिलाने में विश्व हिंदी सम्मेलनों ने जरूर सहयोग किया है। विश्व गुरु बनने के लिए भारत के पास अपनी एक ऐसी भाषा होनी चाहिए, जिसे समूचा देश स्वीकार कर सके, वह परंपरा की वाहक भी हो, संस्कृति की भाष्यकार भी हो और आधुनिक संदर्भों से भी स्वयं को गहराई से जोड़ सके। जिसमें समूचे राष्ट्र को स्वयं को अभिव्यक्त करने में गर्व की अनुभूति हो। जो आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी माध्यम बन सके, जिसमें वैश्विक स्तर का साहित्य हो। जो राजकाज की भी भाषा हो, जिसके जरिये राष्ट्र अपनी राष्ट्रीय आवाज को उठा सके।

आज की विश्व भाषा अंग्रेजी को देखिए। भौगोलिक प्रसार की दृष्टि से देखें, तो उसकी तुलना में सबसे ज्यादा भूभाग पर स्पेनिश बोली जाती है। बोलने वाले व्यक्तियों के लिहाज से देखें, तो उसकी तुलना में मंदारिन, यानी चीनी भाषा बोलने वालों की संख्या कहीं ज्यादा है। परंतु वैश्विक राजनय के लिहाज से देखें, तो अंग्रेजी पहले नंबर पर है। दुनियाभर के देशों के आपसी संपर्क की भाषा अंग्रेजी है। इसके बावजूद देखें तो रूसी, फ्रेंच, इटैलियन, स्पेनिश, अरबी आदि भाषाएं अपने ही राष्ट्रों में राष्ट्रीय गर्व और व्यवहार की भाषा हैं। राष्ट्रीय गर्व और व्यवहार के नजरिये से देखें, तो अपनी हिंदी अपने देश में पिछड़ती नजर आती है। विश्व भाषा होने के लिए किसी भाषा में वैश्विक स्तर का स्तरीय साहित्य भी होना चाहिए। पर अपनी हिंदी को देखिए। यहां 'मैं तुझे मीर कहूं, तुम मुझे गालिब कहो' के अंदाज में पुस्तकें लिखी जा रही हैं और उनकी समीक्षाएं हो रही हैं।

वर्ष 2009 के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार आज प्राध्यापक बनने के लिए पुस्तकें लिखना और पीएचडी करना जरूरी योग्यता हो गयी है। इसके चलते आजकल हिंदी में पुस्तकें लिखने का फैशन बढ़ गया है। अपनी वैचारिकी वाली राजनीतिक ताकतों के जरिये पुस्तकों का विमोचन और लोकार्पण भी खूब हो रहा है। पर इसका उद्देश्य ज्ञान और अभिव्यक्ति के झंडे गाड़ना कम, राजनीतिक आकाओं को खुश करना और उसके जरिये प्राध्यापक बनना या ऐसी ही नौकरियां प्राप्त करना रह गया है। शोध भी कैसे हो रहे हैं, इसकी जानकारी हर प्रबुद्ध व्यक्ति को है। पुस्तक छापने वाले कुछ हिंदी प्रकाशकों की ईमानदारी भी इस कर्म में लगे हर व्यक्ति को पता है। प्रश्न यह है कि जिस हिंदी में इतनी अराजकता हो, क्या उससे विश्व भाषा बनने की आशा की जा सकती है।

प्रश्न यह भी है कि क्या ऐसी स्थिति में हिंदी में वैश्विक स्तर की साहित्य रचना हो सकती है? हिंदी के बीच सरोकारी लेखन, ज्ञानाभिव्यक्ति और स्तरीय साहित्य लेखन के भी प्रयास जारी हैं, परंतु वे आपाधापी की प्रक्रिया के बीच ऊंट के मुंह में जीरे के समान हैं। शायद यही कारण है कि हिंदी के विरोध में उठने वाली राजनीति प्रेरित आवाजों का समवेत प्रतिकार नहीं हो पाता। इसलिए हिंदी के बरक्स अंग्रेजी अब भी भारत के प्रभु वर्ग और शिष्ट समाज के साथ ही ज्ञान परिवार की प्रभावी भाषा बनी हुई है। निश्चित तौर पर भारतीयों के प्रसार के चलते हिंदी कामचलाऊ बोलचाल की भाषा के रूप में विश्व के किसी भी कोने में अपनी उपस्थिति जता सकती है। इस तरह उसका प्रचार तो हो सकता है, पर वह संस्कृति, चिंतन और राजकाज की भाषा नहीं बन सकती है। इस संदर्भ में विश्व हिंदी दिवस पर हिंदी के कर्णधारों को सोचना होगा कि क्या इसी हिंदी के सहारे वे विश्व भाषा के पायदान को छू पायेंगे, बिना स्तरीय साहित्य के वैश्विक सम्मति और सम्मान प्राप्त कर पायेंगे?

खुला मंच

थैंक गॉड, वे समझे तो सही...

अशोक गौतम

बाहर से समझदार लगने वाले को जितने सरल तरीके से मैं उन्हें समझा सकता था समझाया, पर वह समझदार ही क्या जो इशारे में समझाने पर समझ जाए कि जनाब! सरकारी दफ्तरों में अब काम ऐसे नहीं हुआ करते जैसे आप करवाने की सोच रहे हैं। जब पैदा होने से लेकर मरने तक हमारे सारे काम काज दलाल संभाल रहे हों तो दफ्तरों में भी जनता के काम काज उनके ही 'थू' हों तो कौन सी बुरी बात है? इससे ऑफिसों में भीड़ भी कम रहती है। खैर, रोज की तरह वे कल फिर मेरी कुर्सी के पास आकर मंडराने लगे। आते ही रोज की बोले, 'बंधु! महीना हो गया मुझे आपकी कुर्सी के दर्शन करते, मेरा काम कब तक होगा?'

उस दिन मुझे उन पर दया आ गई। पहली बार उनके बाल सफेद देखे थे। शायद, आज उन्होंने अपने बालों में रंग नहीं लगाया था। कारण क्या रहे होंगे, वे ही बता सकते हैं।

'देखो सर! प्लीज! बुरा मत मानिएगा! आजकल काम करने का रंग ढंग जरा बदल गया है।'

'तो कैसे होते हैं आजकल काम?'

'आप आस्तिक हो या नास्तिक?'

'नख से शिख तक आस्तिक ही आस्तिक! जनेऊ दिखाऊं क्या?' 'राजनीति में जनेऊ दिखाने के लिए होते हैं सर! ऑफिसों में नहीं। अच्छा, तो आप कभी मंदिर गए हो?'

'रोज जाता हूं।' 'क्या करने?'

'सरकार तो कुछ देने से रही। भगवान कम से कम सुन तो लेते हैं।'

'तो आप उनसे मन्नत मांगने से पहले क्या करते हो?'

'पहले उनको चढ़ावा चढ़ा कर रिझाता हूं।'

'तो फिर यहां ऐसा क्यों नहीं? ऑफिस क्या जनता के मंदिरों से कम होते हैं? हम क्या सरकार के पुर्जे नहीं? जनाब! जब बिन चढ़ावे के भगवान नहीं सुनते तो हम क्या खाक सुनें? क्यों सुनें? किसकी सुनें?'

'इसलिए सुनें कि सरकार आपको भक्तों के काम करने का वेतन देती है', अबके वे गुस्से में बोले। सारी मर्यादाओं को त्याग। पर मैं सहज रहा। मुझे पता है कि कुर्सी पर बैठ गुस्सा करना बहुत बुरा होता है।

'देखो भाई साहब! सरकार हमें वेतन ऑफिस में आने का देती है। सरकार हमें वेतन दस से पांच जनता को अपने दर्शन कराने का देती है। काम करवाने के तो अलग लगेंगे ही लगेंगे', मैंने बड़े प्यार से कहा तो वे तुरंत समझ गए। बड़े बड़े पदों से सादर सेवानिवृत्त होने वाले कह गए हैं प्यार से समझाने पर गधे भी बड़ी आसानी से समझ जाया करते हैं मित्रो!

प्रसंगवश

राजनीतिक मजबूरियों का बंधक न बने क्रिकेट

आपसी टकराव में फंसकर, भारत के अपने उपमहाद्वीपीय पड़ोसियों के साथ क्रिकेट के रिश्ते तेजी से बिगड़ रहे हैं। अगर पाकिस्तान के साथ सीमाई तनावों और आतंकवाद की मुसीबत ने वाघा के दोनों ओर खेल संबंधों को प्रभावित किया, तो बांग्लादेश के भीतर उथल-पुथल और इसे लेकर भारत के अंदर चरम प्रतिक्रियाओं ने रोड़ा अटकाया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों की भयावह हत्याओं की पूरे भारत में निंदा उचित थी, मगर फिर भी बिना विचारे एकाएक खेल-संबंधी फेर-बदल से बचा जाना चाहिए था। सोशल मीडिया के जमाने में, जहां हिंसा और अपमान की तीव्रता बढ़ने की प्रवृत्ति होती है, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को अपने बांग्लादेशी खब्बू तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को हटाने के लिए मजबूर करके जल्दबाजी भरी प्रतिक्रिया दी है।

अधिकारियों को समझना चाहिए था कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 26 मार्च को शुरू होना है और तब तक गंगा और पद्मा में बहुत सारा पानी बह चुका होगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी जवाब देने में देर नहीं की। अपनी टीम की सुरक्षा को खतरे का बहाना पेश किया और आगामी आईसीसी टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश के मैच मेजबान भारत से बाहर दूसरी जगह कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को पत्र भेजा। बांग्लादेश ने आईपीएल के प्रसारण पर देश में प्रतिबंध लगाने का भी फैसला किया।

यह देखते हुए कि टी-20 विश्व कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है, अंतिम क्षण में आयोजन स्थलों का इंतजाम मुश्किल होगा। बताते चलें कि पाकिस्तान के खेल श्रीलंका में रखे गये हैं और भारत के खिलाफ उसका बड़ा मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में होगा। बांग्लादेश को भारत में चार शुरुआती लीग मैच खेलने थे, जिसे देखते हुए, जगह बदलने से मेजबानी से जुड़े तमाम इंतजाम प्रभावित होंगे। अगर बीसीसीआई ने शत्रुतापूर्ण हालात बदलने का इंतजार किया होता तो इस परेशानी को टाला जा सकता था। भारत और बांग्लादेश, एक राष्ट्र जो साल 1971 में भारत की मदद से जन्मा, रिश्तों के जिन धागों से जुड़े हैं वे अब कमजोर पड़ गये हैं। कूटनीति समायोजन और प्रयोजनवाद का एक जटिल संयोजन है। बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शरण मांगी और उन्हें दिल्ली में शरण दी गयी, साथ ही भारत सरकार ने उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी और पूर्व प्रधानमंत्री मरहूम खालिदा जिया के प्रति अपना अंतिम सम्मान भी जताया।

मौजूदा संकट से निपटते हुए निष्पक्षता बनाये रखने का कठिन कार्यभार आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के सामने है। सीमा के दोनों तरफ तीखी प्रतिक्रियाओं को मद्धिम करने की जरूरत है; खेल को राजनीतिक मजबूरियों का बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए।

गीता ज्ञान

श्लोक

एवं बहुविधा यज्ञा विताता ब्रह्मणो मुखे।
कर्मजान्विद्धि तान्सर्वानेवं ज्ञात्वा विमोक्ष्यसे

भावार्थ

बहुत तरह के यज्ञ वेद में विस्तार से कहे गये हैं। उन सबको तू मन इन्द्रिय और शरीर की क्रिया द्वारा सम्पन्न होने वाला जान। इस प्रकार उनके अनुष्ठान द्वारा तू कर्मबन्धन से सर्वथा मुक्त हो जाएगा।

चर्चा में चेहरा

ट्रंप ने ड्रग कार्टेल चलाने का आरोप लगा कर घर में घुस कर मादुरो को पकड़ा है।

बस ड्राइवर से राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचे मादुरो

राजेश भारती

अमेरिका ने जिन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंधक बनाया है, वे कौन हैं? वेनेजुएला की राजनीति में उनकी क्या भूमिका रही है? अमेरिकी सरकार उनसे किस बात पर नाराज रही है? इसके अलावा ट्रंप प्रशासन की ऐसी क्या नाराजगी थी कि वेनेजुएला पर कार्रवाई के साथ मादुरो को कैद करने जैसा कदम उठाया गया?

पिछले दिनों पूरी दुनिया के लिए एक चौंकाने वाली खबर आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने वेनेजुएला में एक सैन्य ऑपरेशन चलाकर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को पकड़ा है। निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना ने उनके घर में घुसकर पकड़ा है। ट्रंप की सरकार ने मादुरो पर ड्रग कार्टेल चलाने और दूसरे अपराधों का आरोप लगाया है। वह कई महीनों से मादुरो पर पद छोड़ने का दबाव डाल रहे थे।

अमेरिका ने उन पर नार्को-टेररिज्म यानी नशीली दवाओं की तस्करी के बड़े आरोप लगाए हैं। साल 2025 में यूएस ने मादुरो की सरकार को एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया। साल 2018 और हालिया 2024 के चुनावों में उन पर धांधली के गंभीर आरोप लगे। 50 से अधिक देशों ने उन्हें राष्ट्रपति मानने से इनकार कर दिया। अगस्त 2025 में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी की सूचना देने वाले के लिए इनाम की राशि 50 मिलियन डॉलर (करीब रु 420 करोड़) कर दी।

कौन हैं निकोलस मादुरो?

निकोलस मादुरो का जन्म 23 नवंबर, 1962 को एक मजदूर परिवार में हुआ था। वह एक ट्रेड यूनियन लीडर के बेटे हैं। उन्होंने उस समय बस ड्राइवर के तौर पर काम किया जब सेना अधिकारी ह्यूगो शावेज ने 1992 में तख्तापलट की नाकाम कोशिश की थी। इसी पेशे के दौरान ही उन्हें बस ड्राइवरों की यूनियन का नेता चुना गया। उन्होंने शावेज को जेल से रिहा करवाने के लिए कैंपेन किया। शावेज के 1998 के चुनाव के बाद उन्होंने विधायिका में एक सीट जीती। वह पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज के सबसे भरोसेमंद साथी थे। उन्होंने 2006 से 2013 तक विदेश मंत्री के रूप में काम किया। उन्हें 2012 में उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया और 2013 में शावेज की मृत्यु के बाद वे अंतरिम राष्ट्रपति बने।

विवादों में रहे

उनके प्रशासन के दौरान एक भयानक आर्थिक संकट आया। उनका शासन कथित तौर पर धांधली वाले चुनावों, खाने की कमी और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए सबसे ज्यादा जाना गया। 2020 में वॉशिंगटन ने उन पर भ्रष्टाचार और दूसरे आरोपों में केस किया। जनवरी 2025 में उन्होंने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली। यह 2024 का चुनाव था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय ऑब्जर्वर और विपक्ष ने बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी वाला बताकर निंदा की थी। सरकार की जीत की घोषणा का विरोध करने वाले हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। उनकी सरकार के दमनकारी कदमों की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने लगातार आलोचना की। मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।

अमेरिका की आंखों का कांटा बने

सितंबर 2013 में जब मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने तो अमेरिकी राजनयिकों को देश छोड़ने के आदेश दिया था। 2014 में मादुरो ने अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा को चुनौती दी कि वे वेनेजुएला से सीधी और स्पष्ट बात करें। अमेरिका ने 2015 में वेनेजुएला पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए गए। 2018 वेनेजुएला में हुए चुनाव में मादुरो की जीत हुई। 2019 जनवरी में वेनेजुएला में अमेरिकी समर्थित नेता हुआन गाइदो ने खुद को वेनेजुएला का राष्ट्रपति घोषित कर लिया। मादुरो ने इसे तख्तापलट की कोशिश करार देते हुए अमेरिकी राजनयिकों को 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया। उन्होंने इन कोशिशों के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, उनके एनएसए जॉन बोल्टन को जिम्मेदार बताया।

2020 मई में एक बार फिर मादुरो ने दावा किया कि दो अमेरिकी नागरिकों- ल्यूक डेनमैन और एरैन बेरी को पकड़ा गया है, जो कि उनके खिलाफ तख्तापलट की साजिश रच रहे थे। दोनों को वेनेजुएला में 20 साल जेल की सजा सुनाई गई।

सत्ता में आते ही ट्रंप ने की कार्रवाई

जनवरी 2025 में ट्रंप के सत्ता में लौटते ही अमेरिका ने मादुरो पर कोकीन और अन्य ड्रग्स की तस्करी का आरोप लगाया। इसके बाद ट्रंप ने वेनेजुएला से निकलने वाली नावों पर हमला बोला। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। ट्रंप ने खुले तौर पर वेनेजुएला के खिलाफ सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) को अभियान चलाने का आदेश दिया। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेरेबंदी की शुरुआत कर दी। वेनेजुएला से आने-जाने वाले तेल टैंकरों को पकड़ने की कार्रवाई की गई और आर्थिक तौर पर वेनेजुएला को कमजोर करना शुरू किया गया।

अब ताजा घटनाक्रम में अमेरिका ने वेनेजुएला में नशीली दवा के अड्डों और ठिकानों पर दर्जनों सैन्य हमले करने का दावा किया है। ट्रंप प्रशासन ने बताया है कि अमेरिकी विशेष बलों (डेल्टा फोर्स) ने मादुरो को पकड़ने के लिए सीधा अभियान चलाया है, क्योंकि वे मादुरो को एक नार्को-क्रिमिनल मानते हैं।

मेरा पैसा

रिटायरमेंट पर करोड़पति बना देंगी ये बचत योजनाएं

राजेश भारती

हर शख्स चाहता है कि वह रिटायरमेंट पर इतना बड़ा फंड तैयार कर ले कि उसकी बाकी की जिंदगी आराम से गुजर जाए। इसके लिए काफी लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश भी करते हैं। लेकिन कई बार गलत रणनीति के कारण प्लान फेल हो जाता है। क्या आप भी चाहते हैं कि जब आप अपनी जॉब से रिटायर हों तो आपके पास कम से कम 3 करोड़ रुपये की रकम हो। यानी रिटायरमेंट फंड 3 करोड़ रुपये हो ताकि आप बाकी की जिंदगी आराम से गुजार सकें। इसके लिए आपको कई स्कीम में निवेश करना होगा। बेहतर होगा कि निवेश का प्लान जल्दी से जल्दी बना लें। अगर आपकी उम्र अभी 35 साल है तो भी अगले 25 साल में आप 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड इकट्ठा कर सकते हैं।

हाल ही में एचएसबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि, संपन्न भारतीयों को आरामदायक और सुरक्षित सेवानिवृत्ति सुनिश्चित करने के लिए करीब 3.5 करोड़ रुपये (लगभग 401,000 अमेरिकी डॉलर) की बचत करनी होगी। 'अफ्लुएंट इन्वेस्टर्स स्नैपशॉट 2025' शीर्षक वाली में रिपोर्ट में भारतीयों की बढ़ती जीवन-यापन लागत, मुद्रास्फीति और जीवन प्रत्याशा के बारे में बढ़ती जागरूकता का हवाला देकर बताया गया है कि- ये ऐसे कारक हैं जो देश में सेवानिवृत्ति योजना को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

एक उदाहरण से समझें

अंकित की उम्र अभी 35 साल है। अंकित का लक्ष्य है कि वह 10 साल में 20 लाख रुपये जमा करें। साथ ही अगले 25 साल में 3 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड बनाएं। अंकित ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। वह पहले से ही नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में योगदान कर रहे हैं। अब वह हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में लगाना चाहते हैं। हालांकि अंकित जानना चाहते हैं कि वह रकम को और कहां निवेश कर सकते हैं।

आप भी चाहते होंगे कि जब आप अपनी जॉब से रिटायर हों तो आपके पास कम से कम 3 करोड़ रुपये की रकम हो। ताकि आप बाकी की जिंदगी आराम से गुजार सकें। इसके लिए आपको कई स्कीम में निवेश करना होगा।

एक्सपर्ट की राय

ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के एमडी पंकज मथपाल बताते हैं कि अंकित अभी एम्प्लॉयर-एम्प्लॉई स्कीम में योगदान कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह अपनी सैलरी से 10 फीसद योगदान करते हैं और एम्प्लॉयर 14 फीसद योगदान करते हैं। अभी वह हर महीने 15,000 रुपये निवेश कर रहे हैं। अगर सैलरी में हर साल 7 फीसद की बढ़ोतरी होती है तो 10 फीसद सीएजीआर के हिसाब से उनका एनपीएस निवेश 25 साल में करीब 3.42 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। सीएजीआर का मतलब है सालाना चक्रवृद्धि ब्याज दर।

एनपीएस में रखें ध्यान

एनपीएस में निवेश के जरिए वह रिटायरमेंट पर 3 करोड़ रुपये का फंड पा सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एनपीएस फंड का केवल 60 फीसद ही रिटायरमेंट के समय एकमुश्त निकाला जा सकता है। बाकी 40 फीसद का इस्तेमाल एन्युटी खरीदने के लिए किया जाना चाहिए। एन्युटी का मतलब है कि आपको हर महीने एक निश्चित राशि मिलती रहेगी।

म्यूचुअल फंड से कितनी मिलेगी रकम?

अंकित एनपीएस के अलावा हर महीने 20,000 रुपये म्यूचुअल फंड में भी निवेश करने की योजना बना रहे हैं। अगर 12 फीसद का सालाना रिटर्न मान लें तो 10 साल में उनके पास करीब 45 लाख रुपये का फंड इकट्ठा हो जाएगा। वहीं अगर वह इस एसआईपी को पूरे 25 साल तक जारी रखते हैं तो वह इतने समय में करीब 3.40 करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा कर लेंगे। यानी रिटायरमेंट पर उन्हें जितनी रकम मिलेगी, करीब उतनी रकम वह एसआईपी में निवेश से भी ले सकेंगे। ऐसे में वह रिटायरमेंट पर कुल करीब 7 करोड़ रुपये का फंड तैयार कर लेंगे। अगर आप एनपीएस में निवेश नहीं करना चाहते तो एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में भी निवेश करके 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकते हैं।

क्रू संकट से उबरने के बाद इंडिगो के सीनियर अधिकारी पहुंचे भोपाल

डायरेक्टर ने अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने का किया आग्रह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। पिछले दिसम्बर माह में लगभग एक सप्ताह से भी अधिक समय तक क्रू समस्या के कारण आए जबरदस्त गतिरोध जिसमें देशभर में लाखों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, इस दौरान भोपाल में भी राजा भोज एयरपोर्ट से दिल्ली, मुम्बई, बैंगलुरू, प्रयागराज, रायपुर, अहमदाबाद से लेकर हैदराबाद एवं गोवा के लिए संचालित उड़ाने काफी हद तक प्रभावित रहीं, उसके बार पहली बार इंडिगो के सीनियर अधिकारी राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचे। संभवतः पिछले माह हुए भारी नुकसान एवं गतिरोध के बाद उपजे असंतोष को पाटने के लिए ही इंडिगो अधिकारियों का यह भ्रमण मुख्य कारण माना जा रहा है। भ्रमण में सीनियर अधिकारी जेसन हटर्र सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के अलावा नीरजा शर्मा कम्पनी सेक्रटरी एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने दोनो अधिकारियों का गुलदस्ता भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

दी सुविधाओं की जानकारी

इंडिगो के दोनो वरिष्ठ अधिकारियों के एयरपोर्ट पहुंचने पर उनके स्वागत के साथ ही उन्हें एयरपोर्ट पर उपलब्ध सुविधाओं की भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार राजा भोज विमान तल पर इंफ्रास्ट्रक्चर ओर सुविधाओं, अग्निशमन, टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टावार के साथ ही हाल ही में कैट-2 की सुविधा के बाद जिस तरह से घने कोहरे के बावजूद एयर इंडिया एवं इंडिगो की उड़ानों की सुरक्षित लैंडिंग कराई जा रही है, उससे अवगत कराया गया। कैट-2 की सुविधा के बाद राजा भोज एयरपोर्ट मध्य भारत का एसा पहला विमान तल हो गया है, जहां इस तरह की अत्याधुनिक तकनीकी लैस हो पाई है इस तरह की सुविधा इंदौर जैसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी नहीं है, और वहां पिछले कुछ दिनों में सुबह 9.30 बजे के पहले कोई फ्लाइट लैण्ड नही कर पा रही है, जबकि राजा भोज एयरपोर्ट पर तड़के पुणे से आने वाली इंडिगो की उड़ान की भी नई तकनीकी से आसान लैंडिंग की जानकारी अधिकारियों को दी गई। एयरपोर्ट डायरेक्टर ने इंडिगो अधिकारियों को पैरेलल टैक्सी ट्रैक और न्या अरावइल हाल आदि भी दिखाया जो एयरपोर्ट की एक बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। डायरेक्टर ने सेशन के दौरान इमरजेंसी स्थितियों में फायर डिपार्टमेंटकी भूमिका के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की। इमरजेंसी रिस्पांस में फायर टीम द्वारा अपनाई जाने वाली मुख्य तकनीकों और तरीकों के बारे एवं सीआइएसएफ कर्मियों की भी विस्तार से जानकारी प्रदान की।

राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचने पर इंडिगो के अधिकारियों का एयरपोर्ट डायरेक्टर ने किया स्वागत

एयर इंडिया एक्सप्रेस जल्द

इधर एयरपोर्ट डायरेक्टर ने जहां इंडिगो अधिकारियों को प्राप्त सुविधाओं की जानकारी के साथ ही अन्य शहरों हेतु संचालन बढ़ाने पर जोर दिया वहीं इस प्रतिनिधि को यह भी जानकारी प्रदान की कि जल्द ही राजा भोज विमान तल पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का आगमन होने वाला है इसके अन्तर्गत दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद एवं नवीं मुम्बई के लिए उड़ाने प्रारंभ हो सकती हैं साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अब तक नान शेड्यूल इंटरनेशनल फ्लाइट का तो आगमन होता रहा है परन्तु भोपाल से नियमित रूप से दुबई, अबुधाबी, सिंगापुर आदि के लिए उड़ाने प्रारंभ हों, इसके लिए भी पूरी मजबूती के साथ प्रयास किए जा रहे हैं।

बढ़ाएं संचालन

भ्रमण के दौरान इंडिगो अधिकारियों ने जहां विमान तल पर उपलब्ध सुविधाओं को एयरलाइंस के क्षेत्र एवं यात्रियों के लिए काफी संतोषजनक व सरहानीय बताया वहीं एयरपोर्ट डायरेक्टर ने दोनो अधिकारियों से मौजूदा शहरों के अलावा अन्य शहरों के लिए भी इंडिगो से फ्लाइट का विस्तार करने का आग्रह किया। साथ ही यह भी कहा कि एयर कनेक्टिविटी बढ़ाई जाए जिसकी जबरदस्त संभावनाएं हैं। उन्होंने अतिरिक्त शहरों के लिए भी फ्लाइट प्रारंभ करने पर गंभीरता से विचार का आग्रह किया साथ ही यह भी कहा कि किसी भी तरह की अतिरिक्त कनेक्टिविटी एवं अन्य फ्लाइट के संचालन के लिए एयरपोर्ट पूरी तरह से सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

वो दिन जरूर आएगा जब सिंधियों को सिंध प्रदेश मिलेगा: शाहनवाज हुसैन

इंटरनेशनल सम्मेलन में सिंधियों की समस्याओं पर नहीं हुई चर्चा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। विश्व सिंधी सेवा संगम के 8वों इंटरनेशनल सम्मेलन जो कि भोपाल के एक चार सितारा होटल में आयोजित किया गया था, वहां मुख्य अतिथि के रूप में पहुचे पूर्व केन्द्रीय मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि वो दिन जरूर आएगा जब सिंधियों को उनकी जन्म स्थली सिंध प्रदेश जरूर मिलेगा। संगम के इंटरनेशनल अध्यक्ष राजू मनवानी, सदाणी दरबार रायपुर के स्वामी युदिष्टर लाल महाराज, अमरावती संत कंवरराम घाम के स्वामी राजेश लाल महाराज, इंदौर के भाजपा सांसद शंकर लालवानी, महाभारत आचार्य युधिष्टर सहित संस्थापक सदस्यों की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस इंटरनेशनल सम्मेलन में शाह नवाब हुसैन ने कहा कि पूरी दुनिया की नजर है कि पाकिस्तान की सेना सिंध प्रदेश को अधिक समय तक अपने कब्जे में नहीं रख पाएगी। वहां के जो सिंधी हैं, वे यहां के सिंधियों से भी अधिक बेताब हैं अपने भाईयों से मिलने के लिए।

भाषा को नहीं छोड़ना : शाह नवाब हुसैन ने कहा कि वह कौम अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकती जिसने अपनी मातृ भाषा और संस्कृति को छोड़ा इसलिए अपनी भाषा व संस्कृति को कभी नहीं छोड़ना जब भी आपस में बात करें। उन्होंने कहा बंगाल आज गलत रास्ते पर जा रहा है लेकिन वहां के बंगालियों की एक अच्छी बात यह है कि जब भी दो बंगाली मिलेंगे आपस में बंगाली में ही बात करेंगे इसलिए जब भी दो सिंधी आपस में मिले वे मातृभाषा में ही बात करें। अपनी संस्कृति व भाषा को हमेशा याद रखें। उन्होंने सिंधी समाज धर्यवान एवं बुद्धिजीवी बताया। इस अवसर पर युदिष्टर लाल महाराज ने कहा कि सिंधी भाषा को जीवित रखना एवं अपने संस्कारों को कभी नहीं भूलना समाज का दायित्व है।

पुत्र हो तो नरेन्द्र मोदी जैसा : इस अवसर महाभारत के युधिष्टर आचार्य ने कहा कि मैं सौ पुत्रवती भव का आशीर्वाद नहीं दूंगा जो पितामाह भीष्म ने माता गांधारी को दिया था और 100 पुत्र पैदा हुए और सौ के सौ पुत्र ही निकम्मे पैदा हुए इसलिए पुत्र हो तो नरेन्द्र मोदी जैसा और शाह नवाब हुसैन जैसा।

ये हैं सिंधियों की समस्याएं : वैसे जो आम सिंधियों का दर्द जानते हैं, उन्हें यह कहते हुए सुना गया कि पाकिस्तान में सिंधी हिन्दुओं पर अत्याचार बंद हों, वहां रह रहे 14 लाख सिंधी हिन्दुओं को भारत लाने पर हो विचार, सिंधी भाषा को रोजगार से जोड़ा जाए, सिंधी हिन्दुओं को भारत में सरकारी नौकरियों एवं पार्षद, विधायक, सांसद व राज्य सभा के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। आजादी के 78 साल बाद भी मध्यप्रदेश सहित अनेक प्रदेशों में सिंधी विस्थापित परिवारों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है, वह दिलाया जाए, हर प्रदेश में सिंधी साहित्य अकादमी का गठन हो, साथ ही संचालक मण्डल भी बनाया जाए।

अंतिम विदाई, फूट फूट कर रोई वासवानी स्कूल की शिक्षिकाएं

विष्णु गेहानी को अंतिम विदाई, नहीं मिला प्रापर्टी का मालिकाना हक

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। गुरूवार का दिन जैसे समूचा संत हिरदाराम नगर पूरे शोक में डूबा था। साधु वासवानी स्कूल में पिछले 20 साल से सेवाएं दे रहे वरिष्ठ शिक्षाविद का बुधवार को तड़के को निधन हो गया था, जिनकी अंत्येष्टि गुरूवार को दोपहर के समय की गई। इससे पूर्व उनकी शव यात्रा ने एक तरह से संत हिरदाराम नगर की परिक्रमा की पहले साधु वासवानी स्कूल, फिर स्वामी हिरदाराम जी के समाधि स्थल बाद में नव युवक सभा भवन ले जाई गई उसके बाद विश्रामघाट पहुंची। विश्रामघाट में भी गणमान्य नागरिकों का हुजूम देखने को मिला क्योंकि पिछले 70 सालो से शिक्षा व समाज सेवा से जुड़े थे स्व. विष्णु गेहानी विश्रामघाट से पहले विष्णु गेहानी की अंतिम यात्रा साधु वासवानी स्कूल ले जाया गया, तब पीआरओ दीपा आहूजा जिनके स्व. विष्णु गेहानी से आत्मीय संबंध थे, फूट फूट कर रोते देखा गया उन्हें इस हाल में देखा अन्य शिक्षिकाएं भी अपने आंसू नहीं रोक पाई और अश्रूपूरित नेत्रों से अंतिम विदाई दी। इस दौरान अंतिम यात्रा में शामिल लोगों की आंखे भी भर आईं।

अंतिम आस मालिकाना हक : इस प्रतिनिधि के साथ भी स्व. विष्णु गेहानी के गहरे दोस्ताना संबंध थे। अनेक बार चर्चा के दौरान वे कहते थे कि आजादी के दौरान अपनी जन्म स्थली छूटी, जब आजाद भारत आए तब पहले देवली कैम्प बाद में बैरागढ़ आए, दर दर की ठोकरें खाई, बाद बी न्यू बैरिक जहां इटेलियन कैदी निवास करते थे, टूटा फूटा मकान क्लैम में मिला, लेकिन आजादी के 78 साल बाद भी इसका मालिकाना हक नहीं मिल सका है। चूंकि उम्र 90 साल हो गई है अब अंतिम इच्छा है कि प्रापर्टी के मालिकाना हक के कागज मिलें, तो सांस छूटे। वन ट्री हिल्स के भूखण्ड जो 1988 में विस्थापित परिवारों को आवंटित किए गए थे, उनकी लीज 2018 में खत्म हो चुकी है।

बीस हजार के इनामी आरोपी को पुलिस ने दबोचा

जागरण संवाददाता ओबेदुल्लागंज। विवेक शर्मा हत्याकांड के फरार आरोपी को पकड़ने में पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। घटना के पश्चात आरोपी नीरज मीणा फरार चल रहा था जिसके ऊपर बीस हजार रुपये का ईनाम घोषित था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी नीरज ने बताया कि अपराध करने के बाद वह रायसेन भोपाल होशंगाबाद महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर छिपता रहा मुखाविर की सूचना मिलने पर महाराष्ट्र से होशंगाबाद लौटने पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया ओबेदुल्लागंज एसडीओपी शीला सुराणा सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी ओबेदुल्लागंज थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह ने बताया कि प्रभावी मुखविर तंत्र के कारण बीस हजार रुपये के फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता प्राप्त हुई।

पीले चावल देकर दिया हिंदू सम्मेलन का न्यौता

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलन के निमंत्रण स्वरूप शुक्रवार को वार्ड 15 की पार्षद नमिता अग्रवाल ने भारत माता के चित्र के साथ पीले चावल से सभी वार्डवासियों को निमंत्रण दिया ओर सभी से ज्यादा से ज्यादा संख्या मे पधारने का निवेदन किया। उक्त सम्मेलन सुबह ग्यारह बजे शुरू होगा जिसमें साधु संतों के साथ समसमायिक बिषयों पर परिचर्चा के बाद सामुहिक भोज का आयोजन किया जायेगा।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री अजय चंदेलवाल पुत्र श्री आर. सी. चंदेलवाल आयु - वयस्क द्वारा एक किता आवासीय मकान जी भूखंड क्र. एस -12 / 168, जो कि खसरा क्र. 371/1, 372/2, 409/1, 409/2, 409/3 के अंश भाग पर स्थित (शिक्षक कांग्रेस गृह निर्माण समिति मर्यादित) ग्राम बागमुगालिया, वार्ड क्र. 53, तहसील हुजुर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है। उक्त मकान के भूखंड का कुल क्षेत्रफल 903 वर्गफीट अर्थात 83.92 वर्गमीटर है, जिसकी चतुर्थ सीमाएं इस प्रकार है:- दिशा पूर्व में - मकान क्र. एस - 11/167, दिशा पश्चिम मे— अन्य की मकान, दिशा उत्तर में रोड, दिशा दक्षिण में- मकान क्र. एस-13/169, को संपत्ति स्वामी श्री नीरव नीलम भट्ट पुत्र श्री जी. पी. भट्ट, निवासी- मकान क्र. 216 कुंजन नगर, फेस- 1, अहमदपुर, होशंगाबाद रोड, जिला भोपाल म.प्र से क्रय करने के लिये करार कर बयाना राशि दे दी गई है। अत: जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय, बैंक, वित्तिय संस्था, या वारिसों को कोई आपत्ति हो या उक्त सम्पत्ति कहीं दान, बन्धक, गिरवी, हस्तान्तरण / विक्रय हेतु अनुबन्धित इत्यादि है तो सम्बन्धित व्यक्ति या संस्था इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अन्दर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा मेरे पक्षकारगण द्वारा उक्त संपत्ति को क्रय करने के उपरांत प्राप्त कोई भी आपत्ति मान्य नही होगी।

भवदीय **अनुज जैन** अधिवक्ता
चेम्बर नं 138, उत्तमचन्द्र ईशरानी लायर्स चेम्बर जिला न्यायालय के पीछे, अरेरा हिल्स, जिला भोपाल मो. 09691386301

आम सूचना
(भूखंड क्रमांक एफ-35 से लगायत एफ-42 आफीसर्स रेसीडेन्सी, बरखेड़ा सालम भोपाल)

मैं, अपने पक्षकार श्री संजय जैन आत्मज श्री खेमचंद जैन निवासी-भोपाल के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के स्वामित्व एवं आधिपत्य में आवासीय भूखंड क्रमांक -एफ-35, एफ-36, एफ-37, एफ-38, एफ-39, एफ-40, एफ-41 एवं एफ-42 है जिसमें प्रत्येक भूखंड का क्षेत्रफल 800 वर्गफिट है जो खसरा क्रमांक-287, 405 एवं 406 का अंश भाग होकर "आफीसर्स रेसीडेन्सी" ग्राम बरखेड़ा सालम, प.ह.नं. -26/35 भोपाल नगर निगम सीमाओं के बाहर तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है। मेसर्स क्रियेटिव कॉलोनाईजर्स एण्ड डेव्हलपर्स भोपाल द्वारा उपरोक्त भूखंडों के विक्रय पंजीयन पत्र (तीन) मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित किए थे जो उप-पंजीयक कार्यालय जिला भोपाल में दिनांक 04.11.2020 ई-पंजीयन क्रमांक-एम.पी. 059692020ए1723892 (भूखंड क्रमांक-एफ-35, एफ-36 एवं एफ-37) एवं पंजीयन दिनांक 04.11.2020 पंजीयन क्रमांक-एम.पी.059692020ए1723865 (भूखंड क्रमांक-एफ-38, एफ-39 एवं एफ-40) एवं पंजीयन दिनांक 04.11.2020 पंजीयन क्रमांक-एम.पी. 059692020ए1723878 (भूखंड क्रमांक-एफ-41 एवं एफ-42) पर पंजीबद्व है। उक्त तीनों मूल रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कहीं गुम हो गये है और मूल उपलब्ध नहीं है। यदि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय निकाय का अनुबंध, स्वत्व, आधिपत्य, हित, ऋण, बंधक (साम्यिक), भार अथवा अन्य किसी भी प्रकार का विवाद हो तो, वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि के अन्दर मुझे, मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी और मेरा पक्षकार उपरोक्त सम्पत्ति को किसी भी व्यक्ति /संस्था के पक्ष में विक्रय करने हेतु या बंधक करने हेतु स्वतंत्र होगा एवं अन्य कोई दस्तावेज निष्पादित करने हेतु स्वतंत्र होगा।

ब्रजेश कुमार शर्मा एडवोकेट
एम-7, आशीर्वाद काम्पलेक्स जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल 32 जैन नगर लालघाटी भोपाल
मोबा. नं. : 9826260790

आम सूचना

मेरे पक्षकार भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी 1. भोपाल की ओर से सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है, कि श्री पुष्पेन्द्र मणि आत्मज श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा एक किता आवासीय लीज होल्ड मकान क्र. जूनियर एचआईजी 208, जिसके भूखण्ड का क्षेत्रफल 178.23 वर्गमीटर है, उक्त मकान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कटारा हिल्स, नगर निगम वार्ड नं. 85, तहसील कोलार/हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है एवं जिसकी चतुर्थ सीमाएं पूरब में-9 मी. चौड़ी रोड़, पश्चिम मे-जूनि. एचआईजी-207, उत्तर में-18 मी.चौड़ा रोड़, एवं. दक्षिण में-जूनि. एचआईजी-209, को साम्यिक बंधक किया जाना प्रस्तावित है। उक्त सम्पत्ति वर्तमान में श्री फणीन्द्र शेखर शर्मा आत्मज श्री ईश्वर राम शर्मा के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य में है। उक्त सम्पत्ति से संबंधित विक्रय-पत्र/लीज अनुबंध पत्र, जो दिनांक 20.10.2003 को उप पंजीयक कार्यालय में पु. क्र. अ-1, ग्र.नं. 19928, द.क्र.-1684घ पर विधिवत्त पंजीबद्ध है। उक्त विक्रय-पत्र/लीज अनुबंध पत्र की मूल प्रति श्री फणीन्द्र शेखर शर्मा के पास उपलब्ध नहीं है, जिसके संबंध में उनके द्वारा पुलिस थाना गोविन्दपुरा, जिला भोपाल में प्रथम सूचना रिर्पोट दिनांक 25.11.2014 को दर्ज कराई गई थी। मेरे पक्षकार बैंक में उक्त संपत्ति को उपरोक्त दस्तावेज के आधार पर साम्यिक बंधक किये जाने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक शासकीय अर्द्धशासकीय निकाय को किसी प्रकार की आपत्ति हो अथवा किसी प्रकार का कोई भार या ऋण हो या किसी अन्य व्यक्ति के हित निहित हो या कोई विवाद या ऋण हो या उक्त मूल विक्रय पत्र/लीज अनुबंध पत्र दिनांक 20.10.2003, किसी भी व्यक्ति को मिले या किसी के पास हो तो मेरे पक्षकार बैंक में प्रस्तुत करें एवं इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर समस्त दस्तावेजी साक्ष्य के साथ मेरे कार्यालय (कार्यालयीन समय सांय 6 बजे से रात्रि 8 बजे) में आपत्ति दर्ज कराये, अन्यथा निर्धारित समयावधि के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति को उपरोक्त दस्तावेजों की सत्य प्रतिलिपि एवं शेष अन्य मूल दस्तावेजों के आधार पर बंधक कर ऋण प्रदान कर सकेगा। निर्धारित समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी और तत्संबंध में मेरा पक्षकार न्यायसंगत कार्यवाही करने के लिये स्वतंत्र रहेगा।

धर्मेन्द्र सिंह अधिवक्ता
Off.1-26, VARDHMAN GREEN PARK COLONY ASHOKA GARDEN, BHOPAL, (M) 9827452301

Public Notice / Clarification

It is hereby informed to the general public that on behalf of my client, the sellers Mr. Anand M Patel (son of Mr. Mukesh Patel) and Mr. Udit Patel (son of Mr. Brajesh Patel), both adults and residents of Lavelle Road, Bangalore, who are the owners and in possession of two agricultural land parcels bearing Khasra Numbers 155/1/8(S) and 155/1/9(S), total area 0.81 hectare, situated at Village Bishankhedi, Patwari Halka No. Beel Kheda, Development Block Phanda, Tehsil Huzur, District Bhopal (M.P.), have not received any earnest money/token amount from my client for purchase of the said land. In this regard, a public notice which was published by my client in *Dainik Jagran, Bhopal* on 08/01/2026 is null and void. Now, in respect of the above-mentioned agricultural land, the sellers are completely free to sell, transfer, or otherwise dispose of the said land to any other person, and my client has no objection of any kind regarding the same.

Rinku Maran Advocate
Office / Residence: Barkhedi Kala, Bhadbhada Road, Bhopal
Mobile: 9098665905, 8269608345

SUDOKU 114

6		7	5		8			
		3	7					5
4	5						7	
				8				1
	6	1				8	4	
2				1				
	1						2	4
3					1	6		
			4		9	5		7

SOLUTIONS 113

8	1	7	5	6	3	4	9	2
3	4	6	2	9	1	7	5	8
5	2	9	8	7	4	3	6	1
7	5	2	1	4	8	9	3	6
1	6	3	9	2	5	8	7	4
9	8	4	7	3	6	1	2	5
6	7	1	3	8	2	5	4	9
2	9	5	4	1	7	6	8	3
4	3	8	6	5	9	2	1	7

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा, आपकी आय के नए स्रोत बनेंगे, आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। रोमांटिक जीवन सुखद होगा।

कर्क : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको रोजगार के तमाम बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे और आपकी आय के नए स्त्रोत भी बनेंगे।

सिंह : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप अपने सहकर्मियों के साथ मित्रवत व्यवहार करें, तो आने वाले समय में वो आपका अच्छा लाभ करायेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप पेंडिंग कार्यों को निपटाने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं।

तुला : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार में डबल मुनाफा कमायेंगे और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सफल बनेंगे।आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप अपने बिजनेस में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिसका जल्द ही आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

धनु : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यापारिक लाभ कमाने के साथ-साथ अपने खर्चों के ऊपर भी ध्यान दें।

मकर : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी योजनाओं को सही दिशा मिलेगी। जीवनसाथी का साथ मिलेगा

कुंभ : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यावसायिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ अहम फैसले करेंगे।

मीन : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे और जूनियर भी आपसे कुछ सीखने का प्रयास करेंगे।

आज का पंचांग: 10 जनवरी शनिवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** श्रीरामानंदाचार्य जयंती। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु माघ मास कृष्ण पक्ष की सप्तमी 08 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात अष्टमी हस्त नक्षत्र 15 घंटे 40 मिनट तक, तत्पश्चात चित्रा नक्षत्र अतिगण्ड योग 16 घंटे 59 तक, तत्पश्चात सुकर्मा योग कन्या में चंद्रमा 28 घंटे 53 मिनट तक तत्पश्चात तुला में।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

मंडल कार्यालय, भोपाल
अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन नं. 0755-2550020

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु **ई-नीलामी विक्रय नोटिस**

आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वाला और प्रत्याभूतिदाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का प्रलक्षित/वास्तविक कब्जा/सांकेतिक कब्जा (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के द्वारा लिया गया है, को ''जहां है जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर निम्नलिखित ऋणियों एवं जमानतदारों से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु निम्न दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशि निम्नलिखित है:-

ई नीलामी दिनांक : 28.01.2026
(ई-नीलामी का समय : प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असिमित विस्तार के साथ)

निविदाकार अपने प्रस्ताव रु. 25000/- (रु. पच्चीस हजार मात्र) के गुणांक मे बढ़ा सकेंगे।
मंडल कार्यालय, भोपाल | प्राधिकृत अधिकारी : श्री योगेश कृष्ण सक्सेना | फोन नं. 0755-2550020/9425013866

ऋणी/बंधनकर्ता का नाम एवं बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि
श्री ग्यासीराम रायकवार (भौतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लैट नं. टी-1, प्लाट नं. 212 पर निर्मित बहुमंजिला इमारत निरंजन अपार्टमेंट के तृतीय तल पर, खसरा नं.13, 18, 16, 904/16/2, 8/2 का भाग, ''गोपाल नगर'' ग्राम-खाजूरीकलां, वार्ड नं. 61 ,तहसील-हुजूर,जिला- भोपाल, क्षेत्रफल : 750 वर्ग फिट , सीमाएँ :- पूर्व : लॉबी , पश्चिम : ओपन स्काई, उत्तर :ओपन स्काई, दक्षिण : प्लाट नं. 211 (नोट: लोन से संबंधित सभी मूल दस्तावेज आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) भोपाल में जमा है)	(₹) 13,37,000/- / (₹) 1,33,700/-	14-09-2018 / 15-03-2019 / ₹1988147.00 + दिनांक 01.09.2018 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
मेसर्स क्रांति एग्रो एजेंसी प्रो. श्री अभिषेक विश्वकर्मा पुत्र स्व. श्री भगवान सिंह विश्वकर्मा (सांकेतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति मकान वार्ड नं. 36 (नया 26), हरिपुरा, सौंथिया मार्ग विदिशा (म.प्र)-464001 , कुल क्षेत्रफल : 39.033 वर्ग मीटर, सीमाऐं : पूर्व -सौंथिया रोड, पश्चिम- 10फिटगली फिर पूरन सिंह का मकान, उत्तर- भगवान सिंह का मकान, दक्षिण -3 फिट गली फिर मुंशीलाल का मकान, संपत्ति मालिक : श्री अभिषेक विश्वकर्मा पुत्र स्व. श्री भगवान विश्वकर्मा	(₹) 15,48,000/- / (₹) 1,54,800/-	28-11-2022 / 19-04-2023 / ₹ 843124.49 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
पूनम विश्वकर्मा पुत्री परमानन्द विश्वकर्मा (सांकेतिक आधिपत्य) बंधक संपत्ति का समस्त भू-भाग मकान नं.एस-132, सेक्टर -ए, सतलापुर, मंडीदीप, तहसील-गौहरगंज, जिला-रायसेन (म.प्र.), क्षेत्रफल : 54.00 वर्ग मीटर, सीमाऐं : पूर्व- प्लाट नं. एस-133, पश्चिम-रोड, उत्तर- प्लाट नं. एस-165 एवं 164, दक्षिण - रोड, संपत्ति मालिक :श्री परमानन्द विश्वकर्मा पुत्र श्री तुलसीराम विश्वकर्मा	(₹) 17,01,000/- / (₹) 1,70,100/-	29-08-2023 / 04-01-2024 / ₹1808314.54 + दिनांक 01.08.2023 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री मनीष कुमार वर्मा पुत्र श्री चंद्रशेखर वर्मा (भौतिक आधिपत्य) आवासीय फ्लेट नं.03, तृतीय तल, नर्मदा ब्लॉक-04, प्लाट नं.10 डी सेक्टर पर स्थित, इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, गोहरगंज,रायसेन क्षेत्रफल : 600 वर्ग फिट, सीमाऐं : पूर्व-नीचे खुला, पश्चिम-नर्मदा ब्लॉक नं. 4, उत्तर-नर्मदा ब्लॉक नं. 3 , दक्षिण - कोरिडोर, संपत्ति मालिक : श्री मनीष वर्मा	(₹) 6,50,000/- / (₹) 65,000/-	16-09-2021 / 27-12-2021 / ₹1921998.25 + दिनांक 01.09.2021 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री सीता सरन सूर्यवंशी बंधक सम्पत्ति प्लॉट नं. 108, फेस-2, शिवनगर, ग्राम भानपुर, भोपाल (म.प्र) स्थित । क्षेत्रफल 600 वर्गफिट। सीमाएं : - पूर्व : प्लॉट नं. 109, पश्चिम : प्लॉट नं. 107, उत्तर : 20 फिटचौड़ी सड़क, दक्षिण : प्लॉट नं. 126, संपत्ति :- श्री सीता सरन सूर्यवंशी।	(₹) 14,40,000/- / (₹) 1,44,000/-	20-07-2017 / 31-03-2018 / ₹ 630762.00 + दिनांक 01.07.2017 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री बृजेश याग्निक पुत्र श्री उदयवीर सिंह (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. 04, प्लॉट नं. 10, सेक्टर डी, चतुर्थ तल, क्षिप्रा ब्लॉक नं. 01, इंडस्ट्रीयल एरिया, मंडीदीप, वार्ड नं. 13, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, क्षेत्रफल-600 वर्ग फिट। सीमाएँ :- पूर्व: खुला भाग, पश्चिम: क्षिप्रा ब्लॉक 01, चतुर्थ तल 05, उत्तर : गलियारा, दक्षिण : क्षिप्रा ब्लॉक 02, चतुर्थ तल 03, सम्पत्ति मालिक: श्री बृजेश याग्निक पुत्र श्री उदयवीर सिंह।	(₹) 7,30,000/- / (₹) 73,000/-	01.08.2019 / 22.10.2019 / ₹ 1518496.62 +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री राधेश्याम पटेल पुत्र श्री पतिराम पटेल (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. एस-2, द्वितीय तल, दो मंजिला बिल्डिंग बंसिका अपार्टमेंट, प्लाट नं.74 पर निर्मित, प्रियंका नगर, म.प्र पुलिस गृह निर्माण सहकारी समिती भोपाल, ग्राम-गेंहुखेड़ा, मेन रोड के अंदर, वार्ड नं. 84, हुजूर भोपाल, क्षेत्रफल 36.40 वर्ग मीटर, सीमाऐं : पूर्व-सीढ़ियां एवं कोरिडोर, पश्चिम-अन्य भूमि , उत्तर-प्लाट नं.75 , दक्षिण-फ्लैट नं. एस-1, संपत्ति मालिक : श्री राधेश्याम पटेल एवं श्रीमती मंजू सिंगरोले	(₹) 8,75,000/- / (₹) 87,500/-	14-10-2021 / 31-12-2021 / ₹1701756.24 +देय ब्याज एवं अन्य खर्चे
श्री सुधीर पांडया पुत्र श्री आर.सी. पांडया (भौतिक आधिपत्य) फ्लैट नं. एफ-2, प्रथम तल, वंशिका अपार्टमेंट, खसरा नं. 32,36/3 का भाग, म.प्र पुलिस गृह निर्माण सहकारी समिती भोपाल, प्रियंका नगर, ग्राम-गेंहुखेड़, कोलार रोड, भोपाल, क्षेत्रफल 36.40 वर्ग मीटर, सीमाऐं : पूर्व-सीढ़ियां एवं कोरिडोर, पश्चिम-अन्य भूमि , उत्तर-प्लाट नं.75 , दक्षिण-फ्लैट नं. एफ-01, संपत्ति मालिक : श्री सुधीर पांड्या	(₹) 8,51,000/- / (₹) 85,100/-	21-12-2021 / 14-03-2022 / ₹1761128.62 + दिनांक 01.12.2021 से देय ब्याज एवं अन्य खर्चे

ई नीलामी दिनांक : 18.02.2026
(ई-नीलामी का समय : प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असिमित विस्तार के साथ)

ऋणी/बंधनकर्ता का नाम एवं बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि
1. राकेश कुमार दोहरे पुत्र स्व. राजाराम दोहरे (स्व.राजाराम दोहरे पुत्र स्व.होरी लाल दोहरे के सह-उधारकर्ता और कानूनी उत्तराधिकारी 2), 2. रामजानकी पत्नी स्व. राजाराम दोहरे (स्व. राजाराम दोहरे पुत्र स्व. होरी लाल दोहरे का कानूनी उत्तराधिकारी 1), 3. नरेश कुमार दोहरे पुत्र स्व. राजाराम दोहरे (स्व. राजाराम दोहरे पुत्र स्व.होरी लाल दोहरे के कानूनी उत्तराधिकारी 3) (सांकेतिक आधिपत्य) संपत्ति का समस्त भू-भाग मकान नं.सीनियर एमआईजी-27 अप्सरा कॉम्प्लेक्स, सेक्टर ए, इंद्रपुरी, तहसील - हुजूर, जिला - भोपाल म.प्र. , जिसका क्षेत्रफल 3514 वर्ग फीट है, सीमाऐं : -पूर्व- सीनियर एमआईजी-28, पश्चिम- रोड, उत्तर- सीनियर एमआईजी-26, दक्षिण- रोड, संपत्ति मूल रूप से स्वर्गीय राजा राम दोहरे पुत्र स्वर्गीय होरी लाल दोहरे के स्वामित्व में थी, अब यह श्रीमती रामजानकी (पत्नी), राकेश कुमार दोहरे (पुत्र), नरेश कुमार दोहरे (पुत्र) और स्वर्गीय राजा राम दोहरे पुत्र स्वर्गीय होरी लाल दोहरे के अन्य ज्ञात और अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारियों को हस्तांतरित हो गई है।	(₹) 2,03,20,000/- / (₹) 20,32,000/-	05-08-2025 / 24-10-2025 / ₹1568748.15 + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे

नियम एवं शर्तें :- 1. विक्रय सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम व शर्तों के आधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। 2. सम्पत्तियों की बिक्री ''जहां है जैसा है एवं जिस अवस्था में है'' के आधार पर होगी। 3. ऊपर वर्णित सम्पत्तियों का विवरण प्रतिभूत लेनदार को प्राप्त जानकारी के आधार पर है। किन्तु प्रतिभूत लेनदार किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक लिये जिम्मेदार नहीं होगा। 4. विक्रय अधिकृत ऑनलाईन ई-निलामी सेवा प्रदाता के द्वारा **दिनांक 28/01/2026 एवं 18/02/2026** को **वेबसाइट https://baanknet.com** पर किया जायेगा। इच्छुक बोली लगाने वाले / खरीददारों को नीलामी के उचित समय से पहले बैंक से मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता **PSB Alliance** के संबंधित ई-नीलामी वेब पोर्टल **https://baanknet.com** में रजिस्ट्रेशन कर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाईन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि को ट्रांसफर करना होगा। यदि ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी राशि उपलब्ध नहीं है, तो सिस्टम बोली लगाने की अनुमति नहीं देगा। बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तो के लिए **https://baanknet.com** और **www.pnb.bank.in** पर देखें।

दिनांक: 09/01/2026, स्थान: भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

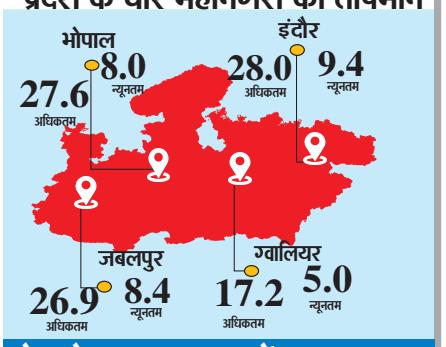

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
19.7 अधिकतम	4.6 न्यूनतम	32.0 अधिकतम	16.5 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
32.6 अधिकतम	16.0 न्यूनतम	22.6 अधिकतम	12.1 न्यूनतम

सूर्यास्त 5:51 PM
सूर्योदय 7:03 AM
चन्द्रोदय 12:00 AM
चन्द्रास्त 11:30 PM

तुम जानवर हो, मुझे नहीं पहचानते, नशे में स्कूल पहुंचा शिक्षक बच्चों से बोला

जागरण, खरगोन। शराब पीकर स्कूल पहुंचे शिक्षक का हंगामा सामने आया है। मदहोशी के हालत में पढ़ाने पहुंचे शिक्षक क्लास में जाकर बच्चों को पढ़ाने भी लगा। नशे में उसने शिक्षकों से कहा- तुम जानवर हो, मुझे नहीं पहचान पा रहे हो। मैं अपने बेटे को भी नहीं छोड़ता हूं, जिसे जन्म दिया है। मेरा कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। शिक्षक केशव शारदे की इस हरकत से दहशत में आए बच्चे असहज रूप से क्लास में दुबके बैठे रहे आए। शराबी शिक्षक के डर से कई छात्र छुट्टी से पहले ही स्कूल छोड़कर चले गए। छात्र जाने लगे तो शराबी शिक्षक भी लड़खड़ाते हुए उनके पीछे जाने लगे। शिक्षक के इस हंगामे का शुक्रवार को वीडियो वायरल हो रहा है। यह मामला डोंगरचिचली के सरकारी स्कूल का है। सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश मकवाने का कहना है कि शिक्षक केशव शारदे के व्यवहार से स्कूल का माहौल बिगड़ गया है। वे अक्सर शराब पीकर गांव में घूमते रहते हैं। गाली-गलौज भी करते हैं। इसके अलावा, एक अन्य टीचर रामचंद्र पाटीदार 4 जनवरी को शीतकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद भी गैरमौजूद थे। वीडियो सामने आने के बाद खरगोन बीईओ विष्णु पाटीदार ने जांच कमेटी गठित कर दी है।

बीटीआर में 9 दिन के अंदर तीन बाघों की क्षति

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के लिए साल की शुरुआत ठीक नहीं रही। नए साल के शुरुआती नौ दिनों में ही तीन बाघों की क्षति हुई है, जिसमें एक शावक को लापता है, एक शावक मृत हालत में मिला। अब एक वयस्क बाघ का शव कुएं से बरामद हुआ है। प्रबंधन इन सभी मामलों की जांच में जुटा है। मालूम हो कि ताला परिक्षेत्र में विगत दिनों एक नौ माह का शावक फेंसिंग कूदकर जंगल की ओर भाग गया था। चौथे दिन भी यह शावक लापता है और वन विभाग की टीमें उसकी तलाश कर रही है। इसी परिक्षेत्र के आमानाला में एक अन्य नौ माह के शावक का शव मिला था। पीएम के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इस मामले में भी प्रबंधन जांच कर रहा है। इन घटनाओं के बीच, धमोखर बफर परिक्षेत्र से जुड़े राजस्व क्षेत्र में एक कुएं में एक बाघ का शव मिला। धमोखर बफर परिक्षेत्र के अधिकारी सचिन सिंह ने बताया कि शव लगभग दो दिन पुराना हो सकता है और पानी से निकालने के बाद ही जांच में कुछ स्पष्ट हो पाएगा। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 1 जनवरी से शुरू हुए नए वर्ष के मात्र नौ दिनों में तीन बाघों की क्षति बाघ प्रेमियों के लिए चिंता का विषय है। पिछली गणना में टाइगर रिजर्व में 165 से अधिक बाघ दर्ज किए गए थे।

छतरपुर के नौगांव के प्रसिद्ध धौर्रा मंदिर में हादसा, प्रशासन के साथ बचाव में जुटे ग्रामीण

मंदिर का निर्माणाधीन द्वार भरभराकर गिरा मलबे में दबे चार मजदूर, एक की हुई मौत

जागरण, छतरपुर। छतरपुर के नौगांव के प्रसिद्ध धौर्रा मंदिर का निर्माणाधीन द्वार शुक्रवार शाम भरभराकर गिर पड़ा। इससे द्वार निर्माण में जुटे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल तीन मजदूरों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शुक्रवार शाम करीब छह बजे यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण बचाव कार्य में जुट गए। इस बीच प्रशासन की टीमें भी पहुंच गईं। जेसीबी और लोगों की सहायता से बमुश्किल मजदूरों को मलबे के नीचे से निकाला जा सका। विशाल द्वार होने से मलबा भी बड़ी मात्रा में था, जिसे निकालना मुश्किल हो रहा था। इस बीच राम मिलन पिता गोरेलाल (35) गंज करारा गांव निवासी ने दम तोड़ दिया। जबकि संतोष उर्फ संतु पिता छिड़िया अहिरवार (45) निवासी ग्राम चांदोरा, भान प्रताप कुशवाहा पिता रामलाल कुशवाहा (45) निवासी महोबा, उत्तर प्रदेश व धर्मेंद्र पिता दिल्लीपत अहिरवार (35) निवासी ग्राम दादरी घायल हो गए। इन तीनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। छतरपुर सीएमएचओ आरके गुप्ता और सिविल सर्जन शरद चौरसिया जिला अस्पताल पहुंचे। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा मृतक के परिजन को तत्काल 20 हजार रुपए और घायलों के परिवार को 5000 रुपए की सहायता दी गई है। धौर्रा हनुमान मंदिर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर है। यहां आसपास के इलाकों के लोग बड़ी संख्या में दर्शन करने आते हैं।

तकनीकी टीम को सौंपी जांच

नौगांव एसडीएम जीएस पटेल ने कहा कि हादसा लेंटर की कमी या निर्माण सामग्री की खराब क्वालिटी के कारण हुआ, यह तकनीकी टीम की जांच के बाद स्पष्ट होगा। निर्माण कार्य का ठेका स्थानीय ठेकेदार रमेश विश्वकर्मा के पास था। नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे कामों की समय-समय पर जांच की जाती है। हादसे की जांच के निर्देश दिए हैं। जो भी अधिकारी-कर्मचारी या ठेकेदार लापरवाही के लिए जिम्मेदार पाया जाएगा, उस पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीते साल पीतांबरा मंदिर के गिरे थे 8 पिलर

मालूम हो कि बीते साल नवंबर में दतिया में पीतांबरा शक्ति पीठ के मुख्य प्रवेश द्वार पर बन रहे स्ट्रक्चर के 8 पिलर अचानक भरभराकर गिर गए थे। पिलर गिरते ही धमाके जैसी तेज आवाज आई थी और मंदिर परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई थी। हालांकि, हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई थी। पीतांबरा शक्तिपीठ में मंदिर के मुख्य गेट का निर्माण 10 करोड़ रुपए में किया जा रहा था। गेट में राजस्थान के उदयपुर से लाए सैंडस्टोन का उपयोग हो रहा था।

स्वागत द्वार के नीचे से निकलने में जान का खतरा

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। नगर में 8 करोड़ की भारी-भरकम लागत से बन रहे स्वागत द्वार नगरवासियों के लिए दहशत का पर्याय बन गए हैं। गोमती इंटरप्राइजेस (उज्जैन) द्वारा किए जा रहे इस निर्माण में सुरक्षा के मानकों को हवा में उड़ाया है और किसी बड़े हादसे का निमंत्रण दिया जा रहा हो। नगर के व्यस्ततम मार्गों पर बन रहे इन स्वागत द्वारों के नीचे से गुजरना किसी मौत के कुएं में उतरने जैसा है। सिर के ऊपर दर्जनों भारी-भरकम लोहे की गार्डर और कंक्रीट की प्लेटें बिना किसी सेफ्टी नेट (सुरक्षा जाली) के टिकी हैं। जबकि नियमानुसार निर्माण स्थल के चारों ओर घेराबंदी होनी चाहिए लेकिन यहाँ वाहन और राहगीर भारी मशीनों के बिल्कुल नीचे से गुजर रहे हैं। हद तो उस समय हो जाती है जब शाम ढलते ही यहाँ खतरा दोगुना हो जाता है। क्योंकि निर्माण स्थल पर पर्याप्त चेतावनी बोर्ड या रिफ्लेक्टर नहीं लगाए गए है।

इंदौर में दूषित पानी से मौतों के मामले में परिवाद दायर

जागरण, इंदौर। प्रदेश में इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा और पूर्व निगमायुक्तों के खिलाफ कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया है कि अधिकारियों ने समय रहते पाइपलाइन का टेंडर पास नहीं कर लापरवाही की है। दूषित पानी के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने के लिए नया केस लगाया है। भागीरथपुरा के रहने वाले रामू सिंह ने वकील दिलीप नागर के माध्यम से कोर्ट में यह परिवाद लगाया है। याचिका में उल्लेख है कि 2 साल से भागीरथपुरा के लोग गंदा पानी पी रहे हैं। 2024 में एक युवती की दूषित पानी पीने से मौत हो गई थी। इसके बाद से यहां की नर्मदा पाइपलाइन बदलने की नोटशीट जारी हो गई थी। इसके टेंडर भी हो गए थे, लेकिन तत्कालीन निगमायुक्त और वर्तमान इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने टेंडर को दबा लिया, उनके बाद आए निगमायुक्त दिलीप यादव ने भी यह टेंडर पास नहीं किया। लगातार लोगों के बीमार और मौत होने के बाद 30 दिसंबर को यह टेंडर पास किया था। यदि यह टेंडर समय पर पास हो जाता तो इतने लोगों की जान नहीं जाती। इस वजह से तत्कालीन दोनों निगमायुक्त, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और जल कार्य अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किए जाने का आवेदन रामू के वकील बाणगंगा थाने गए थे, वहां पुलिस के आवेदन नहीं लेने की वजह से रामू को वकील के माध्यम से जिला कोर्ट में परिवाद दायर किया।

अफसरों पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज हो

चूहा कांड के बाद एमवाय अस्पताल में सामने आई फिर दूसरी चूक

नर्स ने काटा डेढ़ माह के मासूम का अंगूठा, सर्जरी के बाद जोड़ा, सस्पेंड

जागरण, इंदौर। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में शुमार इंदौर का एमवाय अस्पताल चूहा कांड के बाद फिर गंभीर लापरवाही के कारण सुर्खियों में है। अब चेस्ट वार्ड में नर्स की गलती की वजह से डेढ़ माह के मासूम बच्चे का अंगूठा कटने का मामला सामने आया है। घटना के बाद हड़कंप मच गया है।

दरअसल, बेटमा निवासी निमोनिया से पीड़ित एक बच्चे को इलाज के लिए चेस्ट वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां मासूम बच्चे के हाथ में लगी टेप को नर्स कैंची से काट रही थी। इसी दौरान लापरवाही के कारण कैंची बच्चे के अंगूठे पर लग गई, जिससे उसका अंगूठा कट

गया। घटना के बाद वार्ड में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि नर्स ने काम में लापरवाही बरती है।

ऑपरेशन कर कटे हुए अंगूठे को किया ठीक : मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित नर्स को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही तीन नर्सिंग इंचार्ज का वेतन रोकने की कार्रवाई भी की गई है। वहीं, इस गंभीर घटना के बाद बच्चे को तत्काल इंदौर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रेफर किया, जहां प्लास्टिक सर्जन की टीम ने सर्जरी कर अंगूठे को सफलतापूर्वक ठीक कर दिया।

फिलहाल बच्चे की हालत स्थिर : एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन के अनुसार फिलहाल बच्चे की स्थिति स्थिर है और उसे निगरानी में रखा गया है। यह पहली बार नहीं है जब एमवाय अस्पताल सुर्खियों में है। इससे पहले नर्सरी वार्ड में नवजात बच्चों को चूहों द्वारा कुतरे जाने की घटना ने देशभर में अस्पताल की थू-थू कराई थी।

दहेज में पांच लाख मांगने पर तोड़ा रिश्ता, तो मंगेतर की कर दी हत्या

आरोपी ने गले और सीने पर चाकू से किये वार, दो गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। दहेज में पांच लाख की मांग पर युवती ने रिश्ता तोड़ दिया। इससे नाराज युवक ने मंगेतर के गले और सीने पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात जबलपुर की है। युवती ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी अनुसार आरोपी और युवती की ढाई माह पहले सगाई हुई थी। अचानक ही युवक ने दहेज में पांच लाख रुपए की मांग कर ली, जिसके बाद युवती ने शादी से मना दिया। आरोपी को शक था कि युवती का किसी से अफेयर चल रहा है। इसके बाद आरोपी साहिल और उसके दोस्त अजय ने युवती पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गए। युवती ने शुक्रवार दोपहर दम तोड़ दिया। दोनों

आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से चाकू और बाइक बरामद की है। घटना आधारताल थाना के रिछाई इंस्ट्रियल एरिया की है। शाम को ऋचा रजक अपने घर जा रही थी, तभी साहिल अपने साथी अजय के साथ बाइक से आया। दोनों ने ऋचा को रास्ते में रोककर चाकू से हमला कर दिया। चाकू ऋचा के गले और सीने पर लगा। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन दोनों बाइक से फरार हो गए।

दो साल पहले हुई थी दोस्ती

ग्राम इमलिया में रहने वाली 19 वर्षीय ऋचा रजक की दो साल पहले एक शादी समारोह में साहिल रजक से दोस्ती हुई थी। एक ही समाज के होने के कारण दोनों के परिवार वालों को भी आपत्ति नहीं थी। लिहाजा दोनों साथ में घूमने लगे। ढाई माह पहले परिवार की रजामंदी से दोनों की सगाई हो गई और फरवरी माह में शादी की तारीख तय हुई। ऋचा के इनकार करने से आरोपी ने उसकी हत्या कर दी।

बड़नगर में किसान से बिल वसूलने पहुंची टीम पर हमला

जागरण, उज्जैन। जिले के बड़नगर में बिजली बिल वसूल करने पहुंची टीम पर हमला हो गया। बताया जा रहा है कि किसान ने लंबे समय से बिल जमा नहीं किया था। जब बिजली कंपनी की टीम ने कनेक्शन काटा तो किसान ने मारपीट शुरू कर दी। वहीं कर्मचारियों ने इसकी शिकायत थाने में की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। दरअसल यह पूरा मामला बड़नगर के ग्राम पिपलु का है। सुपरवाइजर जनार्दन द्विवेदी टीम के साथ बकाया बिल की वसूली के लिए किसान लोकेंद्र के पास पहुंचे थे। लोकेंद्र ने लंबे समय से बिल का भुगतान नहीं किया था। टीम ने जब बिजली के तार काटकर कनेक्शन काट दिए तो किसान ने आक्रोशित होकर जनार्दन द्विवेदी और उनके साथियों से मारपीट की। किसान द्वारा मारपीट की घटना को किसी ने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

दिव्यांग महिला से बदसलूकी मामले में बीजेपी नेत्री का इस्तीफा

जागरण, जबलपुर। शहर में दिव्यांग महिला से बदसलूकी के मामले में बीजेपी नेत्री अंजू भार्गव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अंजू भार्गव ने पार्टी के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर को अपना इस्तीफा सौंपा है। दरअसल चर्च में दिव्यांग महिला से अंजू द्वारा कहे गए अपशब्दों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। अंजू भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष थी। अपने इस्तीफे में अंजू ने खुद लिखा कि पार्टी की छवि धूमिल न हो इसके लिए अपने पद से इस्तीफा दिया है। बता दें कि जबलपुर के थाना गोरखपुर क्षेत्र के एक चर्च में हिंदू संगठनों के हंगामे के बाद अंजू का वीडियो वायरल हुआ था। धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर वहां पर प्रदर्शन किया गया था।

शादी नहीं तोड़ने परे भाइयों ने पिता-पुत्री को पीटा

जागरण, पन्ना। बेटी का रिश्ता न तोड़ने से नाराज भाइयों द्वारा पिता और पुत्री पर जानलेवा हमला कर दिया। लात-घूसों और डंडों से जमकर मारपीट करते हुए दोनों को घायल कर दिया। पीड़िता ने अपने ताऊ और चाचा पर प्रकरण दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक पार्वती कुशवाहा (20) की शादी ग्राम इटोरी के ओमप्रकाश कुशवाहा से तय हुई है। परिवार के ही ताऊ रमेश कुशवाहा और राकेश कुशवाहा इस रिश्ते से नाखुश थे। वे लगातार पार्वती के पिता प्रेमलाल कुशवाहा पर शादी तोड़ने का दबाव बना रहे थे। जब प्रेमलाल कुशवाहा ने अपनी बात पर अटल रहते हुए शादी न तोड़ने का फैसला किया, तो आरोपी गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो गए। पार्वती ने बताया कि जब वह और उसके पिता घर के बाहर खड़े थे, तभी आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने पिता को लात-घूसों से पीटना शुरू कर दिया। जब बेटी पार्वती अपने पिता को बचाने बीच में आई, तो रमेश ने डंडे से उस पर हमला किया। चीख-पुकार सुनकर पार्वती के भाई अशोक और मां लीला बाहर आए, जिसके बाद मामला शांत हुआ। आरोपियों ने परिवार को धमकी दी कि यदि उन्होंने वहीं शादी की तो उन्हें जान से खत्म कर दिया जाएगा। पवई थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

धर्म परिवर्तन का बना रहा था दबाव, युवती ने जूतों से पीटा

जागरण, इंदौर। शहर के एक कॉल सेंटर में काम करने वाली युवती के साथ लगातार धर्म परिवर्तन का दबाव बनाए जाने का मामला सामने आया है। युवती की शिकायत पर लसूड़िया थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपी युवक का नाम अब्दुल कलाम है, जो कॉल सेंटर में एमओ है। मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने कॉल सेंटर से रिजाइन भी दे दिया, लेकिन मामला यहीं नहीं रुका। कंपनी का दो माह का नोटिस पीरियड होने से युवती जब रोजाना काम पर जा रही थी, तब भी आरोपी उसे रास्ते में परेशान करता रहा। लगातार उत्पीड़न से तंग आकर युवती का गुस्सा फूट पड़ा। रास्ते में ही उसने आरोपी की जूतों से पिटाई कर दी। इसके बाद युवती ने पूरे मामले की शिकायत थाने में की।

बिजनेस प्लस

सीएडी गंभीर हृदय रोग, लक्षणों को तुरंत पहचानें

नई दिल्ली। कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ (सीएडी) एक गंभीर हृदय रोग है, जो अक्सर बिना स्पष्ट लक्षणों के वर्षों तक धीरे-धीरे बढ़ता रहता है। शुरुआती संकेत जैसे थकान, सांस फूलना या हल्का सीने का दर्द आमतौर पर उम्र या तनाव समझकर नज़रअंदाज़ कर दिए जाते हैं। इसी कारण नियमित हार्ट चेक-अप बेहद जरूरी है। मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ कार्डियक साइंसेज़ के चेयरमैन डॉ. युगल किशोर मिश्रा के अनुसार, समय रहते पहचान होने पर सीएडी को दवाओं या ज़रूरत पड़ने पर बाईपास सर्जरी से प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर टेस्ट, ईसीजी, स्ट्रेस टेस्ट और कार्डियक सीटी स्कैन जैसी जांचें धमनियों में रुकावट को शुरुआती चरण में पकड़ने में मदद करती हैं। नियमित जांच से दिल पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकता है और जानलेवा स्थिति से बचाव संभव है। डॉ. मिश्रा हर महीने भोपाल में हृदय रोगियों को परामर्श भी देते हैं।

'तस्करी: द स्मग्लर्स वेब' का दमदार ट्रेलर जारी

मुंबई। नेटफ्लिक्स ने अपनी नई क्राइम थ्रिलर सीरीज़ 'तस्करी: द स्मग्लर्स वेब' का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्मग्लिंग और कस्टम अधिकारियों के बीच चलने वाली दिमागी जंग को दर्शाता है। कहानी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैनात एक स्पेशल कस्टम्स टास्क फोर्स के इर्दगिर्द घूमती है, जिसका नेतृत्व अर्जुन मीना (इमरान हाशमी) करते हैं। उनके साथ अमृता खानविलकर, नंदीश सिंह संधू और अनुराग सिन्हा ईमानदार अफसरों की भूमिका में हैं, जबकि शरद केलकर कुख्यात सरगना 'बड़ा चौधरी' बने हैं। सीरीज़ में अल-डेरा, अदीस अबाबा, मिलान और बैंकॉक जैसे वैश्विक स्मग्लिंग रूट्स की पड़ताल की गई है। नीरज पांडे द्वारा क्रिएट की गई यह सीरीज़ शांत साहस, अनुशासन और रणनीति पर आधारित है। 'तस्करी: द स्मग्लर्स वेब' 14 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

एथर ईवी की चार्जिंग और भी आसान हुई

नई दिल्ली। एथर एनर्जी के ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर चार्जिंग अब और भी आसान हो गई है। कंपनी ने घोषणा की है कि उस के ग्राहक अब भारत भर में एल.ई.सी.सी.एस (लाइट इलेक्ट्रिक कंबाइंड चार्जिंग सिस्टम) कनेक्टर वाले 5000 से अधिक पब्लिक फास्ट चार्जर का उपयोग कर सकते हैं। इनमें से 3,675 फास्ट चार्जर एथर एनर्जी स्वयं संचालित करती है, जबकि 1,400 से अधिक चार्जर पार्टनर नेटवर्क द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। यह नेटवर्क 395 से अधिक शहरों में फैला है, जिसमें मेट्रो, टियर-2, टियर-3 शहरों और इंटरसिटी हाईवे शामिल हैं। बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में 100 से अधिक चार्जर उपलब्ध हैं। एथर का चार्जिंग नेटवर्क नेपाल और श्रीलंका तक फैल चुका है। एथर एनर्जी के सीबीओ रवनीत सिंह फोकेला के अनुसार, मजबूत और इंटरऑपरेबल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर ईवी अपनाने की कुंजी है और यह पहल राइडर्स को आत्मविश्वास के साथ लंबी दूरी तय करने में मदद करेगी।

सिंटेक्स ने एमपी में लॉन्च किया विश्व का पहला एंटी-माइक्रोबियल सीपीवीसी पाइप

भोपाल। भारत में जल भंडारण समाधानों के क्षेत्र में विश्वसनीय पहचान रखने वाले वेलस्पन समूह के ब्रांड सिंटेक्स ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में विश्व का पहला एंटी-माइक्रोबियल सीपीवीसी पाइप लॉन्च किया। इस लॉन्च के साथ सिंटेक्स ने जल भंडारण से आगे बढ़ते हुए जल वितरण प्रणाली में भी अपने नवाचार और गुणवत्ता की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। करीब 50 वर्षों की विरासत के साथ सिंटेक्स ने भरोसे, गुणवत्ता और नवाचार की अपनी पहचान को अब पाइपिंग सॉल्यूशंस तक विस्तारित किया है। कंपनी का यह नया सीपीवीसी पाइप स्वच्छ और सुरक्षित जल आपूर्ति के लिए एक टिकाऊ समाधान प्रदान करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यात्रिकी शाखा), भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 98/यां.वि./26 भोपाल दिनांक 07/01/2026

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण Website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू. में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
01	2026_UAD_473721_1	ASPHALTING OF ROAD NEAR ABHIRUCHI NAGAR OLD SUBAHSH NAGAR AREA WARD 44 ZONE 12	4236411.000	05.02.2026	05:30 PM

नोट - संशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

नि. क्र. 2948/025/026

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल
जोन क्र. - 03 (डी आई जी बंगला)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भोपाल जोन क्र. 03 के वार्ड क्र.-13 में स्थित जोन कार्यालय क्र. 3 के नीचे स्थित दुकान क्र. 01 डी आई जी बंगला ग्रीन पार्क कालोनी बैरसिया रोड, भोपाल का नामान्तरण किये जाने हेतु विज्ञप्ति प्रकाशन किया जाना है जिनके नामों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	जोन क्र.	वार्ड क्र.	आवंटी का नाम	स्थान एवं भूखण्ड	आकार	नामांतरण हेतु प्रस्तुत आवेदक का नाम	नामांतरण का आधार
1	3	13	श्री दिनेश मोरे आत्मज श्री सुरेश राव मोरे	दुकान क्र.-01 जोन क्र. 3 के नीचे डीआईजी बंगला ग्रीन पार्क कालोनी बैरसिया रोड, भोपाल	8.60 वर्गमीटर	श्री बंटी पंथी आत्मज श्री प्रेम नारायण पंथी	आवेदन पत्र, शपथ पत्र, बयान पत्र एवं पंजीकृत दस्तावेज

उपरोक्त भूखण्ड के नामांतरण पर किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ती हो तो, सूचना पत्र के 15 दिवस के भीतर जोन कार्यालय क्र. 03 वार्ड क्र.-13 के कार्यालय में शपथ पत्र मय साक्ष्य के प्रस्तुत करें। नियत समयावधि में यदि कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो यह माना जावेगा कि किसी को कोई आपत्ति नही है और प्रकरण में विधिवत नामांतरण हेतु कार्यवाही कर दी जावेगी ।

जोनल अधिकारी
जोन क्र.-03
नगर पालिक निगम, भोपाल

नि. क्र. 2959/025/026

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

-604

83,576

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Asian Paints	2,856.70	1.40%
ONGC	238.25	1.15%
HCL Tech	1,675.00	0.89%
Bharat Elec	424.55	0.72%
Gipla	1,468.30	0.35%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Adani Enterpris	2,216.00	-2.72%
NTPC	344.40	-2.44%
Jio Financial	294.60	-2.15%
ICICI Bank	1,429.50	-2.14%
Bajaj Auto	9,830.00	-2.03%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	90.170
€ यूरो	104.97
¥ येन	0.5719
£ पौंड	120.90

चीन के नए हाईबिड बीज से दोगुनी उपज का दावा

नई दिल्ली, जेएनएन। वैज्ञानिक प्रगति खेती-बाड़ी के क्षेत्र में भी खूब हो रही है। चीन से एक खबर आई है कि वहां के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी हाइब्रिड धान की किस्म विकसित की है जो खुद को बीजों के जरिए दोहरा सकती है। इसका मतलब है कि यह अपना क्लोन खुद बना सकती है। मतलब हर फसल के लिए किसानों को नए हाइब्रिड सीड नहीं खरीदने होंगे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपी एक खबर के मुताबिक वैज्ञानिक इस खोज को क्रांति की संज्ञा दे रहे हैं। क्योंकि इस खोज से बीज की हाई-यील्डिंग वाली विशेषताओं को पीढ़ी दर पीढ़ी बनाए रखने में मदद मिलेगी। हाइब्रिड धान की खेती में इस समय सबसे बड़ी रुकावट यह है कि किसानों को हर मौसम में महंगे नए हाइब्रिड बीज खरीदने पड़ते हैं। इस बीज के आने के बाद किसानों की लागत भी कम हो सकेगी।

अब ग्राहकों को बीमा और बैंक की सेवाएं भी दे सकेंगे ब्रोकर

बड़ा फैसला: सेबी ने दी वित्तीय नियामक सेवाएं देने की अनुमति

मुंबई, जेएनएन। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्टॉक ब्रोकरों को उन गतिविधियों को करने की अनुमति दे दी है जो अन्य वित्तीय क्षेत्र के नियामकों, जैसे भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण या भारतीय रिजर्व बैंक के दायरे में आती हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य बाजार मध्यस्थों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के दायरे को बढ़ाना है। इससे ब्रोकरों को अपने बिजनेस मॉडल का विस्तार करने और एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी, साथ ही यह भी पक्का होगा कि रेगुलेटरी निगरानी बनी रहे।

बदला हुआ फ्रेमवर्क स्टॉक ब्रोकर्स को आईआरडीएआई और इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया जैसे रेगुलेटर्स द्वारा कंट्रोल की जाने वाली एक्टिविटीज में शामिल होने की इजाजत देगा। हालांकि, सेबी ने यह साफ कर दिया है कि ऐसी एक्टिविटीज को अभी भी सेगमेंट्स की देखरेख करने वाली संबंधित अथॉरिटीज ही रेगुलेट करेंगी। जबकि ब्रोकर्स कई फाइनेंशियल सर्विस में डायवर्सिफाई कर सकते हैं, हर सेक्टर के लागू रेगुलेटरी स्टैंडर्ड्स और कम्प्लायंस जरूरतें बनी रहेंगी। मार्केट रेगुलेटर ने नए नियम के लिए फाइनेंशियल सेक्टर रेगुलेटर शब्द के दायरे को और साफ किया। सेबी के अनुसार, यह शब्द किसी भी अथॉरिटी या बॉडी को बताता

है जिसे मौजूदा कानूनों के तहत फाइनेंशियल सेक्टर में सर्विसेज या ट्रांजैक्शन को रेगुलेट करने के लिए बनाया गया है। इसमें आरबीआई, आईआरडीएआई, पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी, मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स, और आईबीबीआई शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

सेबी ने समय-समय पर बताई गई किसी भी दूसरी अथॉरिटी को शामिल करने की फ्लेक्सिबिलिटी भी बनाए रखी है। डायवर्सिफिकेशन की इजाजत देते हुए, सेबी ने साथ ही मजबूत इंटरनल कंट्रोल्स और कम्प्लायंस मैकेनिज्म के महत्व पर भी जोर दिया है। रेगुलेटर ने हर स्टॉक ब्रोकर को एक डेजिग्नेटेड कम्प्लायंस ऑफिसर नियुक्त करने के लिए कहा है। यह व्यक्ति सेबी एक्ट, सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) एक्ट, 1956, और इन कानूनों के तहत बनाए गए सभी नियमों और रेगुलेशन के कम्प्लायंस की मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदार होगा।

गाइडलाइंस पालन की देखरेख करेगा कम्प्लायंस ऑफिसर

कम्प्लायंस ऑफिसर सेबी और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी किए गए बाय-लॉज, नोटिफिकेशन्स, गाइडलाइंस और इंस्ट्रक्शन्स के पालन की भी देखरेख करेगा। कम्प्लायंस ऑफिसर यह भी पक्का करेगा कि इन्वेस्टर की शिकायतों का समय पर और असरदार तरीके से निपटारा हो, यह एक ऐसा काम है जिसे सेबी सिक्योरिटीज मार्केट में भरोसा और ईमानदारी बनाए रखने के लिए ज़रूरी मानता है। कम्प्लायंस फ्रेमवर्क को मज़बूत करके, इसका मकसद यह पक्का करना है कि ब्रोकर्स का बिजनेस बढ़ाना इन्वेस्टर की सुरक्षा या रेगुलेटरी अनुशासन की कीमत पर न हो। इसके अलावा, ब्रोकर्स को बिना इजाजत वाली कलेक्टिव इन्वेस्टमेंट स्कीम्स या पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज चलाने के खिलाफ चेतावनी दी गई है। सेबी ने कहा कि स्टॉक ब्रोकरों को ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल होने से बचना चाहिए जो प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 8(1)(एफ) और नियम 8(3)(एफ) के तहत अनुमति नहीं है। ये प्रावधान बिचौलियों को रोकने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

चुनौतियों और खतरों से भरा है वेनेजुएला से तेल निकालना और इस्तेमाल करना

नई दिल्ली, जेएनएन। वेनेजुएला में मचे भारी राजनीतिक घमासान के बीच अब वहां के तेल भंडार को लेकर दुनिया भर में चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के तेल क्षेत्र को फिर से खड़ा करने के लिए अमेरिकी कंपनियों के साथ बैठकें कर रहा है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह रास्ता चुनौतियों और खतरों से भरा है। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार तो है, लेकिन इसे जमीन से निकालना और इस्तेमाल के लायक बनाना बहुत कठिन है।

183 अरब का निवेश की जरूरत

रिस्टैड एनर्जी के शोध के अनुसार, 2040 तक वेनेजुएला के तेल उत्पादन को पुराने स्तर (30 लाख बैरल प्रतिदिन) पर लाने के लिए 183 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर नहीं रहती, तब तक कंपनियों के लिए यहां निवेश करना घाटे का सौदा हो सकता है। 6 जनवरी 2026 को मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वहां लोग ट्रंप प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक राजनीतिक स्थिरता नहीं आती, कंपनियां वहां बड़ा निवेश करने से डरेंगी।

यह हैं इसकी मुख्य वजहें

बेहद गाढ़ा तेल- यहां का अधिकांश तेल एक्स्ट्रा हैवी है। यह इतना गाढ़ा और चिपचिपा होता है कि एक विशेषज्ञ ने इसकी तुलना रेत मिले हुए गाढ़े पेस्ट से की है। **महंगी तकनीक-** इस गाढ़े तेल को पेट्रोल या डीजल में बदलने के लिए बहुत महंगी मशीनों और बुनियादी ढांचे की जरूरत होती है। **प्रदूषण का खतरा-** यहां तेल उत्पादन से कार्बन उत्सर्जन बहुत ज्यादा होता है, जो पर्यावरण के लिए एक बड़ी चिंता है। **राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियां :** तेल उद्योग को फिर से शुरू करने के लिए केवल पैसा ही काफी नहीं है, बल्कि वहां की शांति भी जरूरी है।

ज्यादातर बड़ी तेल कंपनियां फिलहाल 'रुको और देखो' की नीति अपना रही हैं

1. **शेवरॉन -** वर्तमान में केवल यही एक अमेरिकी कंपनी है जो वहां काम कर रही है। 2. **कोनोकोफिलिप्स-** कंपनी का कहना है कि अभी किसी भी नए निवेश के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। 3. **टोटलएनर्जीज -** फ्रांस की इस कंपनी ने 2022 में ही वेनेजुएला छोड़ दिया था और फिलहाल उसकी वापसी की कोई उम्मीद नहीं है। 4. **रेप्सोल और एनी -** इटली और स्पेन की ये कंपनियां नई स्थिति का फायदा उठाकर अपना पुराना बकाया कर्ज वसूलना चाहती हैं।

ब्राजीली कंपनी एम्ब्रेयर से अडानी की बड़ी डील

नई दिल्ली, जेएनएन। गौतम अडानी समूह ने ब्राजील की प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर के साथ भारत में उसके क्षेत्रीय जेट विमानों के लिए अंतिम असेंबली लाइनस्थापित करने को लेकर एक प्रारंभिक समझौता किया है। इस संबंध में अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस प्रस्तावित परियोजना के विवरण का तत्काल पता नहीं चल सका है। मामले में अडानी समूह और एम्ब्रेयर की तरफ से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बता दें कि एम्ब्रेयर ने भारत में मौजूद बड़े अवसरों को देखते हुए अक्टूबर 2025 में राष्ट्रीय राजधानी में अपना कार्यालय स्थापित किया था। कंपनी के ई-जेट विमानों ने वर्ष 2005 में भारत में परिचालन शुरू किया था। फिलहाल एम्ब्रेयर कंपनी के करीब 50 विमान भारत में भारतीय वायुसेना, सरकारी एजेंसियों, बिजनेस जेट ऑपरेटरों और क्षेत्रीय एयरलाइन स्टार एयर की सेवाओं में शामिल हैं। भारतीय विमानन क्षेत्र में पहले से मजबूत मौजूदगी रखने वाला अडानी समूह, एम्ब्रेयर के साथ साझेदारी के जरिये भारत में विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने जा रहा है।

पांच दिन की गिरावट में 13 लाख करोड़ डूबे

मुंबई, जेएनएन। शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 605 अंक नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 193 अंक की गिरावट आई। पिछले पांच दिनों के दौरान सेंसेक्स में करीब 2200 अंकों की गिरावट आई। अमेरिकी शुल्क बढ़ने की चिंताओं और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। शुरुआती कारोबार में मामूली सुधार के बाद, सेंसेक्स अपनी गति बरकरार रखने में विफल रहा और 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 778.68 अंक गिरकर 83,402.28 तक चला गया था। दूसरी ओर निफ्टी 193.55 अंक टूटकर 25,683.30 पर बंद हुआ। यह दो महीने में सबसे निचला स्तर है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

पूर्व मंत्री बच्चन की बेटी...

पुलिस ने इसे ड्रिंक एंड ड्राइव का मामला बताया है। कार में भी शराब की बोतल रखी मिली हैं। वहीं नशे में होने से प्रखर कार पर कंट्रोल नहीं कर सका। चारों लोग इंदौर में ही रहते थे। पूर्व मंत्री बच्चन की बेटी प्रेरणा ने मुंबई से एमबीए किया है और इंदौर में पीएससी की तैयारी कर रही थी। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता आनंद कासलीवाल के बेटे प्रखर ने भी एमबीए किया है वह मेडिकल स्टोर संभालता है। मानसंधु का परिवार ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़ा है। उसकी मां दर्शन करने अमृतसर गई हैं और भाई कनाडा में रहता है।

गृह ग्राम में प्रेरणा का अंतिम संस्कार: पूर्व मंत्री व विधायक बच्चन बेटी की दुर्घटना की सूचना मिलते ही इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल पहुंचे। कानूनी प्रक्रियाओं के बाद वे बेटी का पार्थिव देह बड़वानी जिले में स्थित गृह गांव कासेल ले गए। दोपहर बाद उसका अंतिम संस्कार वहीं किया गया, जबकि प्रखर का अंतिम संस्कार इंदौर में तिलक नगर मुक्तिधाम में किया गया।

तायल बंधुओं ने लगाया ...

2024 में एनपीए हुआ खाता तो खुली असलियत : इस लोन को चुकाने के बजाय बार-बार संचालक प्रोजेक्ट की टाइम लिमिट बढ़ने की बात कहकर बैंक के अफसरों को गुमराह करते रहे। लगातार समय सीमा बढ़ने के बाद भी प्रोजेक्ट कभी पूरा ही नहीं हुआ। आखिरकार 29 सितंबर 2024 को यह लोन खाता एनपीए में तब्दील हो गया। इसके बाद बैंक ने ऑडिट कराने के बाद सीबीआई को कार्रवाई के लिए खत लिखा। जांच में पाया गया है कि इन चारों ने सरकारी धन का दुरुपयोग कर नाबार्ड को 12.99 करोड़ की मूल राशि और 44 लाख रुपए के ब्याज का नुकसान पहुंचाया। अब सीबीआई ने इन चारों पार्टनर्स समेत अज्ञात सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, दस्तावेजों की जालसाजी के आरोप में आईपीसी की धारा 420, 409, 467 और 468 के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 सी के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। जांच एजेंसी अब इस बात की तहकीकात कर रही हैं कि बैंक के भीतर वे कौन से अज्ञात मददगार थे, जिनकी मिलीभगत से इतने बड़े घोटाले को अंजाम दिया गया।

शराबियों ने घेरकर ..

पुलिस के पहुंचते ही आरोपी युवक भागकर नई बस्ती की ओर चले गए। इनका पीछा करते हुए जब पुलिस कर्मी बस्ती के भीतर पहुंची तो वहां छिपे दर्जन भर नशेड़ियों ने टीम को चारों ओर से घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए इन शराबियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। अचानक हुए इस हमले से अफरातफरी मच गई। पुलिस कर्मी खुद को बचाते हुए जवाब में पथराव करने लगे तो शराबियों ने पत्थरबाजी तेज कर पुलिस को खदेड़ना शुरू कर दिया। मजबूरी में पुलिस टीम को वहां से भागना पड़ा। अच्छी बात यह रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रतलाम (म.प्र.)

क्रमांक/578/कर्मशाला विभाग/2025 — रतलाम, दिनांक 31/12/2025

सार्वजनिक सूचना
(प्रथम ई-निविदा आमंत्रण)

नगर पालिक निगम रतलाम द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की जाती है जिसकी विस्तृत जानकारी ऑनलाईन वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है :-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	अंतिम दिनांक
1	2025 UAD 471984	02 वर्ष की अवधि हेतु पोकलेन मशीन, हाईड्रा मशीन, डम्पर, ट्रक, मिनी लोडिंग मैजिक, पिकअप लोडिंग वाहनों को मय डिजल एवं ड्रायवर के किराये से लिये जाने के संबंध में।	आवश्यकता अनुसार	40,00,000/-	40,000/-	5,000/-	21/01/2026

निविदा से संबंधित जानकारी कार्यालयीन समय में अवकाश दिवस को छोड़कर प्राप्त की जा सकती है या ऑनलाईन वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है:-

प्रभारी अधिकारी
कर्मशाला विभाग
नगर पालिक निगम, रतलाम

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना संख्या : CEN00AGC0126

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) आगरा, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम पर ऑन लाइन (E-Tendering) के माध्यम से खुली निविदा आमन्त्रित करते हैं। निविदायें **दिनॉक 04.02.2026 को 15:00 बजे** तक website http://www.ireps.gov.in पर ऑन लाइन जमा की जा सकती है। निविदा के विवरण निम्नानुसार हैः-

निविदा संख्या : E-Tender Notice No. CEN00AGC0126	
कार्य का नाम : AF-BKI सेक्शन में स्वीकृत IBH के बदले दो क्रॉसिंग स्टेशनों - इकरां (IK) और श्री घासीनगर (SHGN) (04 लाइन्स) को बनाए रखने के संबंध में P.way कार्य।	
अनुमानित लागत : रू. 2.78 करोड़ (लगभग)	धरोहर राशि (रूपये) : 2,89,400/-
कार्य पूर्ण होने की अवधि : 06 माह	निविदा खोलने का दिनॉक : 04.02.2026
वैधता अवधि : 60 दिन	

पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट website http://www.ireps.gov.in को देखें। 57/26 (AS)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: JHS/ELG/W/T-25/2025-26/RT2 — दिनांक : 08.01.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. : झांसी/ई.एल.जी./डब्लू/टी-25/2025-26/आर.टी.2	निविदा मूल्य : रू. 4143160/-
कार्य का विवरण : झांसी मंडल में 10 महीने की अवधि के लिए विभिन्न स्थानों पर स्थापित एस्केलेटर और लिफ्टों की निगरानी, संचालन और सफाई का कार्य।	
बयाना राशि : रू. 82900/-	निविदा प्रपत्र की कीमत : 3150/-
कार्य समापन अवधि : 10 महीने	निविदा बंद होने की तिथि : 02.02.2026 (15:00 बजे तक)
निविदा खोले जाने की तिथि : 02.02.2026 (15:30 बजे तक)	

यदि निविदा खोलने की तिथि में अवकाश या वेबसाइट में तकनीकी समस्या है तो निविदाएं अगले कार्य दिवस पर उसी तरीके से खोली जाएंगी। निविदाकार निविदा **दिनांक 02.02.2026 को 15:00 बजे** तक आनलाईन जमा कर सकेंगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 53/26 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पश्चिम मध्य रेल

पत्र सं. बिकी/1402/मु-मं/डब्ल्यू सी आर ई-नीलामी/प्रोग्राम/2025-26 दिनांक 07.01.2026

विषय- फरवरी 2026 का ई- नीलामी कार्यक्रम। फरवरी 2026 के दौरान विभिन्न लोकेशन में मौजूद रद्दी माल की ई- निलामी कार्यक्रम निम्न प्रकार है

सडिपुका भोपाल/ उप मुख्य साप्र/ भोपाल (0755-2747414)	वैगन मरम्मत शॉपकोटा/ उप मुख्य साप्र/ कोटा (0744-2467082)	जबलपुर मंडल व/में सा प्र/ जबलपुर (0761-2623491)	भोपाल मंडल व/में सा प्र भोपाल (0755-4001594)	कोटा मंडन व/म साप्र कोटा (0744-2467006)
02.02.2026	02.02.2026	02.02.2026	02.02.2026	02.02.2026
04.02.2026	04.02.2026	04.02.2026	04.02.2026	04.02.2026
06.02.2026	06.02.2026	06.02.2026	06.02.2026	06.02.2026
09.02.2026	09.02.2026	09.02.2026	09.02.2026	09.02.2026
11.02.2026	11.02.2026	11.02.2026	11.02.2026	11.02.2026
13.02.2026	13.02.2026	13.02.2026	13.02.2026	13.02.2026
16.02.2026	16.02.2026	16.02.2026	16.02.2026	16.02.2026
18.02.2026	18.02.2026	18.02.2026	18.02.2026	18.02.2026
20.02.2026	20.02.2026	20.02.2026	20.02.2026	20.02.2026
23.02.2026	23.02.2026	23.02.2026	23.02.2026	23.02.2026
25.02.2026	25.02.2026	25.02.2026	25.02.2026	25.02.2026

उपरोक्त सभी नीलामी का स्थान, **सम्बंधित व्यक्ति –नीलामी की तिथि फरवरी 2026** नीलामी आइटम :– अनुपयोगी रेल और अन्य पी–वे सामग्री कार्यालय से जारी सभी अनुपयोगी कास्ट आयरन अनुपयोगी रोलिंग स्टॉक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटॉलिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग,, प्रयुक्त तेल, पेंट ड्रम, अनुपयोगी मशीनरी प्लांट अनुपयोगी वाहन, अनुपयोगी कार्यालय उपकरण, एमएस/जी आई पाइप, फाउंड्री स्लैग और अन्य विविध स्क्रैप आदि। नोट– (1) ई–नीलामी की बिक्री की शर्तों, नीलामी सूची आदि के लिए और ई–नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया www.lreps.gov.in पर जाएं। (2) बिक्री सामान्य और विशेष शर्ट वेबसाइट www.lreps.gov.in पर उपलब्ध हैं। (3) नीलामी सूची नीलामी से कम से कम सात दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। (4) नीलामी के दिन अवकाश होने की स्थिति में इसे अगले दिवस पर आयोजित किया जा सकता है। (5) नीलामी बंद होने से पहले घोषणा करके नीलामी जारी रखी जा सकती है या अगले दिन आयोजित की जा सकती है।

(हस्ता.)
उपमुख्य सामग्री प्रबंधक/बिक्री, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

SBI भारतीय स्टेट बैंक

विवादित संपत्ति प्रबंधन शाखा -II, रहेजा चैम्बर्स, ग्राउंड फ्लोर, विंग-बी, फ्री प्रेस जर्नल मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई 400021, टेलीफोन नं. : 022-41611429, ई-मेल आईडी : Team7.15859@sbi.co.in

अधिकृत अधिकारी का विवरण:-
मोबाइल नं. 9987173021, लैंडलाइन नंबर (ऑफिस) : 022-41611429
अन्य मोबाइल नं. 9985592115।

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना परिशिष्ट - IV-A [नियम 8(6) के परंतुक देखें]

सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस, जिसे सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पढ़ा जाए।

इसके द्वारा आम जनता और विशेष रूप से कर्जदार (कर्जदारों) और गारंटर (गारंटरों) को सूचित किया जाता है कि नीचे बताई गई अचल संपत्ति जो (स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) के पास सुरक्षित लेनदार के रूप में गिरवी/चार्ज है, जिसका फिजिकल कब्ज़ा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, **सुरक्षित लेनदार द्वारा 28.01.2026 को "जैसा है जहाँ है आधार पर, जैसा है वैसा है आधार पर और "जो कुछ भी है" आधार पर बेची जाएगी।** बैंक के बकाए की वसूली के लिए चार्ज की गई संपत्ति/संपत्तियों (सरफेसी एक्ट, 2002 के तहत) की ई-नीलामी नीचे बताई गई शर्तों और नियमों पर आयोजित की जाएगी।

उधार लेने वालों का नाम	गारंटरों का नाम	बकाया राशि जिसकी वसूली के लिए संपत्ति बेची जा रही है
मेसर्स श्री साईदर्शन शॉपिंग मॉल वार्ड नंबर 17 मीनाक्षी चौक होशंगाबाद मध्य प्रदेश भारत 461001	i) श्री संजय जायसवाल ii) श्रीमती संध्या जायसवाल	27.11.2023 तक रु. 21,73,06,950.00 + उस तारीख तक कॉन्ट्रैक्टेड रेट पर ब्याज + खर्च और लागत (अगर कोई कैश रिकवरी हुई है तो उसे घटाकर) डिमांड नोटिस की तारीख :- 28.11.2023

स. क्र.	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य (रु.)	ईएमडी (रु.)	बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की तारीख और समय	निरीक्षण का समय तारीख और संपत्ति
1	व्यवसायिक भवन जिसका सर्वे नंबर : 8/18/2 और 8/21/2 है, प्लॉट नंबर 8/18/2 और 8/21/2, म्युनिसिपल वार्ड नंबर 17, नया नंबर 09, होशंगाबाद, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश, 461001, (शहरी) में स्थित है, कुल क्षेत्रफल: 8170 वर्गफुट, जिसके मालिक श्री संजय जायसवाल और श्रीमती संध्या जायसवाल हैं। **प्रॉपर्टी आईडी नंबर SBIN78309473140**	10,70,00,000.00	1,07,00,000.00	रु. 1,00,000/-	28.01.2026 समय: सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक, हर बार 10 मिनट के अनलिमिटेड एक्सटेंशन के साथ।	19.01.2026 सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक।
2	व्यवसायिक भवन जिसका सर्वे नंबर: 8/13/11 है, जो प्लॉट नंबर 8/13/11, वार्ड नंबर 17, नया नंबर 09, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश, 461001, (शहरी) में स्थित है, कुल क्षेत्रफल : 960 वर्गफुट श्री संजय जायसवाल और श्रीमती संध्या जायसवाल					
3	सर्वेक्षण संख्या : 8/50 वाली व्यावसायिक भवन, प्लॉट नं. पर स्थित है। 8/50, मौजा सदर बाजार, वार्ड क्रमांक 17, होशंगाबाद, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश, 461001, (शहरी), कुल क्षेत्रफल: 855 वर्ग फुट श्री. संजय जायसवाल एवं श्रीमती. संध्या जायसवाल **प्रॉपर्टी आईडी नंबर SBIN78309477474**	74,00,000.00	7,40,000.00			
4	व्यावसायिक भवन जिसका सर्वे नंबर : 447/1, /39 और 450/1 है, जो प्लॉट नंबर C-01, म्युनिसिपल वार्ड नंबर 16 (नया वार्ड नंबर 11) मालाखेड़ी (साईं छत्र परिसर), होशंगाबाद, मध्य प्रदेश, 461001, (शहरी) में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल : 314.02 वर्ग मीटर या 3378.85 वर्ग फीट है, जिसका मालिकाना हक श्री साईं दर्शन शॉपिंग मॉल के पास है। **प्रॉपर्टी आईडी नंबर SBIN78309528975**	1,36,00,000.00	13,60,000.00			
5	खसरा नंबर पर स्थित व्यावसायिक भूखंड 33/1, पवारखेड़ा, होशंगाबाद, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश, 461001, (अर्द्ध शहरी), कुल क्षेत्रफल : 20270 वर्ग मीटर, श्री साईं दर्शन शॉपिंग मॉल के स्वामित्व वाली **प्रॉपर्टी आईडी नंबर SBIN78309462774**	7, 44,00,000.00	74,40,000.00			
6	व्यावसायिक भवन डायवर्टेड खसरा नंबर 607, प्लॉट नंबर 15/10, गांव-फेफरताल, जिला- होशंगाबाद, मध्य प्रदेश, 461001, (सेमी अर्बन) में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 50530 वर्गफुट है और यह श्री साई दर्शन शॉपिंग मॉल के स्वामित्व में है। **प्रॉपर्टी आईडी नंबर SBIN78309524437**	11,80, 00,000.00	1,18,00,000.00			

***ध्यान दें : कृपया ध्यान दें कि यह ई-ऑक्शन "जैसा है जहाँ है आधार पर, जैसा है वैसा है आधार पर और "जो कुछ भी है" आधार पर आयोजित किया जा रहा है।**
इच्छुक बोली लगाने वालों/खरीदारों को नीलामी के समय से काफी पहले हमारे सर्विस प्रोवाइडर \बैंकनेट ई-ऑक्शन वेब पोर्टल https://baanknet.com/eauction-psb/eauction/ पर रजिस्ट्रेशन करके ऑनलाइन मोड से अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी राशि ट्रांसफर करनी होगी। अगर ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी राशि उपलब्ध नहीं है, तो सिस्टम बोली लगाने की अनुमति नहीं देगा। रजिस्ट्रेशन,केवाईसी डॉक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन और वॉलेट में ईएमडी ट्रांसफर नीलामी से काफी पहले पूरा हो जाना चाहिए। इच्छुक बोली लगाने वाला ई-नीलामी बंद होने से पहले बैंकनेट के पास प्री-बिड ईएमडी जमा कर सकता है। प्री-बिड ईएमडी का क्रेडिट बोली लगाने वाले को बैंकनेट बैंक अकाउंट में पेमेंट मिलने और ई-ऑक्शन वेबसाइट पर उस जानकारी के अपडेट होने के बाद ही दिया जाएगा। बैंकिंग प्रक्रिया के अनुसार इसमें कुछ समय लग सकता है, इसलिए बोली लगाने वालों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी आखिरी मिनट की समस्या से बचने के लिए प्री-बिड ईएमडी राशि काफी पहले जमा कर दें।
प्रॉपर्टी पर कोई ज्ञात अधिभार नहीं है। हालाँकि, बोली लगाने वाले को संबंधित ऑफिस/डिपार्टमेंट से प्रॉपर्टी पर अधिभार के बारे में खुद पूछताछ और जांच पड़ताल करनी चाहिए। किसी भी अथॉरिटी या किसी और को देय सभी कानूनी/गैर-कानूनी बकाया, टैक्स, रेट, असेसमेंट, चार्ज, फीस वगैरह का पेमेंट सिर्फ़ सफल बोली लगाने वाले की जिम्मेदारी होगी।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जो कि सिक्योर्ड क्रेडिटर है, की वेबसाइट्स पर दिए गए लिंक देखें : www.sbi.co.in और https://baanknet.com/eauction-psb/eauction/

Property ID No:- SBIN78309524437 — Property / Location | Video / Photos of Property | USP of Property
Property ID No:- SBIN78309477474 — Property / Location | Video / Photos of Property | USP of Property
Property ID No:- SBIN78309462774 — Property / Location | Video / Photos of Property | USP of Property
Property ID No:- SBIN78309473140 — Property / Location | Video / Photos of Property | USP of Property
Property ID No:-SBIN78309528975 — Property / Location | Video / Photos of Property | USP of Property
Bank website https://bank.sbi | E-auction website https://baanknet.com/

तारीख :07.01.2026
स्थान : मुंबई

हस्ताक्षर/-
अधिकृत अधिकारी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

डी क्लर्क ने अकेले दम पर दिलाई आरसीबी को जीत

डब्ल्यूपीएल: पहले मैच में आरसीबी ने गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराया

जेएनएन, नवी मुंबई

नडिन डि क्लर्क के हरफनमौला खेल से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मौजूदा सत्र के बेहद रोमांचक शुरुआती मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। प्लेयर ऑफ द मैच डि क्लर्क ने चार विकेट झटकने के बाद दबाव के क्षणों में 44 गेंद में नाबाद 63 रन की पारी से टीम को जीत दिलाई। आरसीबी को आखिरी ओवर में जीत के लिए 18 रन की जरूरत थी और नैट सिवर-ब्रंट की शुरुआती दो गेंद पर चुकने के बाद उन्होंने दो छक्के और दो चौके लगाकर टीम को यादगार जीत दिला दी। प्रेमा रावत चार गेंद पर आठ रन के साथ नाबाद रही। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सजीवन सजना की 25 गेंद में 45 रन की पारी के दम पर छह विकेट पर 154 रन बनाए।

आरसीबी ने 25 साल की डि क्लर्क की सात चौके और दो छक्के जड़ित पारी से आखिरी ओवर में जीत दर्ज कर सत्र का शानदार आगाज किया। मुंबई की तरफ से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि स्किवर-ब्रंट, शबनिम इस्माइल और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले सजना ने पांचवें विकेट के लिए निकोला कैरी (40 रन) के साथ 49 गेंद में 82 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। यह साझेदारी ऐसे समय आई जब पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मुंबई की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवा रही थी और 11वें ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर महज 67 रन था। शीर्ष क्रम में गुनालन कमलिनी ने 28 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि मुंबई और भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 20 रनों का योगदान दिया।

65 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी मंधाना की टीम

आरसीबी को कप्तान स्मृति मंधाना और ग्रेस हैरिस ने अच्छी शुरुआत दी, लेकिन टीम इसका ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवाकर अपनी मुश्किलें बढ़ा ली। हैरिस (25 रन) ओर मंधाना (18 रन) ने पहले ओवर में सिवर-ब्रंट की गेंद पर चौके लगाए और फिर दूसरे ओवर में इस्माइल के खिलाफ भी वही किया। तीसरे ओवर में दोनों ने निकोला कैरी से 20 रन जोड़े। हैरिस ने एक छक्का और चौका लगाया, जबकि मंधाना ने दो चौके मारे। मंधाना चौथे ओवर में आउट हो गईं, उसके बाद हैरिस भी सिवर-ब्रंट की गेंदबाजी पर आउट हुईं। टीम का स्कोर पांचवें ओवर में दो विकेट पर 47 रन से आठवें ओवर में पांच विकेट पर 65 रन हो गया। दयालन हेमलथा (सात), रिचा घोष (छह) और राधा यादव (एक) के सस्ते में पवेलियन लौटने से टीम की मुश्किलें बढ़ गई। दक्षिण अफ्रीका की क्लर्क ने अपनी पारी से आरसीबी की उम्मीदें जिंदा रखीं। अरुंधती रेड्डी (20) उनके साथ अच्छी साझेदारी की जिससे वह टीम को लक्ष्य के करीब ले जाने में सफल रही।

■ लॉरेन बेल ने मेडन ओवर के साथ मैच की शुरुआत की और 1.4 ओवर गेंदबाजी करने के बाद पहला रन दिया, जो डब्ल्यूपीएल की किसी भी पारी में रन देने से पहले किसी भी गेंदबाज द्वारा डाले गए सबसे ज्यादा गेंद हैं। इससे पहले, तनुजा कंवर ने 2024 में दिल्ली के खिलाफ 1.2 ओवर गेंदबाजी करने के बाद रन दिया था।

■ लगातार कसी गेंदबाजी ने खास तौर से एमेलिया कर को काफी परेशान किया, जिन्होंने खाता खोलने के लिए 11 गेंदें लीं, जो डब्ल्यूपीएल में दूसरा सबसे अधिक है। उनसे आगे ग्रेस हैरिस हैं, जिन्होंने 2024 में मुंबई के खिलाफ 15 गेंदों में खाता खोला था।

42 विकेट एमेलिया केर के डब्ल्यूपीएल में हो गए हैं। वे डब्ल्यूपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। उनके बाद हेली मैथ्यूज है, जिनके नाम 41 विकेट हैं।

डब्ल्यूपीएल का पहला डबल हेडर आज

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का पहला डबल हेडर शनिवार को खेला जाएगा। दिन के मुकाबले में यूपी वॉरियर्स और गुजरात जाएंट्स की टीम भिड़ेंगी, जबकि शाम के मैच में दिल्ली कैपिटल्स और तीन बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा।

रंगारंग आगाज: हनी सिंह के गाने और जैकलीन की परफॉर्मेंस पर थिरके दर्शक

डब्ल्यूपीएल की ओपनिंग सेरेमनी में दर्शकों को तीन सेलिब्रेटी का परफॉर्मेंस देखने को मिला। मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज संधू ने समारोह की शुरुआत की। इसके बाद जैकलीन फर्नांडिस ने अपने डांस परफॉर्मेंस से स्टेडियम में दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अपने लोकप्रिय गानों पर शानदार मूव्स दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फैंस के चहेते हनी सिंह ने समारोह का मुख्य आकर्षण बनकर महफिल लूट ली।

आखिरी ओवर में 18 रनों की जरूरत होने पर डी क्लर्क ने जड़े दो छक्के और दो चौके

सिटी स्पोर्ट्स

मध्यप्रदेश की तृप्ति ने जीता स्वर्ण

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश की तृप्ति पांडे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में पेनकैक सिलाट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता दमन और दीव में 10 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। उन्होंने यह पदक महिला टांडिंग 55-60 किलोग्राम वर्ग में जीता।

मुक्केबाज मलिका, अंजलि और माही लामा सेमीफाइनल में पहुंची

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश अकादमी की खिलाड़ी मलिका मोर, अंजलि सिंह और माही लामा ने 9वीं एलीट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके साथ एक-एक पदक पक्के हो गए। ग्रेटर नोएडा में आयोजित इस चैंपियनशिप में मलिका ने 45-48 किग्रा भारवर्ग में मिजोरम, असम और अखिल भारतीय पुलिस की खिलाड़ी को हराकर अंतिम चार में जगह प्रवेश किया। वहीं अंजलि सिंह ने 54-57 किग्रा भारवर्ग में दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल की खिलाड़ी को हराया। माही ने 57-60 किग्रा वर्ग में झारखंड, चंडीगढ़ और तमिलनाडु की खिलाड़ी को हराया। यह सभी खिलाड़ी अकादमी में मुख्य कोच रोशनलाल से प्रशिक्षण हासिल करते हैं।

मनोज और लोकेश को रजत

भोपाल, खेप्र। शहर के लोकेश कुमार और मनोज शर्मा ने 46वीं थ्रोबाल सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीते। मध्य प्रदेश थ्रोबाल फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में लक्ष्मीपति महाविद्यालय के छात्र लोकेश एवं मनोज ने मप्र का प्रतिनिधित्व करते हुए यह पदक जीते। महाविद्यालय के चेयरमैन ओपी बंसल पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

11 को फिट इंडिया, संडे ऑन साइकिल का 56वां एडिशन

भोपाल, खेप्र। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 56वां एडिशन 11 जनवरी को मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) में आयोजित किया जाएगा। इसमें 1200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, बॉलीबुड अभिनेत्री पायल रोहतगी, जूडो खिलाड़ी और ओलंपियन गरिमा चौधरी, क्रिकेटर अनिकेत उमाशंकर वर्मा, हॉकी खिलाड़ी अब्दुल अहद, कैनो स्प्रिंट एथलीट हर्षवर्धन सिंह, जूडो खिलाड़ी श्रद्धा कडुबल चोपड़े, यश गंगहास और योगिता मांडवी और कयाकिंग एथलीट जसप्रीत सिंह शामिल होंगे। यह जानकारी साई भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान एवं सहायक निदेशक अंशिका जैन ने पत्रकार वार्ता तें दी। इस अवसर पर पीआईबी भोपाल के निदेशक मनीष गौतम उपस्थित रहे। भोपाल के कॉलेजों, स्कूलों, युवा संगठनों और सामुदायिक संगठनों के युवा इस सामूहिक साइकिल रैली में इन खास मेहमानों के साथ साइकिल चलाएंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले विराट रोहित ने डेढ़ घंटे की बल्लेबाजी, लय में दिखे

तीन मैचों की वनडे सीरीज कल से, पहला मुकाबला वडोदरा में

जेएनएन, वडोदरा

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले शुक्रवार को हुए अभ्यास सत्र में शानदार लय में नजर आए। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से तीन मैचों की वनडे और फिर पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। विजय हजारे ट्रॉफी में दो-दो मैच खेलने के बाद कोहली और रोहित ने भारतीय तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ लगभग डेढ़ घंटे तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। घरेलू क्रिकेट की इस प्रमुख प्रतियोगिता में 77 और 131 रन की पारियां खेलने वाले कोहली ने स्पिन और तेज दोनों तरह के गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। नेट में एक पिच पर थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ गेंद के असमान उछाल ने भी इस स्टार बल्लेबाज को अतिरिक्त चुनौती दी। भारत के मध्यक्रम के अहम बल्लेबाज श्रेयस अय्यर, विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस तीन घंटे लंबे अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं थे, क्योंकि वे गुरुवार को विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी-अपनी राज्य टीमों के लिए खेल रहे थे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और नेट सत्र में सहजता से बल्लेबाजी की। गिल दिसंबर के अंत में पैर की उंगली में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाए थे। टीम ने गुरुवार को भी यहां कोटाम्बी स्थित बीसीए स्टेडियम में अभ्यास किया था। यह मैदान रविवार को पहली बार पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी करेगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी सबालेंका ने कीज को हराया

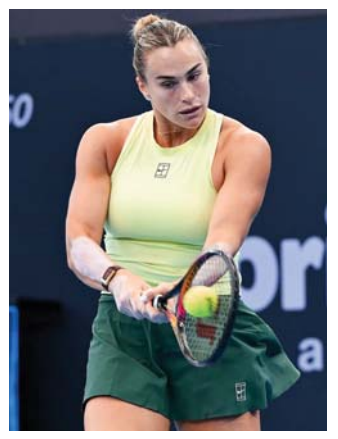

ब्रिसबेन, जेएनएन। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों के लिए आयोजित ब्रिसबेन इंटरनेशनल में शुक्रवार को मैडिसन कीज को एकतरफा मुकाबले में सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन की फाइनलिस्ट रह चुकी हैं। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज सबालेंका ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में कीज पर 6-3, 6-3 से जीत हासिल की। इस दौरान सबालेंका ने लगातार पांच गेम में सर्विस तोड़ी। ब्रिसबेन इंटरनेशनल 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट है। अब ब्रिसबेन इंटरनेशनल की गत चैंपियन सबालेंका का सामना 11वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिन्होंने एलीना रायबाकिना को 6-2, 2-6, 6-4 से हराया।

एलिना स्वितोलिना सेमीफाइनल में पहुंची

ऑकलैंड, जेएनएन। शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने शुक्रवार को सोने कार्टल को तीन सेट में हराकर ऑकलैंड में चल रहे डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मेलबर्न में 18 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों के लिए आयोजित इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में अब स्वितोलिना की भिड़ंत शनिवार को अमेरिका की इवा जोविच से होगी। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना तीसरे सेट में 5-3 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 6-4, 6-7 (2), 7-6 (5) से जीत दर्ज की।

बैडमिंटन: पार्थ, देवेंद्र, अमिताव ओम सोनी अगले दौर में पहुंचे

भोपाल, खेप्र। पार्थ तिवारी, देवेंद्र गोलिया, अमिताव मिश्रा, ओम सोनी ने 11वीं भोपाल लाल परेड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बनाई। लाल परेड ग्राउंड स्पोरता क्लब द्वारा पुलिस जिम्नेशियम हॉल में आयोजित प्रतियोगिता में बालक अंडर-17 एकल में पार्थ ने सार्थक खरे को 15-6, 15-5 से, देवेंद्र ने रेयांश बगजाई को 12-15, 15-9, 15-10 से, अमिताव ने आयुष्मान शर्मा को 15-14, 15-6 से, ओम ने शिरोमणि को 15-5, 15-10 से, दैविक बत्रा ने यश चंदेल को 15-6, 15-10 से, अर्धन्दु उपाध्याय ने सार्थक पारे को 15-8, 15-4 से और अथर्व मालवीया ने अलेक्स खालको 15-9, 15-5 से हराया। वहीं अंडर-15 में शिव लिटोरिया ने सात्विक मिश्रा को और अंडर-19 में शौर्य सूद ने निसग्र दुबे को हराया। इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारंभ रिटायर्ड डीजी डॉ. शैलेंद्र श्रीवास्तव, रिटायर्ड डीजी पवन जैन, स्पेशल डीजी एमके झा, डीआईजी पंकज श्रीवास्तव, एसपी क्राइम शैलेन्द्र चौहान और मदन ने किया।

विश्व कप: फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

जिनेवा, जेएनएन। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए टिकटॉक को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत कंटेंट क्रिएटर्स को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष हब के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं। फीफा ने कहा कि इसके अलावा बड़ी संख्या में क्रिएटर्स को फीफा के आर्काइव फुटेज का इस्तेमाल और इन्हें साथ में बनाने का मौका भी मिलेगा। फीफा ने इस करार की कीमत, निविदा प्रक्रिया या अन्य प्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं का विवरण साझा नहीं किया।

मलेशिया ओपन: सिंधू सेमीफाइनल में, सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

कुआलालंपुर, जेएनएन। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से रिटायर होने के बाद मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली, जबकि पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी क्वार्टर फाइनल हार गए। सिंधू ने पहला गेम 21-11 से जीत लिया था, लेकिन इसके बाद तीन बार की विश्व चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त यामागुची ने मैच से हटने का फैसला किया। वह घुटने में ब्रेस पहने हुए थीं। इससे विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू का यामागुची के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-12 हो गया। चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झीयी से होगा। वहीं दो बार विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता भारत के सात्विक और चिराग पुरुष युगल में इंडोनेशिया के फजर अल्फेन और मुहम्मद फिकरी की निचली रैंकिंग वाली जोड़ी से 10-21, 21-23 से हार गए।

नेशनल ड्रैगन वोट में मप्र ओवरऑल चैंपियन

14वीं सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला चैंपियनशिप में जीते 11 स्वर्ण पदक

भोपाल, खेप्र। मेजबान मध्यप्रदेश (140 अंक) ने 14वीं राष्ट्रीय सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में 11 स्वर्ण, चार रजत व एक कांस्य सहित कुल 16 पदक जीतकर ओवरआल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। हरियाणा (52 अंक) सीनियर पुरुष में तीन स्वर्ण व दो रजत जीतकर रनरअप रहा, जबकि सीनियर मिक्स में मप्र (चार स्वर्ण व एक रजत, कुल 48 अंक) तथा महिला वर्ग में हरियाणा विजेता रहा। जूनियर पुरुष वर्ग में मप्र तीन स्वर्ण के साथ 30 अंक प्राप्त किए।

जूनियर महिला वर्ग में महाराष्ट्र तथा जूनियर मिक्स में मप्र व राजस्थान ने 18-18 अंक के साथ संयुक्त विजेता बने। मप्र कयाकिंग एंव कैनोइंग संघ के सचिव मयंक ठाकुर ने बताया कि शुक्रवार को अंतिम दिन 200 मी. रेस में कुल नौ मुकाबलों के फाइनल हुए। मप्र ने पांच स्वर्ण व एक रजत पदक सहित कुल छह पदक जीते। विजेता खिलाड़ियों को विधायक रामेश्वर शर्मा ने पुरस्कार प्रदान किए।

नवदुनिया, एलीट व महाबलि वारियर्स की विजयी शुरुआत

भोपाल, खेप्र। नवदुनिया ने 31वें आईईएस-डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में दैनिक जागरण को 47 रनों से हराया। दिन के अन्य मैचों में एलीट वारियर्स ने ब्लेजिंग यार्कर को दो विकेट से तथा महाबलि वारियर्स ने सुपर हीटर्स को 5 विकेट से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर नवदुनिया ने निर्धारित 18 ओवर में प्रदीप भट्ट (57) और सुरेश (45) की पारियों की बदौलत छह विकेट पर 171 रन बनाए। जागरण की ओर से अंशुमान गुप्ता ने दो विकेट लिए। जवाब में जागरण 9 विकेट पर 124 रन बना सकी। कप्तान अजीत सिंह ने 22 और अजय बरार ने 21 रन बनाए। नवदुनिया के मुकेश विश्वकर्मा और कमलेश ने 3-3 विकेट लिए। दूसरे मैच में ब्लेजिंग यार्कर ने चार विकेट पर 126 रन बनाए। पुरु प्रधान ने 42 रन की पारी खेली। जवाब में एलीट वारियर्स ने आठ विकेट पर जरूरी रन बना लिए। बाबेअली मैदान पर सुपर हीटर्स ने 19.1 ओवर में 140 रन बनाए। जवाब में महाबलि वारियर्स ने 15.5 ओवर में 5 विकेट पर जरूरी रन बना लिए।

संक्षिप्त समाचार

लैंड फॉर जॉब: लालू और परिवार पर आरोप होंगे तय

नई दिल्ली, जेएनएन। बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव व उनके परिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने शुक्रवार को 'जमीन के बदले नौकरी घोटाला' मामले में लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, तेजस्वी, तेज प्रताप, हेमा यादव, मीसा भारती व अन्य आरोपियों पर आरोप तय करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा, प्रथम दृष्टया घोटाले की साजिश साबित हुई है। विशेष जज (सीबीआई) विशाल गोगने की अदालत ने आरोपियों पर आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) व 13(1)(डी) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में मुख्य पुजारी हिरासत में

नई दिल्ली, जेएनएन। सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोने के चोरी मामले की जांच कर रही एसआइटी ने भगवान अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी कंदरारु राजीवरु को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उन्हें दोपहर में एसआइटी कार्यालय लाया गया, जहां औपचारिक रूप से गिरफ्तारी की गई। मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पद्मकुमार के बयानों के आधार पर की गई है। जांच में सामने आया है कि राजीवरु के पोट्टी से करीबी संबंध थे और उन्होंने मंदिर में द्वारपालक देवताओं की स्वर्ण प्लेटों और श्रीकोविल के द्वार की प्लेटों को दोबारा मढ़ने (री-प्लेटिंग) की सिफारिश की थी।

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में 12 आरोपी हिरासत में

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के तुर्कमान गेट हिंसा मामले में पुलिस का एक्शन जारी है। पुलिस ने हिंसा फैलाने के आरोप में 6 और लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्हें कोर्ट में पेशी के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब तक इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वसाथ ही सीसीटीवी, ड्रोन और बॉडीकैम के वीडियो से आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस तुर्कमान हिंसा के मामले में अब उन लोगों की भी पहचान करने में जुट गई है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों को भड़काने का काम किया था। तुर्कमान गेट के पास दरगाह फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई हिंसा को देखते हुए पूरी दिल्ली के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

नेहरू को अकेले दोषी ठहराना गलत : थरूर

तिरुवनंतपुरम/कोच्चि, जेएनएन। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि नेहरू की गलतियों को स्वीकार करना जरूरी है, लेकिन देश की हर समस्या के लिए उन्हें अकेले दोषी ठहराना पूरी तरह गलत और अनुचित है। थरूर ने कहा- मैं यह नहीं कहूंगा कि मोदी सरकार लोकतंत्र-विरोधी है, लेकिन वे निश्चित रूप से नेहरू-विरोधी हैं। नेहरू को एक सुविधाजनक बलि का बकरा बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विचारों और दृष्टिकोण की गहरी प्रशंसा करता हूं, लेकिन नेहरू की हर मान्यता और नीति का बिना आलोचना समर्थन नहीं कर सकता।

ईरान के कई प्रांतों में प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। तस्वीर करमानशाह शहर की जहां भीड़ ने जमकर तोड़फोड़ की।

वेनेजुएला के बाद अब मेक्सिको पर लैंड स्ट्राइक करेगा अमेरिका : ट्रंप

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका ने मेक्सिको में जमीनी कार्रवाई शुरू करने की बात कही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार रात दिए इंटरव्यू में कहा, हम अब ड्रग तस्करों के खिलाफ जमीनी कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं। मेक्सिको पर ड्रग तस्करों का राज है। उस देश की हालत देखकर बहुत दुख होता है, और वे हर साल हमारे देश में 300,000 लोगों की जान ले रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ड्रग तस्करी के समुद्री रास्तों पर अमेरिका ने बड़ी सफलता हासिल कर ली है और अब उसका फोकस जमीनी मार्गों पर होगा। उन्होंने कहा, हमने समुद्र के रास्ते आने वाली 97 प्रतिशत ड्रग्स को रोक दिया है और अब हम कार्टेल्स के खिलाफ जमीन पर कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं। मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल्स का नियंत्रण है। कार्टेल्स मेक्सिको को चला रहे हैं। यह बहुत दुखद है। उस देश के साथ क्या हो रहा है?

हमें विदेशी सैन्य दखल स्वीकार नहीं: शीनबॉम

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने अमेरिका की किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई को सख्ती से खारिज किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में मेक्सिको सिटी में अपनी डेली प्रेस ब्रीफिंग के दौरान शीनबॉम ने स्पष्ट कहा था कि मेक्सिको सुरक्षा मामलों में अमेरिका के साथ सहयोग करेगा, लेकिन केवल उन्हीं शर्तों पर जो देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करती हों।

मेरे पास गृह मंत्री शाह के खिलाफ पेन ड्राइव: ममता

ईडी की रेड के बाद रैली, बोलीं मुझे छेड़ोगे तो छोड़ूंगी नहीं | ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराईं दो एफआईआर

कोलकाता/नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के आईटी सेल के चीफ के ठिकानों पर गुरुवार को हुई ईडी रेड के विरोध में टीएमसी ने दिल्ली से कोलकाता तक विरोध प्रदर्शन किया। सीएम ममता बनर्जी ने ईडी पर दो एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने कोलकाता में मार्च भी निकाला। ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनके पास गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ पेन ड्राइव हैं। उन्होंने कहा-दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं तक कोयला घोटाले की रकम पहुंचती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। जरूरत पड़ी तो मैं इन्हें जनता के सामने पेश कर सकती हूं। ममता ने कहा, कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी ने इस्तेमाल किया और अमित शाह को भेजा। मैं आमतौर पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं, लेकिन अगर कोई मुझे छेड़ता है, तो मैं छोड़ती नहीं हूं।

हाईकोर्ट में हंगामा, सुनवाई 14 तक टाली

इधर, कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट परिसर में भारी भीड़ और हंगामे की वजह से ईडी की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। याचिका में ममता बनर्जी के खिलाफ छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

भाजपा ने हरियाणा, बिहार में जबरन हासिल की सत्ता

ममता ने कहा, चुनाव आयोग में बैठे एक अधिकारी पहले शाह के सहयोग विभाग के सचिव रह चुके हैं। मुझे इससे निजी आपत्ति नहीं है, लेकिन भाजपा ने हरियाणा,बिहार में जबरन सत्ता हासिल की। अब वही कोशिश बंगाल में हो रही है। एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं को भी परेशान किया गया। भाजपा रोहिंग्याओं की बात करती है, लेकिन असम में रोहिंग्या हैं तो एसआईआर क्यों नहीं लागू किया गया। ईडी ने छापेमारी के दौरान पार्टी का डेटा और रणनीति चुराने की कोशिश की।

सीएम को ऐसी हरकत करना ठीक नहीं : मोहन यादव

विसं, भोपाल। मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, किसी भी मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा होती है कि वह ईडी जैसे केंद्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करे। हम सभी शपथ इसी बात के लिए लेते हैं। ऐसे माहौल में यदि स्वयं सीएम ऐसी हल्की हरकत करें, तो यह उचित नहीं है। सीएम के नाते से उनका कृत्य कतई सही नहीं है।

टीएमसी का दिल्ली में प्रदर्शन, सांसदों को हिरासत में लेकर छोड़ा

इससे पहले शुक्रवार सुबह पार्टी के 8 सांसदों ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। डेरेक ओ ब्रॉयन, महुआ मोइत्रा, कीर्ति आजाद नारेबाजी करते नजर आए। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई, कुछ सांसद गिर भी गए। पुलिस ने सांसदों को सुबह 10 बजे हिरासत में लिया और दोपहर 12 बजे छोड़ा। कार्रवाई के बाद ममता ने एक्स पर लिखा-गृह मंत्री के दफ्तर के बाहर विरोध करना, हमारे चुने प्रतिनिधियों का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्हें सड़कों पर घसीटना कानून का पालन नहीं है, बल्कि पुलिस की घमंड दिखाने की कोशिश है।

अमेरिका ने तेल टैंकर से रूसियों को छोड़ा, 3 भारतीय फंसे

मास्को, जेएनएन। अमेरिका ने वेनेजुएला के पास उत्तरी अटलांटिक महासागर मे जब्त तेल टैंकर के चालक दल में शामिल रूसी नागरिकों को छोड़ने का ऐलान किया है। रूस ने अमेरिका के इस फैसले का स्वागत किया है। इस टैंकर पर दो रूसी नागरिक सवार हैं। वहीं, टैंकर के चालक दल में तीन भारतीय भी शामिल है, जिनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस टैंकर पर 20 यूक्रेनी और छह जॉर्जियाई नागरिक भी सवार हैं। हालांकि, अमेरिका ने उनकी रिहाई को लेकर कुछ नही कहा है। उत्तरी अटलांटिक महासागर में अमेरिकी तटरक्षक बल ने रूसी ध्वज वाले टैंकर मेरिनेरा (जिसे पहले बेला-1 के नाम से जाना जाता था) को बुधवार को जब्त कर लिया था। इस पर 17 यूक्रेनी नागरिक, छह जॉर्जियाई नागरिक, तीन भारतीय नागरिक और दो रूसी नागरिक सवार थे। पहले अमेरिका ने कहा था कि इस टैंकर के चालक दल को हिरासत में लिया गया है और इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की योजना है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ने कहा, हमारे अनुरोध के जवाब में, ट्रंप ने उत्तरी अटलांटिक में एक अभियान के दौरान अमेरिका द्वारा जब्त किये गए टैंकर मेरिनेरा के चालक दल के दो रूसी नागरिकों को रिहा करने का फैसला किया है। मंत्रालय के टेलीग्राम चैनल पर जारी बयान में जखारोवा ने कहा, हम इस फैसले का स्वागत करते हैं।

चालक दल के खिलाफ केस चलाएगा अमेरिका: व्हाइट हाउस ने टैंकर को जब्त किए जाने के बाद घोषणा की थी कि चालक दल के सदस्यों को अमेरिका की संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

राजकोट में 12 घंटे में 7 भूकंप, स्कूलों में छुट्टी

राजकोट, जेएनएन। गुजरात के राजकोट में पिछले 24 घंटे में भूकंप के 7 झटके महसूस किए गए। झटके हल्के थे जिससे किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक इन झटकों की तीव्रता 2.7 से 3.8 के बीच दर्ज की गई। एहतियात के तौर पर आसपास के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र उपलेटा से 28 किमी दूर दर्ज किया गया। बार बार आ रहे झटकों से लोगों में बड़ें भूकंप का डर बैठ गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका सुबह 6.19 बजे, दूसरा झटका 6.55 बजे और तीसरा 6.58 पर आया। इसी तरह सुबह 7.10 पर पांचवां, 7.13 पर छठवां और 7.33 पर सातवां भूकंप आया। सुबह 6.19 बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। वहीं गुरुवार रात 8.43 बजे भी झटका महसूस किया गया था। बीआईएस ने जनवरी 2025 में देश का नया भूकंप डेंजर मैप जारी किया था। नए नक्शे के मुताबिक भारत की 75 फीसदी आबादी अब भूकंप के 'खतरनाक क्षेत्र' में रह रही है।

रूस ने यूक्रेन पर दागा अपना 'ब्रह्मास्त्र'

नई दिल्ली, जेएनएन। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने यूक्रेन पर ओरेश्निक मिसाइल से हमला किया है। यह हमला कथित तौर पर दिसंबर में पुतिन के आवास पर यूक्रेन ड्रोन हमले बदला बताया जा रहा है।

दरअसल, रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि सेना ने यूक्रेन पर हमले में नई ओरेश्निक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। यह हमला पिछले महीने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर हुए यूक्रेनी ड्रोन हमले के जवाब में किया गया है। हालांकि, उस हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन ने खारिज कर दिया। नवंबर 2024 में जब रूस ने पहली बार यूक्रेन पर ओरेश्निक मिसाइल दागा था, तो दुनिया ने इसका ट्रेलर देखा था। हालांकि, उसे डमी करार दिया गया।

कितनी खतरनाक है ओरेश्निक मिसाइल?

ओरेश्निक मिसाइल एक सटीक हथियार है, यह तेज गति और कई निशाने मारने में सक्षम है। यह पारंपरिक हथियारों से अलग है क्योंकि इसमें न्यूक्लियर वॉरहेड नहीं है, लेकिन इसके वॉरहेड में इतना पावर है कि यह किसी भी भी मजबूत सुरक्षा को तोड़ने में सफल है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के अनुसार, इस मिसाइल का तापमान 4,000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जो सूरज की सतह के समान है।

4 की मौत 22 हुए घायल

यूक्रेन के विदेश मामलों के मंत्री एंड्री ने कहा कि इलाके में रूस के हालिया हमलों में चार नागरिकों की मौत हो गई और 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सिबिहा ने शुक्रवार को कहा कि रूसी मिसाइलों ने रिहायशी इलाकों पर भी हमला किया, जिससे पानी की सप्लाई और हीटिंग बाधित हो गई।

क्यों किया इस्तेमाल?

रूसी सेना ने कहा कि उसने ओरेश्निक मिसाइल तब दागी, जब मॉस्को के मुताबिक पिछले साल के आखिर में उत्तरी रूस के नोवगोरोड में पुतिन के एक घर पर यूक्रेन ने ड्रोन से हमला करने की कोशिश की थी। यूक्रेन ने कहा कि रूस झूठ बोल रहा है, और ऐसा कोई हमला नहीं हुआ था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी

डेनमार्क बोला- पहले गोली मारेंगे, फिर बात करेंगे, सैनिकों को इजाजत की जरूरत नहीं

कोपनहेगन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी के बीच डेनमार्क का जवाब आया है। रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने धमकी दी है कि अगर कोई विदेशी ताकत उनके इलाके पर हमला करती है, तो सैनिक आदेश का इंतजार किए बिना तुरंत जवाबी कार्रवाई करेंगे और गोली चलाएंगे। बिना आदेश हमला करने का नियम 1952 का है। तब डेनमार्क ने अपनी सेना के लिए एक नियम बनाया था, जिसके मुताबिक विदेशी ताकतों के देश पर हमला करने की स्थिति में सैनिकों को तुरंत लड़ना होगा। इसके लिए उन्हें किसी सीनियर अधिकारी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं होती। यह नियम पहली बार 1940 में तब लागू हुआ था जब जर्मनी ने डेनमार्क पर हमला किया था। उस समय कम्युनिकेशन सिस्टम ठप हो गया था और सैनिकों को समझ नहीं आया था कि क्या किया जाए। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह नियम आज भी लागू है।

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री नीलसन बोले, हमारा देश बिकाऊ नहीं है

डेनिश प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सेन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका किसी नाटो सहयोगी देश पर सैन्य हमला करता है, तो नाटो का अंत हो जाएगा और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सुरक्षा व्यवस्था खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में सब कुछ रुक जाएगा। यूरोपीय देश भी ट्रम्प के बयान पर कड़ी आपत्ति जता चुके हैं। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन और डेनमार्क के नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि ग्रीनलैंड उसके लोगों का है और केवल डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही इसके भविष्य का फैसला कर सकते हैं। ग्रीनलैंड अटलांटिक महासागर में बसा एक द्वीप है। यह पिछले 300 साल से डेनमार्क से जुड़ा है। यहां की विदेश और रक्षा नीति डेनमार्क देखता है। पिछले साल एक सर्वे में 85 प्रतिशत लोगों ने अमेरिकी कब्जे का विरोध किया था। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने बार-बार कहा है कि हमारा देश बिकाऊ नहीं है।

बढ़ती महंगाई को लेकर उग्र प्रदर्शन, ट्रंप का दावा- मशहद शहर पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा

ईरान: हिंसक प्रदर्शन, 45 लोगों की मौत, ट्रंप की धमकी के बाद खामेनेई ने बंद किया एयरस्पेस

तेहरान, जेएनएन। ईरान में आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में स्थिति ने उग्र रूप ले लिया है। बीती रात तेहरान में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरें और अली खामेनेई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों का दमन करने की कोशिश की तो लोगों ने बवाल काटा। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। ट्रंप ने धमकी दी जिसके बाद खामेनेई शासन ने एयरस्पेस बंद कर दिया। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए सूर्य और शेर के ध्वज लहरा रहे हैं। देशभर में करीब 50 शहरों में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं और ईरान से निर्वासित क्रउन प्रिंस रजा पहलवी के समर्थन में नारेबाजी हो रही है। रजा की घरों से बाहर निकलकर इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की अपील के बाद ही बीती रात प्रदर्शनकारी हिंसक हुए। सरकार ने प्रदर्शनकारियों का दमन करने सेना को सड़कों पर उतार दिया। 28 दिसंबर से लेकर 8 जनवरी तक हुए हिंसक प्रदर्शनों के दौरान 8 बच्चो सहित करीब 45 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा करीब 3000 लोग गिरफ्तार किए गए हैं।

भारत की चिंता बढ़ी : ईरान में दो हफ्ते से जारी इन प्रोटेस्ट की वजह से राजनीतिक अस्थिरता का खतरा बढ़ रहा है। भारत की चिंता इन प्रदर्शनों का असर चाबहार पोर्ट तक पहुंचने को लेकर है। ये पोर्ट भारत के लिए ना सिर्फ आर्थिक बल्कि चीन-पाकिस्तान के मुकाबले के लिए रणनीतिक लिहाज से भी खास है।

ट्रंप को खुश करने के लिए देश को बर्बाद न करें : खामेनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने देशभर में प्रदर्शनों के बीच पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। ईरान की सरकारी टीवी ने खामेनेई का भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने कहा कि ईरान विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनों के पीछे विदशी एजेंट हैं। जो देश में हिंसा भड़का रहे हैं।

ट्रंप ने दी धमकी

ईरान के हालातों को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मामले में दखल देने की प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दूसरी बार ईरान की सरकार को धमकी दी है कि अगर सरकार ने सेना के जरिए जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की तो अमेरिकी सरकार ओर सेना मामले में दखल देगी। अगर सरकार-सेना ने निर्दोष लोगों का खून बहाना बंद नहीं किया तो अमेरिका कार्रवाई करेगा। अमेरिकी की सरकार ओर सेना ईरानी जनता का साथ देगी। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद पर अब प्रदर्शनकारियों का कब्जा हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लिखा-दस लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन किया।

30 उम्र के बाद डाइट में शामिल करें 10 चीजें

हेल्थ-वॉच

30 की उम्र के बाद शरीर में कई बदलाव आने लगते हैं। खासकर बोन डेंसिटी धीरे-धीरे कम होने लगती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ो में दर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए सिर्फ कैल्शियम ही नहीं, बल्कि विटामिन डी, मैग्नीशियम, प्रोटीन और फॉस्फोरस की भी जरूरत होती है। हड्डियां मजबूत रहें इसके लिए फूड्स शामिल करना जरूरी है।

- **दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स :** दूध, दही और पनीर कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर होते हैं। ये हड्डियों के लिए सबसे जरूरी पोषण देते हैं। डेली एक गिलास दूध या दही हड्डियों को मजबूत बनाए रख सकता है।
- **हरी पत्तेदार सब्जियां :** पालक, मेथी, सरसों और बथुआ जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत हैं। ये बोन डेंसिटी को बनाए रखने और फ्रैक्चर से बचाने में मदद करती हैं।
- **बादाम और अखरोट :** ड्राई फ्रूट्स खासकर बादाम और अखरोट हड्डियों को कैल्शियम, फॉस्फोरस और हेल्दी फैट्स प्रदान करते हैं। इनसे हड्डियां मजबूत होती हैं और उनमें सूजन भी कम होती है।
- **तिल और अलसी :** सर्दियों में तिल खाना हड्डियों के लिए बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भरपूर होता है। वहीं अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड जोड़ो की मजबूती में मदद करता है।
- **अंडे :** अंडे, खासकर इसकी जर्दी विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स है। विटामिन-डी हड्डियों में कैल्शियम के एब्जॉर्पशन को बढ़ाता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं।
- **मछली :** सेल्मन, सार्डिन और टूना जैसी मछलियां ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन डी से भरपूर होती हैं। ये हड्डियों और जोड़ो की सेहत को बेहतर बनाए रखने में सहायक हैं।
- **सोया और टोफू :** सोया प्रोटीन और टोफू हड्डियों को कैल्शियम और फाइटोएस्ट्रोजेन प्रदान करते हैं। ये खासकर महिलाओं के लिए हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में उपयोगी हैं।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 600/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

Requirement

TARANG Edu. Com
(1) Teaching-BSC, Msc-55 Post
(2) Non Teaching 12th Pass-12 Post
MEDI A3 Pharma-70 Post
12th, Bsc, Msc, B.A., M.A. M.Com
Call-9767652798, 9673096935, 7498587973
(11-1)

M.P. POWER GENERATING COMPANY LIMITED
Superintending Engineer (P&W) Office of The Chief Engineer (Gen.), Sanjay Gandhi Thermal Power Station
Birsinghpur, Distt.-Umaria 484552 (M.P.), Email ID : sepnw.sgtps@mppgcl.mp.gov.in, Fax No. : 07655-260226
No. 511-0100/SGTPS/P&W/E-NIT-37/4184 Birsinghpur, Dtd. : 08.01.2026

E-TENDER INVITING NOTICE

M.P. POWER GENERATING CO. LTD. Invites Electronic tenders from manufacturer/reputed supplier /contractor, for the supply/works of following items for SGTPS, MPPGCL Birsinghpur.

SL. No.	MPPGCL TENDER-ID	Particulars	Estimate (In Rs.)	Tender Cost (In Rs.)	E.M.D. (In Rs.)	Last Date of Closing of Onling Submission	Due Date of E-Tender Opening
01	2025_MPPGC_468173_1	RCC WORK (Parapet) wall at various location in CHP area at, SGTPS, Birsinghpur. Year 2025-26	17,61,052/-	1000/-	35,300/-	27.01.2026	30.01.2026
02	2025_MPPGC_468206_1	Annual work of maintenance of and watch & ward of existing garden near B,E & F type quarter & Rest House" at SGTPS, MPPGCL, Birsinghpur.	18,99,504.82	1000/-	38,000/-	27.01.2026	30.01.2026
03	2025_MPPGC_469792_1	Work Contract for "Various fabrication work required for C&1 Up-gradation during/before AOH in Boiler of Unit No.# 4" at PH-II, SGTPS, MPPGCL, Birsinghpur	26,32,627/-	1000/-	52,700/-	23.01.2026	28.01.2026
04	2025_MPPGC_418465_3	Testing of various numerical and electromagnetic relays installed in unit no. 1 to 4, PH-I & II, at SGTPS, MPPGCL, Birsinghpur	21,02,583/-	1000/-	42,100/-	27.01.2026	30.01.2026
05	2025_MPPGC_468199_1	Procurement of "Shell & Tube Type Oil Cooler" for 8.5 E-9 Coal Mills for Gear Box of Unit no. 1 &2, PH-I, at SGTPS, MPPGCL, Birsinghpur.	17,32,499/-	1000/-	34,700/-	16.02.2026	20.02.2026

These tenders are being invited through e-tendering system/For viewing detailed E-NIT, downloading tender documents and participating in Electronic Tender, for any clarifications and/or due date extensions or corrigendum, please visit the website www.mptenders.gov.in regularly. Any clarifications and/or due date extensions or corrigendum shall be issued on the website **www.mptenders.gov.in** only.
M.P. Madhyam/123906/2026 **"SAVE ELECTRICITY-SAVE POWER- SAVE MONEY"** SUPERINTENDING ENGINEER (P&W)

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को दिया तुलसी का पौधा

जागरण, उज्जैन। स्मार्ट सिटी और यातायात पुलिस ने मिलकर एक महीने तक चलने वाले जागरुकता अभियान की शुरुआत शुक्रवार को चामुंडा माता मंदिर से की। अभियान के तहत नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को तुलसी का पौधा भेंट किया ताकि वे घर जाकर पौधे में पानी डालकर याद रखें कि उन्होंने नियमों की अवहेलना की थी। इसके साथ ही स्मार्ट सिटी ने हेलमेट 15 प्रतिशत कम कीमत पर जनता को उपलब्ध कराए।

छह अफसरों का कटेगा वेतन, 22 को नोटिस

जागरण, सतना। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतोषजनक निराकरण न होने पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जपं के पांच अधिकारियों और स्वास्थ्य मिशन के लेखा प्रबंधक का सात दिन का वेतन काटने का आदेश दिया है। इसके अतिरिक्त , डीपीसी, पीएचई और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री समेत पांच तहसीलदारों सहित कुल 22 अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं।

"ट्वीट ऑफ द डे"

संजीव झा
चीफ व्हिप आप

जनता से जुड़े तमाम मुद्दों से बचने के लिए भाजपा ने एक फर्जी वीडियो बनाया, जिसमें गुरु साहिब का नाम इस्तेमाल किया गया। गुरु साहिब जी के नाम का अपमान बर्दाश्त नहीं है। फर्जी वीडियो फैलाकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी को बदनाम करने वाले भाजपा के मंत्री कपिल मिश्रा की सदस्यता रद्द हो और उनसे तत्काल इस्तीफा लिया जाए।

पीटीएस में सिमुलेटर पर हथियारों की ट्रेनिंग, कोर्स का हुआ डिजिटाइजेशन

वर्चुअल रियलिटी के जरिए मिलेगा रंगरूटों को प्रशिक्षण

मुख्य संवाददाता, भोपाल।

प्रदेश के पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों (पीटीएस)में अब पढ़ाए जाने वाले कोर्स का डिजिटाइजेशन कर दिया गया है। इससे ट्रेनिंग लेने वाले नव आरक्षकों को क्लासरूम या अपने कमरे में ही बैठकर पढ़ाई करने से निजात मिल जाएगी। एडीजी ट्रेनिंग राजाबाबू सिंह के अनुसार देश में कानूनों में बदलाव के कारण पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में बेसिक पाठ्यक्रम भी बदले गए हैं। खासतौर पर आने वाले समय में एआई और सायबर क्राइम से जुड़े विषय भी इस कोर्स का हिस्सा बन गए हैं।

अब नव आरक्षकों के लिए डिजाइन किए गए ये कोर्स मोबाइल और टेबलेट पर सॉफ्ट कॉपी के रूप में भी उपलब्ध होने से प्रशिक्षण ले रहे रंगरूटों को भी फायदा हुआ है और यही कारण है कि वे अब अपने खाली समय में किसी भी स्थान पर बैठकर अपने कोर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। प्रशिक्षण केंद्रों में इस बदलाव की वजह से अब लिखित परीक्षा (टेस्ट) में असफल होने वाले नव आरक्षकों की संख्या में भी कमी आई है। फिलहाल प्रदेश के आठों ट्रेनिंग स्कूलों में प्रशिक्षण ले रहे 3498 रंगरूटों के लिए ये सुविधा लागू कर दी गई है। इसके लिए सभी ट्रेनिंग स्कूलों में आईगोट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

हर हालात में हथियार चलाना सिखाएंगे

पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों में सबसे अहम और कठिन दौर हथियार चलाने का माना जाता है। पहले परंपरागत रूप से नव आरक्षकों को हथियार चलाना सिखाए जाते थे। इसके लिए सीमित संख्या में हथियार और गोलियां मिलती थीं। चांदमारी के दौरान किसी भी ट्रेनी को एक हथियार पर अधिकतम 20 राउंड ही फायर के लिए मिलते थे। इससे हथियार चलाने में अधिकांश प्रशिक्षु एक्सपर्ट नहीं हो पाते थे। इन्हें पारंगत करने के लिए अब ट्रेनिंग स्कूलो में एआई आधारित सिमुलेटर लगाने की तैयारी की जा रही है। आमतौर पर सिमुलेटर का उपयोग पायलट ट्रेनिंग आदि के दौरान किया जाता है। इसके जरिए मोटावर्स तकनीक का उपयोग कर कैडेट्स को हर परिस्थिति में हथियारों को फिट करना और उसे चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। फिलहाल इस सिस्टम का ट्रायल शुरू कर दिया गया है और इसके जरिए बिना जोखिम के फायरिंग का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके साथ ही इस एआई बेस्ड टेक्नीक के जरिए हर ट्रेनी के सटीक निशानों और गलतियों को पल भर में आकलन किया जा सकेगा।

सर्किट ट्रेनिंग के साथ कलारीपट्टू मलखंभ और थांगता भी सिखाएंगे

प्रदेश में फिलहाल 8 ट्रेनिंग स्कूलों पीटीसी इंदौर, पीटीएस सागर, पीटीस तिगरा (ग्वालियर), पीटीएस उमरिया, पीटीएस रीवा, पीटीएस पचमढ़ी, पीटीएस उज्जैन, पीटीएस भौंरी (भोपाल) में ट्रेनी आरक्षकों की 9 माह की कठिन ट्रेनिंग चल रही है। इस प्रशिक्षण के लिए सर्किट प्रशिक्षण क्षेत्र बनाए गए हैं। यहां पर रंगरूटों की फिटनेस और सहनशीलता को विकसित करने के लिए बाधा कोर्स, रस्सी चढ़ाई, क्रोलिंग और दौड़ की सुविधा मुहैया कराई गई है। इस बार ट्रेनिंग के दौरान जो नया बैच निकलेगा उसे आपात स्थिति से निपटने के लिए आत्मरक्षा की कलाओं जैसे कलारीपट्टु और थांग-ता की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। पुरुष रंगरूटों को मलखंभ और महिला रंगरूटों के लिए बैंबू ट्रेनिंग को भी प्रशिक्षण का हिस्सा बना दिया गया है।

बैतूल में बीजेपी नेता के फार्म हाउस पर ईडी की छापेमारी

नागपुर में भी 50 ठिकानों पर छापे, रेत खनन से जुड़ा है मामला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की नागपुर यूनिट ने शुक्रवार को बैतूल जिले के डहरगांव स्थित बीजेपी नेता जुबेर पटेल के फार्म हाउस पर छापा मारा। यह मामला नागपुर में अवैध रेत खनन से हुई आय को हवाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने से जुड़ा है। इसके लिए ईडी की टीम महाराष्ट्र के नागपुर से बैतूल पहुंची। ईडी ने नागपुर, खापा, सावनेर और कामठी में भी अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी है। बैतूल के डहरगांव में कार्रवाई के लिए ईडी की टीम अपने साथ सीआरपीएफ के जवानों को लेकर गई थी और स्थानीय पुलिस को एक्शन की भनक नहीं लगने दी। ईडी नागपुर की 12 सदस्सीय टीम इस केस में कुछ अहम दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त कर चुकी है जबकि फॉर्म हाउस में रखे अन्य ट्रांजेक्शन के दस्तावेज खंगाले जा रहा हैं।

नागपुर के इन नेताओं पर भी ईडी की दबिश: ईडी की टीम ने शुक्रवार सुबह नागपुर के खापा क्षेत्र में अमित रॉय के घर पर रेड के साथ सावनेर इलाके में प्रफुल्ल कापसे, विनोद गुप्ता, लक्ष्मीकांत सातपुते और रवि कोलते के घरों की तलाशी ली। इनमें से कापसे शिवसेना यूबीटी नागपुर के नेता हैं। पतानसावंगी में नरेंद्र पिपले, शरद रॉय के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची। इस पूरे मामले में 50 से च्यादा आरोपी शामिल हैं। इन लोगों ने मिलकर महाराष्ट्र सरकार को करोड़ों के राजस्व का नुकसान पहुंचाया है। रेत के अवैध खनन और बोगस रॉयल्टी से जुड़े इस गिरोह के तार दोनों राज्यों से जुड़े हैं। इस हेराफोरी का खुलासा पिछले दिनों नागपुर पुलिस की जांच में हुआ था, उसी आधार पर ईडी ने ये छापेमारी की हैं। गिरोह नकली रॉयल्टी के पेपर बनाकर सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचा चुका है।

जिले के बड़े ठेकेदार हैं पटेल

बैतूल के एसपी वीरेंद्र जैन ने बताया कि ईडी ने पटेल के फॉर्म हाउस पर रेड की और स्थानीय पुलिस या प्रशासन को पूर्व सूचना नहीं दी गई। जुबेर पटेल फिलहाल जिले के खेड़ी सांवलीगढ़ भाजपा मंडल में मंत्री और सहकारी समिति के अध्यक्ष हैं। वे पेशे से सिविल कॉन्ट्रेक्टर हैं और प्रॉपर्टी से जुड़े कारोबार में शामिल हैं। पटेल का लिंक नागपुर के भी कुछ नेताओं से बताया जा रहा है। गौरतलब है कि ईडी महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश के इस इंटर स्टेट नेटवर्क के द्वारा बोगस रॉयल्टी पेपर बनाकर करोड़ों रुपए के राजस्व नुकसान की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

थार से अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। पुलिस ने एक थार गाड़ी से 44 पेटी अवैध देशी मदिरा मसाला जब्त की है, जिसकी कुल मात्रा 396 लीटर (2200 पाव) आंकी है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। थाना करेली पुलिस टीम पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली की गाडरवारा की ओर से एक थार गाड़ी अवैध शराब लेकर नरसिंहपुर की तरफ आ रही है। पुलिस ने घेराबंदी कर सामने से आ रहे वाहन को रुकने का इशारा किया। इसके बाद चालक ने गाड़ी ड्रीम लैंड सिटी के अंदर डाल दी। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए करीब 200 मीटर पीछा कर वाहन को रोक लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें खाकी रंग के कार्टूनों में भरी 44 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पूछताछ में चालक ने अपना नाम सुरेंद्र लोधी और बगल में बैठे युवक ने अपना नाम सलीम खान बताया।

विधि अधिकारियों की नियुक्तियों में नियमों का क्यों नहीं हुआ पालन

जिले जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि महाधिवक्ता कार्यालय में विधि अधिकारियों की नियुक्ति में नियम का पालन क्यों नहीं किया गया। जनहित याचिका पर चीफ जसटिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने विधि एवं विधायी कार्यविभाग के सचिव, महाधिवक्ता कार्यालय के अलावा सभी लॉ ऑफीसर्स को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। महाधिवक्ता कार्यालय में सरकारी वकीलों की नियुक्तियों को नियम विरुद्ध बताते हुए यह याचिका दायर कर की गई है। मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त सचिव योगेश सोनी की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके जैन की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका भी दायर की गई है। हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अधिवक्ता पारितोष त्रिवेदी ने पक्ष रखा। कोर्ट को बताया गया कि महाधिवक्ता कार्यालय में कुल 157 लॉ ऑफिसर्स की नियुक्ति को लेकर 25 दिसंबर को सूची जारी की गई है। उन्होंने याचिका में आरोप लगाया गया है कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह मनमानी और पक्षपातपूर्ण है।

हाथियों ने बर्बाद की मटर की फसल

जागरण, अनूपपुर। जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र में रात को हाथियों के एक दल ने किसानों की मटर की फसल को नुकसान पहुंचा दिया। धनगवां के जंगल में पिछले करीब 18 दिनों से डेरा डाले तीन हाथी रात में जंगल से बाहर निकल आए और खेतों में घुसकर फसल रौंद डाली। बताया जा रहा है कि ये हाथी एक हफ्ते बाद पहली बार गांव की ओर निकले। इससे पहले वे जंगल के अंदर ही पेड़-पौधों को खाकर गुजर-बसर कर रहे थे। रात में जैसे ही हाथियों की मौजूदगी की खबर लगी, वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। शोर मचाकर, आग जलाकर और पटाखे फोड़कर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा।

युवक ने ट्रक के सामने कूदकर दे दी जान

जागरण, भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 8.30 बजे युवक ने ट्रक के सामने कूदकर जान दे दी। आसपास के लोगों ने बताया कि ट्रक के सामने कूदने से पहले युवक ने आरोप लगाए थे कि छोला मंदिर थाना के सामने हमेशा लगने वाली पुलिस चेकिंग से वह परेशान है। आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद लोगों ने पुलिस को निशाने पर लिया और पुलिस व युवक के बीच चैकिंग का विवाद भी बताया। छोला पुलिस ने ट्रक जब्त कर मर्ग जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सरस्वती तिवारी ने बताया कि 28 वर्षीय अमन साहू विदिशा रोड स्थित लालकोठी क्षेत्र का रहने वाला था। वह क्षेत्र में ही मजदूरी करता था। शुक्रवार सुबह युवक घर से बिना बताए निकला था। बताया जा रहा है कि शाम से वह भानपुर शराब के पास ही मौजूद था। रात करीब साढ़े आठ बजे भानपुर चौकी के पास पहुंचा और छोला क्षेत्र से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक के सामने कूद गया। ट्रक के ब्रेक लग पाते, इससे पहले ही युवक कुचला गया।

सुसाइड से पहले युवक ने पुलिस चेकिंग से परेशान होने के लगाए थे आरोप

मऊगंज हिंसा मामले में सीबीआई जांच जरूरी नहीं

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष राज्य शासन की ओर से जांच दस्तावेजों के साथ स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। इसके जरिए साफ किया गया कि मऊगंज में आदिवासी परिवारों के साथ हिंसा मामले में सीबीआई जांच की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने शासन की रिपोर्ट को अभिलेख पर लेकर याचिका कर्ता को पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दे दिए। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद नियत कर दी। मऊगंज में आदिवासियों परिवारों के साथ हुई हिंसा को जनहित याचिका के जरिए चुनौती दी गई है। जनहित याचिकाकर्ता रीवा हनुमना निवासी पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि मऊगंज के ग्राम गडरा में आदिवासी परिवारों की भूमि खाली कराने को लेकर भू-माफियाओं ने मारपीट की थी। मामले के हिंसक रूप लेने के दौरान पद्रव मचा था। ड्यूटी पर तैनात एएसआई की भी मौत हो गई थी। इसके बाद माफियाओं ने आदिवासी लोगों की हत्या कर दी, इतना ही नहीं एक ही परिवार के तीन लोग फांसी के फंदे पर लटके हुए भी पाए गए थे। आवेदक की ओर से कहा गया कि उक्त हिंसा में करीब आधा दर्जन लोगों की मौत हुई थी, वहीं करीब डेढ से दो सौ आदिवासी परिवार अपना घर बार छोड़कर गायब हो गए हैं।

हाईकोर्ट में राज्य शासन ने पेश की स्टेटस रिपोर्ट

ठंड का कहर: राजस्थान में ओले, बिहार में 1000 बच्चे बीमार, 3 की मौत

सीजन में पहली बार जमी डल झील

भोपाल/लखनऊ/जयपुर, जेएनएन। देश के अलग-अलग हिस्सों में कड़ाके की सर्दी ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। कहीं ओलावृष्टि और बारिश तो कहीं घना कोहरा और शीतलहर का असर देखने को मिल रहा है। राजस्थान में बर्फीली हवाओं के साथ मौसम और सख्त हो गया है। उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा में घना कोहरा छाया रहा। जैसलमेर में सुबह गाड़ियों पर बर्फ की परत जम गई। अलवर में शुक्रवार को 6 बजे बारिश हुई, जबकि खैरथल-तिजारा क्षेत्र में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

उधर चिल्लई कलां के चलते श्रीनगर में इस सीजन की सबसे ठंडी रात रिकॉर्ड की गई। कड़ाके की ठंड से इस सर्दी में पहली बार डल झील के कुछ हिस्से जम गए। अधिकारियों के अनुसार न्यूनतम तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया है। बिहार में सबसे चिंताजनक असर बच्चों पर दिखा है। पटना में बीते 7 दिनों में 1000 से अधिक बच्चे ठंड से जुड़ी बीमारियों के कारण अस्पताल पहुंचे, जिनमें से 3 की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में भी ठंड ने रिकॉर्ड तोड़े हैं। काशी में जनवरी के महीने में 22 साल का रिकॉर्ड टूट गया और अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शुक्रवार को इस सीजन में पहली बार डल झील का एक हिस्सा जम गया। इस कारण इस झील की पहचान बन चुके 'शिकारे' चलना बंद हो गए हैं।

मध्यप्रदेश के 17 जिलों में घना कोहरा

मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 17 जिलों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने-जाने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें देरी से चलीं। तापमान की बात करें तो छतरपुर का खजुराहो सबसे ठंडा रहा, जहां 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रीवा (4.1), दतिया (4.2), नौगांव-शिवपुरी (5), उमरिया (5.4) और पचमढ़ी (5.8 डिग्री) भी बेहद ठंडे रहे।

अगले दो दिन का मौसम

- **10 जनवरी:** उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब और हरियाणा में हल्की बारिश का अलर्ट।
- 11 जनवरी: मैदानी राज्यों में घना कोहरा और कड़ाके की सर्दी; जबकि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी की चेतावनी।

बीटीआर में अवैध खनन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

जागरण, उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अवैध रेत खनन के खिलाफ वन विभाग की टीम ने कार्रवाई की है। शुक्रवार को मानपुर बफर क्षेत्र में सिंगुड़ी बांध के पास एक नाले से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही थी। इस दौरान टीम ने मौके से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। वन विभाग की टीम को अवैध खनन की सूचना मिली थी जिस पर कार्रवाई की गई।

नैतिक बहस वकील ने अपने ही क्लाइंट के खिलाफ दर्ज कराया था यौन उत्पीड़न का मुकदमा

वकील-मुवक्किल के अंतरंग संबंध, सुको ने फटकारा

नई दिल्ली, जेएनएन। तलाक का केस लड़ रही एक महिला वकील ने अपने ही मुवक्किल के साथ अंतरंग संबंध बना लिये। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने महिला वकील के आचरण को अव्यावसायिक और अनुचित बताते हुए फटकार लगाई, वहीं आरोपी शख्स को अग्रिम जमानत भी दे दी।

जानकारी के मुताबिक, महिला वकील ने अपने मुवक्किल के खिलाफ ही एक आपराधिक मामला दर्ज कराया था। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पाया कि जिस व्यक्ति का तलाक का केस वह लड़ रही थीं, उसी के साथ उन्होंने सहमति से संबंध बनाए। कोर्ट ने सवाल उठाया कि एक वकील के तौर पर यह आचरण पेशेवर मर्यादाओं के अनुरूप कैसे हो सकता है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि वकील से एक निश्चित स्तर की पेशेवर जिम्मेदारी और गरिमा की अपेक्षा की जाती है। अदालत ने कहा कि महिला वकील उस शख्स को उसकी पत्नी से तलाक दिलाने में मदद कर रही थीं, जबकि उसी दौरान उनके बीच निजी संबंध बन गए, जबकि तलाक का मामला अभी लंबित था।

आरोपी को मिली अग्रिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में आरोपी को अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि वह फिलहाल लंदन में रह रहा है। यदि वह भारत लौटता है, तो उसे तत्काल गिरफ्तारी से राहत मिलेगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से थे और न तो महिला वकील और न ही आरोपी एक-दूसरे से शादी करने को तैयार थे। ऐसे में दर्ज की गई आपराधिक शिकायत को अदालत ने बेवजह करार दिया।

कोर्ट बोला- पेशेवर नैतिकता के खिलाफ

पीठ ने महिला वकील से सीधे तौर पर पूछा कि आपने अपने ही क्लाइंट के साथ अंतरंग संबंध क्यों बनाए। कोर्ट ने कहा कि यह न केवल पेशेवर नैतिकता के खिलाफ है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा पर भी सवाल खड़े करता है।

पहले चार लोगों पर लगा चुकी है आरोप

वहीं, आरोपी के वकील ने अदालत को बताया कि संबंधित महिला वकील इससे पहले भी चार लोगों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले दर्ज करा चुकी हैं। यहां तक कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी पूर्व में उनके व्यवहार पर सवाल उठाते हुए जांच की बात कही थी।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।